समावर्तन
2019

एक नया
इतिहास
रचें हम।

MPM LIBRARY 102/02
29191

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यायित
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर-273 014 (उ.प्र.)
Web : www.mpm.edu.in | e-mail : mpmpg5@gmail.com | Phone : 7897475917, 9794299451

हमारे आदर्श

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) 273014

ग्रन्थालय

परिग्रहण सं. 29191

आह्वान सं. ....

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्र ... ाले
राष्ट्रनायक परमवीर महा ... र्यादा
पुरूषोत्तम भगवान् श्रीराम ...

‘ज ...

और पुण्य प्रताप महाराण ...

‘जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार’

हमारे सदा स्मरणीय बोधवाक्य हैं। शिक्षा परिषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि इन संस्थाओं में अध्ययन-अध्यापन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की 1932 ई. में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित साढ़े तीन दर्जन से भी अधिक शिक्षण-संस्थाओं में 25 हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

ग्रन्थालय

महाविद्यालय के संस्थापक

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरूष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा राष्ट्र संत ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् 1932 ई. में गुरूदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए 1957-58 ई. में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

महाविद्यालय के प्रबन्धक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मंत्री एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के प्रबंधक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की स्पष्ट दृष्टि है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना का दर्शन एवं लक्ष्य है कि इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पाठ पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। उनका कहना है कि प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय-सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस महाविद्यालय का मिशन है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बाल गंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिन्ह खड़ा होने लगा था। 1920 ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और 1930-31 ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। 1915-16 ई. के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि से शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से 4 फरवरी 1916 ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपुरूष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए 1932 ई.में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुनः स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूर दृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत 1932 ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। 1935 ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और 1936 ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कालेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

1949-50 ई. में इसी परिसर में महाराणा प्रताप डिग्री कालेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। अगस्त 1958 ई. में महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप डिग्री कालेज को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का परिसर आज भी 'महाराणा प्रताप परिसर' के नाम से जाना जाता है। तत्पश्चात् महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के नाम से वर्तमान दिग्विजनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना की, सम्प्रति यह विश्वविद्यालय परिसर से सटे महानगर का एक अति प्रतिष्ठित महाविद्यालय है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में साढ़े तीन दर्जन से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण तथा सेवा केन्द्र संस्थाएँ संचालित हो रहीं हैं। इनमें महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, सिविल लाइन्स, दिग्विजयनाथ पी. जी. कालेज, सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय रामदत्तपुर, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखनाथ, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक, गोरखनाथ, महाराणा प्रताप मंगला देवी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल बेतियाहाता, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल धूसड़, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखनाथ, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप शिशु शिक्षा बिहार रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप जूनियर हाईस्कूल लालडिग्गी, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक माफी, पीपीगंज, गुरू गोरखनाथ विद्यापीठ, पितेश्वरनाथ मन्दिर, कान्हापार, भरवहिया, पीपीगंज, महायोगी गुरू गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र भरवहिया पीपीगंज, प्रताप आश्रम गोलघर, महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास गोरखनाथ, महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल सिविल लाइन्स, गुरू श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग गोरखनाथ मन्दिर, महायोगी गुरू गोरक्षनाथ योग संस्थान गोरखनाथ मन्दिर, श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायामशाला गोरखनाथ मन्दिर, योगिराज बावा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र जंगल धूसड़, हिन्दू विद्यापीठ जंगल तिनकोनिया, महायोगी गुरू श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र गोरखनाथ, गुरू श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान गोरखनाथ एवं योगिराज बाबा गम्भीर नाथ सेवाश्रम (छात्रावास) जंगल धूसड़, गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार, दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौक बाजार तथा दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय चौक बाजार तथा आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल, देवीपाटन, तुलसीपुर, बलरामपुर प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। शिक्षा परिषद् की एक महत्वपूर्ण संस्था गुरू गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यालय मैदागिन, वाराणसी में स्थित है। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरू श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय एवं महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। गुरूश्री गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज निर्माणाधीन है। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

संख्या-ओ-संदेश/सीएम-1/

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

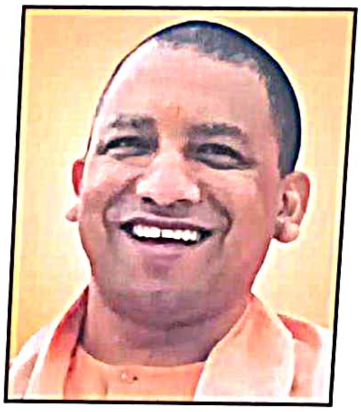

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर का समावर्तन संस्कार समारोह बसंत पंचमी तद्नुसार दिनांक 10 फरवरी, 2019 को आयोजित किया जा रहा है।

श्री गोरक्षनाथ मन्दिर ने शिक्षा और स्वास्थ्य को जनसेवा का प्रमुख माध्यम बनाया है। ब्रह्मलीन महन्त दिग्जियनाथ जी महाराज द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की गई थी। परिषद द्वारा महाराणा प्रताप महाविद्यालय सहित प्रत्येक स्तर की शिक्षा के लिए अनेक विद्यालय, पॉलीटेक्निक, कॉलेज ऑफ नर्सिंग आदि संचालित किए जा रहे हैं।

महाराणा प्रताप स्वतंत्रता और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। ऐसे राष्ट्रनायक के आदर्शों को युवा पीढ़ी में रोपित करने के उद्देश्य से ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग-रूप में पुनर्जीवित करते हुए ग्रामीण अचंल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की।

अनुशासित वातावरण में गुणवत्तापरक एवं संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान करते हुए महाविद्यालय ने अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी यह संस्थान गोरखपुर एवं समीपवर्ती जनपदों के छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट श्रेणी की शिक्षा प्रदान करता रहेगा।

समावर्तन संस्कार समारोह की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(योगी आदित्यनाथ)

सचिव, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

प्रबन्धक/सचिव, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

लाल बहादुर शास्त्री भवन, लखनऊ

प्रो. यू. पी. सिंह
पूर्व कुलपति

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर (उ.प्र.)

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की। शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत प्राथमिक से लेकर उच्च एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों की शृंखला खड़ी की। तत्पश्चात् गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की देख-रेख में शिक्षा के क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा स्थापित तत्कालीन महाराणा प्रताप डिग्री कालेज में 1955 से 1958 ई. तक कार्य करने का मुझे सुअवसर मिला जिस भूमि भवन पर गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना शिक्षा परिषद् के इसी बढ़ते क्रम में हुई।

अपने अल्प समय में ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस महाविद्यालय को पर्याप्त यश मिला है। नित नये प्रयोगों, अनुशासन, गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के कारण यह महाविद्यालय प्रशंसित हुआ है। हमें विश्वास है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय भारतीय संस्कृति के विकास का प्रयास जारी रखेगा। महाविद्यालय के 'समावर्तन संस्कार' समारोह के आयोजन पर महाविद्यालय परिवार को हमारी हार्दिक शुभकामना।

उ० प्र० सिंह

(यू.पी. सिंह)

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, अध्यक्ष-प्रबन्ध समिति,
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

समावर्तन अतिथि

समावर्तन 2008

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **कर्नल बी.पी. शाही**
ग्रुप कमाण्डर, एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, गोरखपुर

समावर्तन 2009

अध्यक्षता : **प्रो. एन.एस. गजभिए**
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय**
उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.

समावर्तन 2010

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **श्री बसवराज पाटिल**
पूर्व सांसद, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं सा. कार्यकर्ता, गुलवर्ग कर्नाटक

समावर्तन 2011

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **पद्मश्री प्रकाश सिंह**
पूर्व महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल, उत्तर प्रदेश

समावर्तन 2012

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **श्री आशीष जी**
अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

समावर्तन 2013

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **डॉ. कृष्ण गोपाल जी**
सहसर कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, नई दिल्ली

समावर्तन अतिथि

समावर्तन 2014

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति कलाधर शाही**
अ.प्रा. न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.

समावर्तन 2015

अध्यक्षता : **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **प्रो. राम शंकर कठेरिया**
राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि : **मा. श्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर**
पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

समावर्तन 2016

अध्यक्षता : **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
सांसद, गोरखपुर

मुख्य अतिथि : **प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी**
कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.

विशिष्ट अतिथि : **डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय**
राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना

समावर्तन 2017

अध्यक्षता : **डॉ. भोलेन्द्र सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मुख्य अतिथि : **प्रो. रमाशंकर दूबे**
कुलपति, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार

विशिष्ट अतिथि : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

समावर्तन 2018

अध्यक्षता : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति श्री रण विजय सिंह**
माननीय न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.

विशिष्ट अतिथि : **डॉ. विवेक कुमार निगम**
यूइंग क्रिश्चियन कालेज, इलाहाबाद

समावर्तन 2019

अध्यक्षता : **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
प्रबन्धक एवं माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

मुख्य अतिथि : **श्री जे.पी. नड्डा**
माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि : **श्री आशुतोष टण्डन**
माननीय स्वास्थ्य मंत्री, उत्तर प्रदेश

दो शब्द...

गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् जैसे वटवृक्ष की एक छोटी सी शाखा के रूप में गोरखपुर महानगर के पूर्वी-उत्तरी छोर पर ग्रामीण परिवेश में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपनी यात्रा के तेरह वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का ग्यारहवाँ बैच स्नातक एवं सातवाँ बैच परास्नातक तथा बी.एड्. का दूसरा बैच शिक्षा पूर्ण कर इस वर्ष विश्वविद्यालयी परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के अगले पड़ाव पर जाने हेतु तैयार है। भारत के लगभग सवा अरब लोगों में हमारे महाविद्यालय के स्नातक-स्नातकोत्तर एवं बी.एड्. की शिक्षा प्राप्त अब कुछ और ऐसे नागरिक होंगे जिनकी जीवन-दृष्टि की रचना में हमारे महाविद्यालय का भी किंचित योगदान है। हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन के दो, तीन अथवा पाँच वर्ष का एक चौथाई समय हमारे महाविद्यालय परिसर में गुजरा है। महाविद्यालय परिसर में बीते इन क्षणों का हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा, यह तो विद्यार्थी स्वयं एवं समय बतायेगा और वही हमारी उपलब्धि होगी।

आज का समावर्तन संस्कार समारोह इस बात का सूचक है कि हम अपने विद्यार्थियों का एक योग्य नागरिक के रूप में कैसा विकास चाहते हैं। वर्तमान में भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश हिस्सा भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति के आकर्षण के दिवास्वप्न में डूबा हुआ है। आजादी से लेकर कुछ वर्ष पूर्व तक सत्तावादी भारतीय राजनीति ने भारती धर्म-संस्कृति को साम्प्रदायिकता का चोला पहनाकर उसके वास्तविक स्वरूप पर भ्रम का आवरण चढ़ा दिया था। परिणामत: सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर हुई। परिवार संस्था भी कमजोर होती गयी। गाँव विरान होते गये। महानगरीकरण के रूप में असन्तुलित विकास का भयावह चित्र सामने आया। पिछले साढ़े छ: दशक में भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध का बढ़ता ग्राफ तथा कुछ विश्वविद्यालय परिसरों में राष्ट्र विरोधी तत्त्वों का संरक्षण निरन्तर प्रभावहीन होते भारतीय जीवन-मूल्य के ही सूचक रहा है।

किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उस देश की शिक्षा प्रणाली और उसके स्वरूप पर निर्भर करता है। डी.एस. कोठारी इसी बात को कह रहे थे कि 'भारत का भविष्य कक्षाओं में पलता है।' किन्तु भारत का दुर्भाग्य है कि आजादी के लगभग सात दशक बाद भी हम मैकाले के भूत से शिक्षा को आजाद नहीं करा पाये। मैकाले द्वारा प्रतिष्ठित शिक्षा नीति आज तक प्रभावी है और उसके

उद्देश्य-'पाश्चात्य शिक्षा व विचारों के प्रभाव से ऐसे भारतीय पैदा करना जो बौद्धिक दृष्टि से गुलाम हों'-को पूरा करने में ही लगी हुई है। पिछले साढ़े छः दशक तक 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' के नाम पर भारत की सत्ता देश की युवा पीढ़ी को गुमराह करने वाली शिक्षा पद्धति की ही प्रतिष्ठापक रही है। किन्तु मैकाले की शिक्षा नीति और स्वतन्त्र भारत के उसके मानस-पुत्रों द्वारा शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की अर्थी सजाने पर छाती पीटते रहने से क्या होने वाला है? यद्यपि कि अब देश एवं प्रदेश की राजनीति ने करवट ली है और सत्ता प्रतिष्ठानों द्वारा भी इस दिशा में प्रयत्न प्रारम्भ हुए हैं तथापि हम अपने प्रयासों से, जितना सम्भव है उनके प्रयासों को, कुछ शिक्षण संस्थानों में ही सही निष्फल कर सकते हैं और भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्य के प्रति थोड़े ही समूह में सही, युवाओं में आत्म सम्मान जागृत कर सकते हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना परतन्त्र भारत में (1932 ई.) तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने उपर्युक्त उद्देश्यों से ही की थी। भारतीय संस्कृति और उसके जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति भारत की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास के साथ प्रतिष्ठित एवं विकसित होता हुआ महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं उनकी यशस्वी महन्थ परम्परा के सपनों को पूरा करने में कहाँ तक सफल है, इसका मूल्यांकन गोरक्षपीठ और समाज करेगा तथापि 'समावर्तन संस्कार समारोह' हमारे वैचारिक अधिष्ठान का ही हिस्सा है। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कारों में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। आज के अवसर पर अपने विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में महाविद्यालय परिसर का अल्पकालिक यथार्थ किसी न किसी रूप में अवश्य झलकता रहेगा।

(प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

तिथि - बसंत पंचमी, वि.सं. 2075, युगाब्द 5120
(10 फरवरी 2019 ई., रविवार)

समावर्तन 2018 से ग्रीष्मावकाश तक के प्रमुख कार्यक्रम

25 फरवरी 2018 को सत्र 2017-18 में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों का 11वाँ समावर्तन संस्कार समरोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति रणविजय सिंह जी उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि इविंग क्रिश्चियन कॉलेज, इलाहाबाद के अर्थशास्त्र विभाग के आचार्य डॉ. विवेक कुमार निगम तथा अभिभावक संघ के सदस्य श्री दिलीप चौहान, पूरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष श्री मनीष दूबे उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की गयी। संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया। समावर्तन समारोह के माध्यम से स्नातक, स्नातकोत्तर एचं बी.एड्. अंतिम वर्ष के छात्र/छात्राओं को समावर्तन उपदेश महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह जी के द्वारा दिया गया। इस समारोह में सत्र 2017-18 में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपनी-अपनी कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों, जिन्हें सत्र 2018-19 के छात्र प्रवेश समिति का सदस्य भी नियुक्त किया जाता है, को मुख्य अतिथि द्वारा मेडल एवं प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। इसके साथ ही साथ महाविद्यालय के आस-पास के ग्रामीण महिलाओं एवं महाविद्यालय के छात्राओं के स्वावलम्बन के लिए महाविद्यालय में संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र से 6 माह का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षुओं एवं महाविद्यालय के आस-पास के छोटे बच्चों को महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया।

समावर्तन 2018 के अवसर पर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री रणविजय सिंह एवं अतिथिगण

समावर्तन समारोह में उपस्थित अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राएं

नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त प्रमाण पत्र प्राप्त करती कनीज़ फातिमा

समावर्तन समारोह में पुरस्कृत छात्र-छात्राएं

कार्यशाला में व्याख्यान देत प्रो. राजेश कुमार सिंह

कार्यशाला में व्याख्यान देते प्रो. एस.एन. त्रिपाठी

कार्यशाला में व्याख्यान देते प्रो. प्रतिभा खन्ना

राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर प्रो. सतीश चन्द्र मित्तल, प्रो. विजय कृष्ण सिंह एवं अन्य अतिथिगण

बी.एड्. विभाग में तीन दिवसीय कार्यशाला

26 से 28 मार्च को बी. एड् विभाग में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 26 मार्च की कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रो. राजेश कुमार सिंह ने 'अधिगम सिद्धान्त एवं प्रकार' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। संचालन श्री सत्यप्रकाश सिंह तथा आभार ज्ञापन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। 27 मार्च को कार्यशाला के दूसरे दिन मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. एस.एन. त्रिपाठी जी ने 'शैक्षिक मापन मूल्यांकन' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य श्री नवनीत कुमार सिंह तथा आभार ज्ञापन सहायक आचार्य श्री सत्यप्रकाश सिंह ने किया।

28 मार्च को कार्यशाला के तीसरे दिन मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. प्रतिभा खन्ना ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद तथा आभार ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

29 एवं 30 मार्च को भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली (ICHR) एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारत छोड़ो आन्दोलन' विषय पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उद्घाटन अवसर पर मुख्य वक्ता कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा के इतिहास विभाग के पूर्व

राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान देते प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा

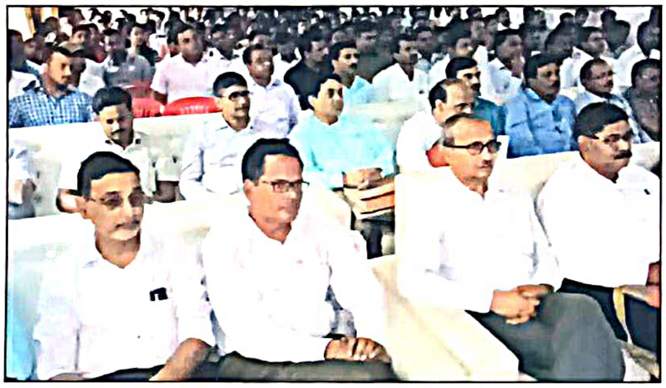
राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित विभिन्न संस्थानों के आचार्यगण एवं प्रतिभागीगण

विभागाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. सतीश चन्द मित्तल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली के राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं इतिहासविद् डॉ. बाल मुकुंद पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के माननीय कुलपति प्रो. विजयकृष्ण सिंह ने किया। प्रस्तावकी दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी तथा संचालन संगोष्ठी के समन्वयक भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सह निदेशक डॉ. ओम जी उपाध्याय ने किया। अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। प्रथम दिन तीन तकनीकी सत्रों में शोधपत्रों का वाचन हुआ।

संगोष्ठी का समारोप

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर प्रो. के.एन. सिंह, प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा, प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. हेरम्ब चतुर्वेदी, प्रो. रजनीश शुक्ल एवं अन्य।

30 मार्च को संगोष्ठी के समारोप अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज के चेयरमैन प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा जी, विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. रजनीश शुक्ल तथा मुख्य वक्ता इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हेरम्ब चतुर्वेदी जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार किया।

विज्ञान में मस्ती भरी कठपुतली कार्यशाला

27 अप्रैल से 05 मई तक 'कठपुतली के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार' विषय पर 09 दिवसीय विज्ञान कठपुतली कार्यशाला राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद के सहयोग से इण्डियन साइंस कम्यूनिकेशन सोसाइटी द्वारा आयोजित किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि इण्डियन साइंस राइटर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. बी.पी. सिंह, मुख्य वक्ता छत्रपति शाहू जी

विज्ञान कठपुतली कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर विद्वानगण

विज्ञान कठपुतली कार्यशाला में विचार रखते डॉ. ए.के. सिंह एवं अन्य मंचासीन अतिथि

विज्ञान कठपुतली कार्यशाला के समापन अवसर पर प्रमाण-पत्र के साथ प्रतिभागीगण

महाराज कानपुर विश्वविद्यालय के इन्स्टीच्यूट ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. सिंह एवं विशिष्ट अतिथि डी.ए.वी. कॉलेज, कानपुर के हिन्दी विभाग के एसो. प्रो. एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय में भाषा सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा आभार ज्ञापन कार्यशाला संयोजिका श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम में एम.एल.के. कॉलेज, बलरामपुर के पूर्व प्राचार्य डॉ. बी.जी. शाही तथा जयपुरिया कॉलेज के पूर्व प्राचार्य श्री धर्मराज सिंह ने प्रतिभागियों को सम्बोधित किया। कार्यशाला में कुल 70 प्रतिभागियों को विज्ञान के माध्यम से विविध कलाओं में छत्रपति शाहू जी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के आचार्यों द्वारा प्रशिक्षित किया गया।

28 अप्रैल को कार्यशाला के प्रशिक्षुओं को बी. आर.डी. मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के एसो. प्रोफेसर डॉ. राजकिशोर सिंह ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर कार्यशाला में प्रतिभागियों को डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. अनूप चतुर्वेदी तथा डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने भी सम्बोधित किया।

05 मई को कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. रविशंकर सिंह तथा विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार सिंह ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा आभार ज्ञापन कार्यशाला संयोजिका श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यशाला में 09 दिनों तक प्रशिक्षुओं ने लोक कलाओं के माध्यम से विज्ञान के विभिन्न तकनीकों का अभ्यास किया। इसके उपरान्त समापन अवसर पर प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवस पर साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला

15 से 21 जून तक गुरू श्रीगोरक्षनाथ मन्दिर परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन सम्पन्न हुआ। योग शिविर में देश के विभिन्न प्रांतों एवं स्थानीय प्रशिक्षुओं ने भाग लिया तथा शैक्षिक सत्र में महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज जंगल धूसड़ सहित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थाओं के शिक्षक एवं कर्मचारियों ने सभागिता किया।

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला को संबोधित ते गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उ.प्र. के मा. मुख्यमंत्री पूज्य महाराज ज

15 जून को हिन्दू सेवा आश्रम कटक, उड़ीसा के महंत शिवनाथ दास जी महाराज ने मुख्य अतिथि के रूप में योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर सम्बोधित करते हुए योग और शिक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम में गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यालय के श्री रंगनाथ मिश्र ने वैदिक मंगलाचरण एवं गोरक्षाष्टक पाठ किया, वन्देमातरम् के साथ उद्घाटन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की प्रस्तविकी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं संचालन डॉ. राजशरण शाही ने किया। योग शिविर के सैद्धांतिक सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. द्वारकानाथ ने 'योग का मनोविज्ञान' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। सत्र की अध्यक्षता कटक, उड़ीसा के महंत शिवनाथ जी महाराज ने किया। संचालन योग प्रशिक्षक डॉ. चन्द्रजीत यादव ने किया।

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला में मंचासीन पूज्य महाराज जी, श्री सूर्यप्रताप शाही एवं अन्य अतिथिगण

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला को संबोधित करते प्रो. उदय प्रताप सिंह

16 जून को सैद्धांतिक सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. डी.एन. यादव ने 'प्राणायाम' विषय पर अपना विचार व्यक्त किया। कटक, उड़ीसा के महंत शिवनाथ

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला में व्याख्यान देते प्रो. द्वारका नाथ एवं महन्त शिवनाथ जी महाराज

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला में व्याख्यान देते प्रो. डी.एन. यादव एवं महन्त शिवनाथ जी महाराज

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला में व्याख्यान देते योग प्रशिक्षक

जी महाराज ने सत्र की अध्यक्षता करते हुए सम्बोधित किया। योग शिविर के शैक्षिक सत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की रूपरेखा प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने रखी। इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र, गुरू श्रीगोरक्षनाथ नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डी.एस. अजिथा, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण बी.एड्. पाठ्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मारकण्डेय सिंह ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के स्ववित्त योजना के अन्तर्गत संचालित संस्थाओं के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

17 जून को योग शिविर के सैद्धान्तिक सत्र में 'नाद योग साधन' विषय पर मुख्य वक्ता भारत स्वाभिमान न्यास के प्रभारी हरिनारायण धर दूबे ने 'प्राणायाम' विषय पर शिवरार्थियों को सम्बोधित किया। सत्र की अध्यक्षता कटक, उड़ीसा के महंत शिवनाथ जी महाराज ने किया। शैक्षिक सत्र में पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने अपना व्याख्यान दिया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने भी अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र एवं महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज, गोरखपुर के प्रधानाचार्य डॉ. अरूण कुमार सिंह, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज, जंगल धूसड़ के प्रधानाचार्य श्री संदीप कुमार ने भी अपना विचार व्यक्त किया।

18 जून को सैद्धांतिक सत्र में 'योग एवं महायोगी गोरखनाथ' विषय पर पूर्वोत्तर रेलवे के नेच्युरौपैथी केन्द्र के निदेशक डॉ. जयंतनाथ ने शिवरार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कटक, उड़ीसा के महंत शिवनाथ जी महाराज ने किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में 'महामुद्रा' की क्रिया के सन्दर्भ में शिविरार्थियों को ज्ञान दिया। शैक्षिक सत्र में उपस्थित शिक्षक-कर्मचारियों को पूर्व कुलपति प्रो.

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला में व्याख्यान देते योगाचार्यगण

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला में व्याख्यान देते डॉ. अरविन्द चतुर्वेदी एवं मंचासीन आचार्यगण

उदय प्रताप सिंह ने सम्बोधित किया। कार्यक्र शिक्षा परिषद के सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र, प्रदीप कुमार राव, प्रधानाचार्य श्री अरविन्द कुमार प्रधानाचार्य श्री मनीष कुमार दूबे, प्रधानाचार्य श्र वन्दना पाण्डेय ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

19 जून को सैद्धान्तिक सत्र में शिविरार्थि समक्ष योग प्रशिक्षक श्री दीनानाथ राय ने 'अजपा विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम अध्यक्षता कटक, उड़ीसा के महंत शिवनाथ महाराज ने किया। शैक्षिक सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम गोरखनाथ संस्कृत विद्यापीठ के प्राचार्य डॉ. अरवि कुमार त्रिपाठी, महाराणा प्रताप पालिटेक्निक प्रधानाचार्य श्री पाटेश्वरी सिंह ने भी सम्बोधित किय कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार र ने प्रस्तुत किया।

20 जून को सैद्धान्तिक सत्र में योगाचार्य श्री आर.एन. यादव तथा श्री राजेश्वर यादव ने योग मूल तत्व और उसके महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए योग के विविध क्रियाओं का अभ्यास कराया। योग ए शैक्षिक शिविर को सायं सत्र में भारतीय संस्कृति में योग और शिक्षा विषय पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उत्त प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज का व्याख्यान हुआ।

21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गोरखनाथ मन्दिर परिसर के विभिन्न स्थानों यथा दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार, हिन्दू सेवाश्रम इत्यादि स्थानों पर एक साथ सामूहिक योगाभ्यास सम्पन्न हुआ तथा उसके उपरांत साप्ताहिक योग शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त किये प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला में अपना विचार व्यक्त करते डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं उपस्थित योग प्रशिक्षु तथा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थाओं शिक्षकगण

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : 2018–19)

कक्षाएं प्रारम्भ

महाविद्यालय के शैक्षिक पंचांग के अनुसार 2 जुलाई से बी.एड्. प्रथम वर्ष, 16 जुलाई से स्नातक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य भाग दो व तीन तथा स्नातकोत्तर रसायनशास्त्र, प्राचीन इतिहास तथा राजनीतिशास्त्र अन्तिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हुईं।

स्वामी विवेकानन्द स्मृति दिवस

4 जुलाई को स्वामी विवेकानन्द जी की पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित व्याख्यान में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन मूल्य पर अपना विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानन्द स्मृति दिवस के अवसर पर अपने विचार प्रस्तुत करते महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

वार्षिक योजना बैठक

03 से 06 जुलाई को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सभी शिक्षकों के साथ वार्षिक योजना बैठक जगत जननी माँ सीता सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में वार्षिक शैक्षिक पंचाग के साथ सम्पूर्ण वार्षिक योजना बनाई गई। जिसमें महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही।

वार्षिक योजना बैठक में उपस्थित महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकगण

प्रवेश सूची जारी

16 जुलाई को बी.ए., बी.एस-सी., बी.कॉम, एम.ए., एम.एस-सी. तथा एम. कॉम प्रथम वर्ष की अर्हता सूची जारी कर दी गयी। प्रवेश समिति के संयोजक डॉ. विजय कुमार चौधरी के नेतृत्व में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हुई।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस

27 जुलाई को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ.

विजय कुमार चौधरी ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व … उद्घाटित करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अ… पर समस्त छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

छात्रसंघ की कार्यकारिणी बैठक

छात्रसंघ की कार्यकारिणी की बैठक 28 जुलाई को छात्रसंघ अध्यक्ष राहुल गिरी की अध्यक्षत… जगत जननी सीता सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में 2017-18 के चुने हुए कक्षा प्रतिनिधि एवं पदाधि…री सम्मिलित हुए। बैठक में छात्रसंघ अधिकारी द्वारा छात्रसंघ कोष का विभिन्न कार्यों के मद में अनुम… किया गया।

प्रार्थना सभा का प्रारम्भ

प्रार्थना कराती महाविद्यालय की छात्रायें

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 1 अगस्त से महाविद्यालय में नियमित प्रार्थना सभा का आयोजन प्रातः 9.25 बजे से प्रारम्भ हुआ। प्रत्येक कार्यदिवस को प्रातः 09:25 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, सरस्वती वन्दना, ईशोपासना एवं राष्ट्रगीत के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि कोई महापुरुष/घटना की जयन्ती/पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होता है, तो उस दिन महापुरुष/घटना के संदर्भ में उद्बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्भगवतगीता के हिन्दी अनुवाद सहित 5 श्लोकों का वाचन होता है। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारियो सहित प्राचार्य उपस्थित रहते हैं।

बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस एवं पुरुषोत्तम दास टंडन जयन्ती तथा नवप्रवेशित विद्यार्थी स्वागत समारोह

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य

01 अगस्त को बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस एवं पुरुषोत्तम दास टंडन जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उपरोक्त दोनों महापुरुषों के व्यक्तित्व पर अपना विचार व्यक्त किया। इसके साथ ही साथ नवप्रवेशित विद्यार्थियों को स्वस्थ परिसर संस्कृति से भी अवगत कराया। इस अवसर पर सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बी.एड्. विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला

03 अगस्त को महाविद्यालय में बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला के अन्तर्गत 'सूक्ष्म शिक्षण' विषय पर दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के एसोसिएट प्रो. डॉ. राजशरण शाही द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

कार्यशाला में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. राजशरण शाही

साप्ताहिक योग प्रशिक्षण का उद्घाटन

04 अगस्त को वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने योग के महत्त्व को बताते हुए साप्ताहिक योग का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

योग पर उद्बोधन देते हुए डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

06 अगस्त को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा हिरोशिमा दिवस पर ''परमाणु शस्त्र-सुरक्षा एवं विनाश'' के विशेष सन्दर्भ में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विषय पर बाबू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. करूणेन्द्र सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह तथा आभार ज्ञापन प्रवक्ता श्री रमाकान्त दूबे ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए डॉ. करूणेन्द्र सिंह

सप्तदिवसीय राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला उद्घाटन समारोह

7 से 13 अगस्त तक आयोजित होने वाले राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का उद्घाटन कार्यक्रम 7 अगस्त को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम

उद्घाटन अवसर पर व्याख्यान देते हुए प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह

की प्रस्ताविकी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा प्रस्तुत किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् एवं भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. रजनीश शुक्ल ने महन्त अवेद्यनाथ जी के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने जबकि अतिथियों के प्रति आभार प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्याख्यान देते हुए प्रो. टी.पी. सिंह

व्याख्यान माला के दूसरे दिन : 8 अगस्त को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोशल एक्सक्लूजन एण्ड इनक्लूसिव पालिसी के समन्वयक तथा राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रोफेसर टी.पी. सिंह ने 'भारत उभरती हुई महाशक्ति-एक विश्लेषण' पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित दूसरे वक्ता अर्थशास्त्र विभाग के प्रवक्ता श्री मंजेश्वर ने 'जी.एस.टी. चुनौती एवं संभावनाएँ' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। अतिथि का आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने तथा कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता सुश्री श्वेता चौबे ने किया।

व्याख्यान माला में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए प्रो. डी.के. सिंह

व्याख्यान माला के तीसरे दिन : 9 अगस्त को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने "कार्बन से परे ऊर्जा का भविष्य" विषय पर अपना शोधपरक व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन एवं स्त्रातजिक विभाग के प्रवक्ता डॉ. अभिषेक सिंह ने "वैश्विक परिदृश्य में भारत की नाभिकीय नीति" विषय पर उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह तथा आभार ज्ञापन रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने किया।

व्याख्यान माला के चौथे दिन : 10 अगस्त को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग की पूर्व संकायाध्यक्ष एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. शैलजा सिंह ने "वैश्विक परिदृश्य में भारतीय शिक्षा" विषय पर व्याख्यान दिया। दूसरे वक्ता के रूप में उपस्थित महाविद्यालय के ही

रसायनशास्त्र विभाग के आचार्य डॉ. राम सहाय ने 'दैनिक जीवन में रसायनों का प्रयोग' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. विभाग की प्रवक्ता सुश्री रचना सिंह तथा आभार ज्ञापन वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश शुक्ला ने किया।

व्याख्यान माला के पाँचवे दिन : 11 अगस्त को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के आचार्य प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने ''राजनीति कार्य संस्कृति एवं एकात्म मानव दर्शन'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने ''राष्ट्र निर्माण में हिन्दी साहित्य की भूमिका'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता श्री नन्दन शर्मा ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करती हुईं प्रो. शैलजा सिंह

व्याख्यान माला के पाँचवें दिन उद्‌बोधन देते प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह

व्याख्यान माला के छठवें दिन उद्‌बोधन देते प्रो. रवि शंकर सिंह

व्याख्यान माला के छठवें दिन : 12 अगस्त को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भौतिक विज्ञान विभाग के आचार्य एवं अभिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. रविशंकर सिंह ने ''प्रकाश बोध का संक्षिप्त इतिहास'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने ''स्वतन्त्रता संग्राम में सामाजिक सुधार आन्दोलनों की भूमिका'' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. यशवन्त राव और आभार ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया।

व्याख्यान माला-समापन समारोह तथा भारत विभाजन की पूर्व संध्या

13 अगस्त को महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान-माला के समापन समारोह तथा भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर आयोजित समारोह में मुख्य

व्याख्यान माला के समापन अवसर पर उद्बोधन देते प्रो. हरिकेश

अतिथि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर व बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी के कुलपति प्रो. सुरेन्द्र दूबे तथा मुख्य वक्ता के रूप में जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह का मार्गदर्शन एवं उद्बोधन विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति तथा प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रो. यू.पी. सिंह ने की। कार्यक्रम संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. अविन प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने 7 दिन चलने वाले इ समारोह का संक्षिप्त कार्यवृत्त प्रस्तुत करने के सा अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

व्याख्यान माला के समापन अवसर प्रो. सुरेन्द्र दुबे एवं प्रो. हरिकेश सिंह

भारत छोड़ो आन्दोलन एवं काकोरी घटना दिवस

9 अगस्त को प्रार्थना सभा में आयोजित भारत छोड़ो आन्दोलन एवं काकोरी घटना पर आयोजित कार्यक्रम में इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने स्मृति व्याख्यान प्रस्तुत कर महान क्रान्तिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सभी शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारत छोड़ो आन्दोलन विषय पर विचार प्रस्तुत करते डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह

बी.एड्. विभाग में भाषा उपचारात्मक कक्षा का संचालन

11 अगस्त से 27 अक्टूबर तक प्रत्येक शनिवार बी.एड्. विभाग द्वारा हिन्दी भाषा की उपचारात्मक कक्षाओं का आयोजन किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञ किसान पी.जी. कालेज, सेवरही के पूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय रहे।

आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला

11 अगस्त को महाविद्यालय मे आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में ''शैक्षिक उन्नयन'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता

विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने की। कार्यशाला के अन्तर्गत शैक्षिक संस्थानों में शैक्षिक गुणवत्ता कैसे बढ़ाई जाए, विद्यार्थियों मे नैतिकता बोध का सृजन कैसे हो आदि विषयों पर परिचर्चा की गई। कार्यशाला में प्राचार्य सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

आई.क्यू.ए.सी. की कार्यशाला में उपस्थित श्री प्रमथनाथ मिश्र एवं शिक्षक

अमर शहीद बन्धू सिंह शहादत दिवस

12 अगस्त को प्रार्थना सभा में अमर शहीद बन्धू सिंह शहादत दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में राजनीतिशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने अमर शहीद बन्धू सिंह के व्यक्तित्व पर अपना विचार प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शहीद बन्धू सिंह बलिदान दिवस पर बोलते हुए डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त को महाविद्यालय में प्रतिवर्ष की भाँति देश का 72वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्सवपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान, वन्देमातरम् सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राचार्य ने परम्परानुसार अपने उद्बोधन में महाविद्यालय के प्रयत्नों को ही शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप भेंट करते हुए राष्ट्र निर्माण में महाविद्यालय के योगदान पर व्याख्यान दिया।

स्वतन्त्रता दिवस पर विचार प्रस्तुत करते डा. प्रदीप कुमार राव

रामकृष्ण परमहंस समाधिस्थ दिवस

16 अगस्त को प्रार्थना सभा में रामकृष्ण परमहंस समाधिस्थ दिवस के अवसर पर आयोजित

रामकृष्ण परमहंस समाधिस्थ दिवस पर उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

कार्यक्रम में रामकृष्ण परमहंस के व्यक्तित्व एवं आध्यात्मिक आंदोलन पर बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता श्रीमती पुष्पा निषाद ने उद्‌बोधन प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन व्यक्तित्व प्रकाश डालते श्री सुबोध कुमार मिश्र

श्री अटल बिहार वाजपेयी की श्रद्धांजलि सभा

17 अगस्त को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के परलोक गमन के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन प्रातः 09:25 पर प्रार्थना सभा में किया गया। महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कमार मिश्र द्वारा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सभी शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित थे।

योग के महत्त्व पर विचार प्रस्तुत करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

योग व्याख्यान कार्यक्रम

18 अगस्त दिन शनिवार को साप्ताहिक योग अभ्यास शिविर के अवसर पर प्रार्थना सभा में 'योग का व्यावहारिक पक्ष' विषय पर विद्यार्थियों के बीच बी. एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह द्वारा "दैनिक जीवन में योग के उपयोग" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

आई.क्यू.ए.सी. की कार्यशाला में उपस्थित श्री प्रमथनाथ मिश्र एवं शिक्षक

आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला

21 अगस्त को महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माननीय सदस्य एवं शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री प्रमथनाथ मिश्र ने की। कार्यशाला में 'शिक्षा-स्तर के उन्नयन एवं इसमें शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता' विषय पर चर्चा-परिचर्चा सम्पन्न हुई। शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षकों की संतुष्टि का स्तर आदि कैसे बढ़ाया जा सकता है, के सन्दर्भ में शिक्षकों से अभिमत भी प्राप्त किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी विषयों शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता किया।

राजगुरू जयन्ती

24 अगस्त को महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता श्री वागीश राज पाण्डेय ने भारत के महान क्रांतिकारी राजगुरू की जयन्ती के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उनके व्यक्तित्व व उनके बलिदान पर व्याख्यान देकर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हे हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजगुरु जयन्ती पर उद्बोधन देते श्री वागीश राज पाण्डेय

रानी पद्मिनी जौहर दिवस

25 अगस्त को प्रार्थना सभा में रानी पद्मिनी जौहर दिवस के अवसर पर भारत की वीरांगनाओं के गौरवपूर्ण इतिहास, त्याग और बलिदान की गौरवगाथा का "जौहर दिवस" के अवसर पर प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने भारत की इस अमर वीरांगना के बलिदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सभी शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

रानी पद्मिनी जौहर दिवस पर उद्बोधन देते श्री सुबोध कुमार मिश्र

छात्रसंघ चुनाव प्रक्रिया की समीक्षा बैठक

27 अगस्त को छात्रसंघ चुनाव की समीक्षा बैठक जगत जननी माँ सीता सभागार में छात्रसंघ चुनाव अधिकारी श्री नन्दन शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न की गई। इस बैठक में चुनाव प्रक्रिया से सम्बन्धित सभी बातों पर चर्चा की गई।

छात्रसंघ चुनाव समीक्षा बैठक में उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षक

छात्रसंघ चुनाव-कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव

28 अगस्त को छात्रसंघ के अन्तर्गत कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव सम्पन्न हुआ जिसमें 90 में से 80 कक्षा प्रतिनिधि चुने गए। 10 पदों पर अभ्यर्थी न होने के कारण चुनाव नहीं हो पाया। प्रतिनिधियों का चुनाव उनके शैक्षिक गुणवत्ता के आधार पर किया गया। अपनी-अपनी

कक्षा प्रतिनिधि चुनाव में उपस्थित विद्यार्थी

कक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी ही कक्षा प्रतिनिधि चुने गये। उन्ही में से अध्यक्ष पर पर 02, उपाध्यक्ष पद पर 02, महामंत्री पद पर 03 तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर 02 प्रतिनिधियों ने पर्चा दाखिल किया।

छात्रसंघ चुनाव-योग्यता भाषण

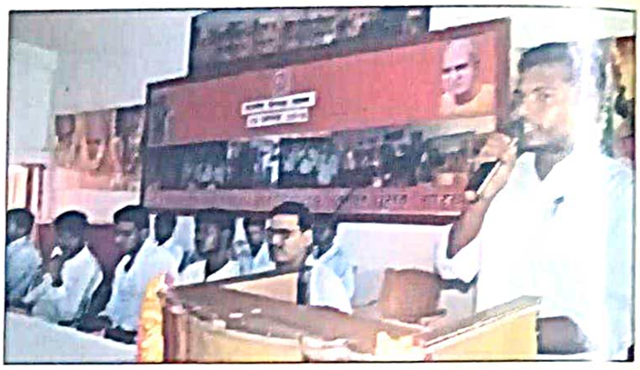

योग्यता भाषण के अवसर पर उपस्थित प्रत्याशीगण

29 अगस्त को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव हेतु योग्यता भाषण का आयोजन किया गया। योग्यता भाषण में अध्यक्ष पद हेतु मयंक तिवारी व विवेक विश्वकर्मा; उपाध्यक्ष पद के लिए सुशील चन्द्र ओझा, विशाल कुमार दूबे; महामंत्री पद के लिए दिव्यांशु रंजन, सुनील कुमार सिंह, पंकज कुमार यादव तथा पुस्तकालय मंत्री पद हेतु नीलेश नन्द तथा अंकित कुमार पाण्डेय ने अपना विचार प्रस्तुत कर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की। कार्यक्रम संचालन चुनाव प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने किया।

मेजर ध्यानचन्द जयन्ती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विचार प्रस्तुत करते श्री मंजेश्वर

29 अगस्त को प्रार्थना सभा में अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर ने राष्ट्रीय खेल दिवस व हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द के जयन्ती के अवसर पर मेजर ध्यानचन्द के व्यक्तित्व पर व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

छात्रसंघ चुनाव हेतु मतदान

छात्रसंघ चुनाव में मतदाता

30 अगस्त को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव हेतु मतदान शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। सभी संकायों से 74.93 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव में अध्यक्ष पद पर एम.ए. अन्तिम वर्ष के छात्र श्री मयंक तिवारी, उपाध्यक्ष पद पर बी.ए. द्वितीय वर्ष के श्री विशाल कुमार दूबे, महामंत्री पद पर बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के श्री दिव्यांशु रंजन तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर बी.ए. द्वितीय वर्ष के श्री अंकित कुमार पाण्डेय विजयी रहे। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित सभी शिक्षकों ने विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई दी तथा चुनाव अधिकारी श्री नन्दन शर्मा ने विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया।

दादाभाई नौरोजी जयन्ती

04 सितम्बर को प्रार्थना सभा में दादाभाई नौरोजी जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. यशवन्त राव ने दादाभाई नौरोजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालकर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

दादा भाई नौरोजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते डॉ. यशवन्त कुमार राव

शिक्षक दिवस

05 सितम्बर को महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं प्रतिष्ठित शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस (शिक्षक दिवस) के अवसर पर एक शिक्षक व राजनीतिज्ञ के रूप में डॉ. राधाकृष्णन के विचारों एवं उनके दर्शन के संदर्भ में अपने विचार प्रस्तुत कर महाविद्यालय की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिक्षक दिवस के अवसर पर उद्‌बोधन देते डॉ. विजय कुमार चौधरी

छात्रसंघ कार्यकारिणी बैठक

06 सितम्बर को छात्रसंघ प्रभारी श्री नन्दन शर्मा द्वारा प्राचार्य की अध्यक्षता में छात्रसंघ कार्यकारिणी की बैठक आहूत की गयी जिसमें कक्षा प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों की विभिन्न समितियाँ बनाकर उनका कार्य विभाजन किया गया।

छात्रसंघ कार्यकारिणी की बैठक में प्राचार्य एवं छात्रसंघ के सदस्य

बी.एड्. विभाग के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत समारोह

09 सितम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा विभाग के नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. भाग-2 द्वारा नवप्रवेशित बी.एड्. के विद्यार्थियों का तिलक लगाकर

बी.एड्. विभाग में नवागंतुक विद्यार्थी स्वागत समारोह

स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. विभाग के शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। इस समारोह में बी.एड्. प्रथम वर्ष की छात्राध्यापिका तथा छात्राध्यापक सुश्री प्रियंका सिंह तथा श्री कुलदीप निषाद को क्रमशः मिस फ्रेशर तथा मिस्टर फ्रेशर चुने गये।

पंडित गोविन्द वल्लभ पन्त जयन्ती

10 सितम्बर को प्रार्थना सभा में पंडित गोविन्द वल्लभ पन्त जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्राणि विज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ. नवनीत कुमार ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व वरिष्ठ भारतीय राजनेता के रूप में भारत के लोकतंत्र में उनके अवदानों पर अपना विचार प्रस्तुत कर पंडित गोविन्द वल्लभ पन्त जी को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

पं. गोविन्द वल्लभ पंत के जीवन पर विचार प्रस्तुत करते डॉ. नवनीत कुमार

कवयित्री महादेवी वर्मा पुण्यतिथि एवं आचार्य विनोबा भावे जयन्ती

11 सितम्बर को प्रार्थना सभा में कवयित्री महादेवी वर्मा की पुण्यतिथि एवं आचार्य विनोबा भावे की जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने कवयित्री महादेवी वर्मा के कृतित्व व आचार्य विनोबा भावे के व्यक्तित्व और उनके द्वारा चलाए गए भूदान आन्दोलन पर अपना विचार प्रस्तुत कर उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

महादेवी वर्मा एवं आचार्य विनोबा भावे के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालतीं डॉ. आरती सिंह

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. अभय प्रताप सिंह

मनोविज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

13 सितम्बर को मनोविज्ञान विभाग में "Importance of Psychology in human life" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में अखिलभाग्य पी.जी. कॉलेज रानापार, गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. अभय प्रताप सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन तथा आभार ज्ञापन क्रमशः डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय द्वारा किया गया।

यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस

13 सितम्बर को प्रार्थना सभा में यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में 'स्वतंत्रता आन्दोलन में यतीन्द्रनाथ बोस के योगदान' विषय पर रसायनशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

यतीन्द्र नाथ बोस बलिदान दिवस पर उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षक

हिन्दी दिवस

14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में प्रतिष्ठित साहित्यकार, समालोचक एवं पूर्वात्तर रेलवे के सेवानिवृत्त महाप्रबन्धक श्री रणविजय सिंह ने सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह तथा आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक/ कर्मचारी एवं विद्यार्थियों से मुख्य वक्ता ने अपनी मातृभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

हिन्दी दिवस पर व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री रणविजय सिंह

शिक्षक संघ चुनाव

शिक्षक संघ चुनाव में नवनिर्वाचित पदाधिकारीगण

14 सितम्बर को महाविद्यालय में शिक्षक संघ का चुनाव सम्पन्न हुआ जिसमें अध्यक्ष पद पर इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष पद पर हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह, महामंत्री पद पर रसायन विज्ञान विभाग के प्रवक्ता श्री संजय जायसवाल, संयुक्त मंत्री पद पर भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही तथा कोषाध्यक्ष पद पर अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर निर्वाचित हुए। विज्ञान संकाय से डॉ. नवनीत सिंह, कला संकाय से डॉ. यशवंत राव, वाणिज्य संकाय से नन्दन शर्मा तथा बी.एड्. संकाय से श्वेता चौबे निर्विरोध कार्यकारिणी सदस्य चुने गये। प्राचार्य ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी तथा चुनाव अधिकारी डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने सकुशल चुनाव कराया। इससे पूर्व पिछले सत्र के शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ. सुभाष गुप्ता ने चुनाव उपरान्त निर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर शुभकामनायें दी।

वनस्पति विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

15 सितम्बर को वनस्पति विज्ञान विभाग में ''जैव विविधता एवं संरक्षण'' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विषय पर भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रवक्ता सुश्री अंजली सिंह व आभार ज्ञापन सुश्री आम्रपाली वर्मा ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान देते डॉ. विजय कुमार चौधरी

बी.एड्. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

15 सितम्बर को महाविद्यालय में बी.एड्. विभाग में एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रो. सुषमा पाण्डेय ने 'पाठयोजना' विषय पर पावर पॉइंट के माध्यम से अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. प्रथम वर्ष के छात्राध्यापक विजय ने जबकि आभार ज्ञापन विभाग की प्रवक्ता डॉ. अनुभ श्रीवास्तव ने किया।

बी.एड्. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान के अवसर पर उपस्थिति प्रो. सुषमा पाण्डेय

एम. विश्वेश्वरैया जयन्ती एवं ओजोन संरक्षण दिवस (पूर्व दिवस)

15 सितम्बर को प्रार्थना सभा में आयोजित मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया जयन्ती के अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रामसहाय ने 'एम. विश्वेश्वरैया के इंजीनियरिंग के क्षेत्र मे अतुलनीय योगदान' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत कर भारत के इस महान इंजीनियर को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की तथा विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के पूर्व दिवस पर 'पर्यावरण संवर्द्धन की चुनौतियाँ' विषय पर उपस्थित छात्र/छात्राओं को संबोधित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह मंच पर उपस्थित रहीं।

एम. विश्वेश्वरैया जयन्ती के अवसर पर उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता

विजित प्रतिभागी को पुरस्कृत करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

16 सितम्बर को महाविद्यालय में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ रक्षा अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया। इस प्रतियोगिता का निर्णायक मैच आयुष पाल, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष और सुधीर कुशवाहा, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के बीच खेला गया जिसमें आयुष पाल को विजेता और सुधीर कुशवाहा को उपविजेता घोषित किया गया। भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनको प्रोत्साहित किया। क्रीड़ा प्रभारी मृत्युंजय सिंह ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

विश्वकर्मा पूजा एवं महर्षि दधिचि जयन्ती

महर्षि दधीचि जयन्ती पर उद्बोधन देते श्री मंजेश्वर

17 सितम्बर को प्रार्थना सभा में आयोजित विश्वकर्मा पूजा एवं महर्षि दधिची जयन्ती के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के प्रवक्ता श्री मंजेश्वर ने अपने विचार प्रस्तुत कर महर्षि दधिचि के लोकमंगल कल्याणकारी कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन पूज्य महंत अवेद्यनाथ जी महाराज का पुण्यतिथि समारोह - उद्घाटन कार्यक्रम

पुण्यतिथि समारोह में उपस्थित पूज्य महाराज जी एवं अतिथिगण

23 सितम्बर को युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की छियालीसवीं एवं राष्ट्रसंत पूज्य महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की चौथी पुण्यतिथि सप्ताह श्रद्धांजलि समारोह के उद्घाटन अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचारक मुकेश खाण्डेकर ने "लोक-कल्याण भारतीय संस्कृति की विशेषता है" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। पूर्व कुलपति पूर्वांचल

विश्वविद्यालय, जौनपुर के प्रो. उदय प्रताप सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज, गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.के. सिंह, महंत धर्मपाल सिंह, महंत गंगादास, महंत अवधेश दास, महंत धर्मदास आदि उपस्थित रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती

25 सितम्बर को प्रार्थना सभा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती के अवसर पर उपस्थित विद्यार्थी न

बी.एड्. विभाग में कार्यशाला

25 सितम्बर को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग एवं उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 'संस्कृत वाग्व्यवहार' विषय पर पाक्षिक कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के सभी शिक्षक, छात्राध्यापक व छात्राध्यापिकाएँ उपस्थित रहे।

कार्यशाला में उद्बोधन देते डॉ. सत्य प्रकाश मिश्र

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जयन्ती

26 सितम्बर को प्रार्थना सभा में ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर ने एक दार्शनिक, शिक्षाशास्त्री, लेखक एवं समाज सुधारक के रूप में ईश्वर चन्द्र विद्यासागर के योगदानों पर अपना विचार प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

ईश्वर चन्द विद्यायागर जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान देते श्री मंजेश्वर

अंग्रेजी विभाग में कहानी लेखन प्रतियोगिता

26 व 27 सितम्बर को महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग द्वारा ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जयन्ती व राजा राममोहन राय पुण्यतिथि के अवसर पर दो दिवसीय अंग्रेजी कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

कहानी लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

कहानी लेखन का विषय 'इण्डियन टेलीकॉम इण्डस्ट्री एण्ड रिलायन्स जीओ' तथा 'रोल ऑफ फीमेल इन डेवेलेपमेन्ट ऑफ सोसाइटी' था। बी.ए. द्वितीय वर्ष की शिवांगी राय प्रथम, बी.ए. द्वितीय की नम्रता उपाध्याय द्वितीय, बी.ए. प्रथम वर्ष की दीप्ति चतुर्वेदी तृतीय तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष की बेबी गुप्ता, बी.ए. तृतीय वर्ष की चन्दा गुप्ता व बी.ए. प्रथम वर्ष के पवन कुमार यादव संयुक्त रूप से चतुर्थ स्थान पर रहे।

राजाराम मोहन राय पुण्यतिथि

27 सितम्बर को राजाराम मोहन राय की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रार्थना सभा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने राजाराम मोहन राय के जीवन पर प्रकाश डालते हुए समाज सुधाार में उनके योगदान एवं राष्ट्र के प्रति उनकी श्रद्धा पर व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजाराम मोहन राय पुण्यतिथि के अवसर पर मंचस्थ शिक्षकगण

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. कृष्णानन्द पाठक

इतिहास विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

27 सितम्बर को इतिहास विभाग में 'राजा राममोहन राय का व्यक्तित्व' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अखिलभाग्य पी.जी. कॉलेज, रानापार, गोरखपुर के इतिहास विभाग के असिस्टेण्ट प्रोफेसर व उपप्राचार्य डॉ. कृष्णानन्द पाठक ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन व आभार ज्ञापन क्रमशः बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा कु. खुशबु तथा इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

सरदार भगत सिंह जयन्ती

28 सितम्बर को प्रार्थना सभा में सरदार भगत सिंह जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत कर सरदार भगत सिंह को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि सभा

श्रद्धांजलि सभा में महाराजद्वय को श्रद्धासुमन अर्पित करते प्रो. विनो सिंह

28 सितम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य प्रो. विनोद कुमार सिंह ने पूज्य महाराज द्वय के विराट व्यक्तित्व और उनके सामाजिक परिप्रेक्ष्य से सम्बन्धित विषय पर विचार प्रस्तुत किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में डॉ. कृष्ण कुमार पाठक तथा श्रीमती शिप्रा सिंह ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती सिंह ने किया तथा अतिथि के प्रति आभार ज्ञापन राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया।

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ और अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि समारोह- समापन कार्यक्रम

साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के समापन अवसर पर पूज्य महाराजजी एवं अन्य

29 सितम्बर को युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के सप्त दिवसीय पुण्यतिथि समारोह का 'भव्य समापन' गोरखनाथ मंदिर में हुआ जिसमें महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए। श्रद्धांजलि सभा में कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी तथा बतौर मुख्य अतिथि चिन्मयानन्द स्वामी जी ने सभी का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी शिक्षक उपस्थित थे।

वाणिज्य विभाग में परास्नातक नवागंतुक विद्यार्थी स्वागत समारोह

वाणिज्य विभाग में नवागंतुक विद्यार्थी स्वागत समारोह

30 सितम्बर को वाणिज्य विभाग में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। वाणिज्य परास्नातक अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा वाणिज्य

योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोलते श्री उपेन्द्र सिंह

परास्नातक प्रथम वर्ष के छात्रों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के शिक्षक व परास्नातक के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

01 सितम्बर को प्रार्थना सभा के साप्ताहिक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में गोरखपुर योगाध्यान केन्द्र के समन्वयक श्री उपेन्द्र सिंह ने सहज योग के माध्यम से ध्यान का प्रशिक्षण दिया। 8 सितम्बर को कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रवक्ता श्री हरविन्द श्रीवास्तव, 15 सितम्बर को वाणिज्य प्रवक्ता डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता तथा 22 सितम्बर को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने योग का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर सभी शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित थे।

गांधी जयन्ती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंचस्थ शिक्षकगण

गांधी जयन्ती व लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती

02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें ध्वजारोहण के उपरान्त राष्ट्रगान एवं वन्देमातरम् सहित विविध कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों तथा शिक्षकों द्वारा गोद लिये विद्यार्थियों ने श्रमदान भी किया।

स्वैच्छिक श्रमदान करते राष्ट्रीय सेवा योजना के वालंटियर

त्रैमासिक समीक्षा बैठक में उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षकगण

त्रैमासिक समीक्षा बैठक

02 अक्टूबर को त्रैमासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, शिक्षण पद्धति में नये प्रयोग सहित महाविद्यालय में समस्त लागू योजनाओं की समीक्षा कर आगामी त्रैमासिक योजना निर्धारित की गई।

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम

06 अक्टूबर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम एवं योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रुप में किसान पी.जी. कालेज, सेवरही के पूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने ''ज्ञान के स्रोत'' विषय पर अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, राष्ट्रगान एवं वन्देमातरम् का गायन के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ. सौरभ कुमार सिंह ने किया जबकि अतिथि के प्रति आभार ज्ञापन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

ज्ञान के स्रोत विषय पर उद्बोधन देते डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता

7 एवं 8 अक्टूबर को महाविद्यालय में दो दिवसीय महंत दिग्विजयनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के कुल 35 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता का निर्णायक मैच बालक वर्ग में आदित्य प्रताप सिंह, बी.ए. प्रथम वर्ष विशाल श्रीवास्तव, बी.काम. द्वितीय और अनमोल खरवार, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष, प्रशांत मिश्रा, बी.एस-सी. प्रथम के बीच खेला गया जिसमें आदित्य प्रताप सिंह और विशाल श्रीवास्तव को विजेता घोषित किया गया। बालिका वर्ग का निर्णायक मैच अंशिका चौहान, बी.ए. प्रथम और खुशबू चौरसिया, बी.ए. प्रथम वर्ष के बीच खेला गया जिसमे अंशिका चौहान विजेता घोषित हुई। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर प्रोत्सहित किया।

कैरम प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

जय प्रकाश नारायण जयन्ती

11 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में जय प्रकाश नारायण जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रवक्ता डॉ. रमाकान्त दूबे ने अपने विचार प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से जय प्रकाश नारायण को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

जय प्रकाश नारायण जयन्ती पर उद्बोधन देते डॉ. रमाकान्त दूबे

वनस्पति विज्ञान विभाग में 'पोस्टर प्रतियोगिता'

11 अक्टूबर को वनस्पति विज्ञान विभाग में 'पर्यावरण प्रदूषण एवं संरक्षण' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी. एस–सी. व एम.एस–सी. के कुल 46 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एस–सी. भाग एक से महिमा विश्वकर्मा, शालिनी सिंह, स्मृति क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। बी.एस–सी. भाग दो से सरिता पटेल प्रथम, रागिनी राय द्वितीय तथा दीपशिखा सिंह तृतीय स्थान पर रहे। बी.एस–सी. भाग तीन से सोनल दूबे प्रथम आरती गौड़ द्वितीय तथा अंजली सिंह तृतीय स्थान पर रही। वहीं एम.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर से अंजु गुप्ता प्रथम, जागृतिधर दूबे द्वितीय एवं निधि श्रीवास्तव तृतीय स्थान पर रहीं। निर्णायक मंडल में वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रवक्ता सुश्री अंजली सिंह, सुश्री आम्रपाली वर्मा एवं डॉ. अखिलेश कुमार रहे। प्रतियोगिता के सम्मिलित सभी प्रतिभागियों को महाविद्यालय की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि

12 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश शुक्ला ने राम मनोहर लोहिया के जीवन और व्यक्तित्व पर व्याख्यान देते हुए उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित किया।

राम मनोहर लोहिया पुण्य तिथि पर विचार व्यक्त करते डॉ. राजेश शुक्ल

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती

15 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी की जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में गणित विभाग के प्रवक्ता श्री प्रतीक कुमार दास ने डॉ. कलाम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार प्रस्तुत करते हुए उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंचस्थ अतिथिगण

अंग्रेजी विभाग में निबन्ध प्रतियोगिता

16 अक्टूबर को अंग्रेजी विभाग द्वारा 'करप्शन' विषय पर एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सभी संकायों एवं विषयों से 72 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें बी.ए. भाग तीन के विवेक विश्वकर्मा प्रथम, बी.एस-सी. भाग एक की प्रियंका दूबे द्वितीय, बी.ए. भाग एक के सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा को तृतीय तथा बी.ए. भाग दो की शिवांगी राय को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम

बी.जे विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते वरिष्ठ पत्रकार एन.के. सिंह

विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. श्रीनिवास सिंह

16 अक्टूबर को महाविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'भारतीय मीडिया : वर्तमान और भविष्य' विषय पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ब्राडकास्ट एडिटर्स एसोसिएशन के पूर्व महासचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार एन.के. सिंह ने 'मीडिया की भूमिका' विषय पर विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मा. कुलपति प्रो. एस.एन. सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार श्री मृत्युंजय कुमार तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रतिष्ठित साहित्यकार प्रो. रामदेव शुक्ल ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह तथा अतिथियों के प्रति आभार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर बोलते डॉ. यू.पी. सिंह

22 व 23 अक्टूबर को महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर द्वारा संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में "लोक भाषा के संवर्धन में नाथपंथ के योगदान" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 22 अक्टूबर को उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के अध्यक्ष हिन्दी के प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. राजनारायण शुक्ल एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार प्रो. रामदेव शुक्ल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल वि.वि., जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया। दूसरे दिन समापन अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मॉरीशस के शिक्षा मंत्रालय के डॉ. अशोक कुमार रामप्रसन्न, मुख्य वक्ता डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा समापन कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती सिंह ने किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर उपस्थित विद्ववतजन

संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस

24 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. यशवन्त राव ने 'संयुक्त राष्ट्र संघ की विश्व शान्ति में भूमिका' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

विशिष्ट व्याख्यान में उद्बोधन देते डॉ. कृष्ण कुमार

रक्षा एवं स्त्रतजिक अध्ययन विभाग में व्याख्यान कार्यक्रम

24 अक्टूबर को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप ने राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार ने व्याख्यान प्रस्तुत

किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अभिषेक सिंह तथा आभार ज्ञापन डॉ. रमाकान्त दूबे ने किया।

प्राणि विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

25 अक्टूबर को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान के सेवानिवृत्त आचार्य एवं विभागाध्क्ष प्रो. डी. के. सिंह ने 'क्रोमैटोग्राफी' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नवनीत कुमार ने जबकि आभार ज्ञापन प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर. एन. सिंह ने किया।

प्राणि विज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. डी. के. सिंह

मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम

26 अक्टूबर को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत पंजीकरण फार्म द्वारा मतदाता बनाया गया।

लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करते राष्ट्रीय सेवा योजना के वालंटियर

अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा

28 अक्टूबर को महाविद्यालय में विगत वर्षों की भाँति अमर उजाला फाउंडेशन की ओर से अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में 1391 अभ्यर्थी शामिल हुए।

अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा देने के उपरान्त उत्साहित परीक्षार्थी

राजनीतिशास्त्र विभाग में कार्यशाला

29 अक्टूबर को राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा "जम्मू कश्मीर की वर्तमान स्थिति अनु. 370 एवं 35। के परिप्रेक्ष्य में" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजनीतिशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने प्रस्तावकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. यशवन्त राव तथा डॉ. कृष्ण कुमार ने किया।

कार्यशाला में उपस्थित विभागीय शिक्षक

निबन्ध प्रतियोगिता

निबन्ध प्रतियोगिता के विजित प्रतिभागियों के साथ अतिथिगण

29 अक्टूबर को महाविद्यालय में सांस्कृतिक विभाग एवं यूनियन बैंक गीतावाटिका के संयुक्त तत्वावधान में केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत "भारतीय जनता पर नोटबन्दी का प्रभाव" विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में एम.कॉम. प्रथम वर्ष के कृष्ण कुमार सिंह प्रथम, बी.ए. द्वितीय वर्ष की अराधना गौड़ को द्वितीय, बी.एड्. प्रथम वर्ष की प्रियंका मणि त्रिपाठी को तृतीय तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष के अनुपम कुमार एवं बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की रीमा सिंह को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि यूनियन बैंक के मुख्य प्रबन्धक श्री प्रवीन शर्मा ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

रसायन विज्ञान विभाग का शैक्षिण भ्रमण

शैक्षिक भ्रमण पर रसायन विज्ञान विभाग शिक्षक एवं विद्यार्थी

30 अक्टूबर को रसायन विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. शिव कुमार बर्नवाल के संयोजन में रसायन विज्ञान विभाग के 51 छात्र/छात्राओं ने औद्योगिक क्षेत्र गीडा, गोरखपुर का शैक्षिक भ्रमण किया। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक श्री संजय जायसवाल तथा श्री गौरव तिवारी भी सम्मिलित रहे।

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती एवं श्रीमती इन्दिरा गांधी जयन्ती

सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं इंदिरा गांधी के जयन्ती के अवसर पर उद्‌बोधन देते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

31 अक्टूबर को प्रार्थना सभा में सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती एवं श्रीमती इन्दिरा गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अपने विचार प्रस्तुत कर उक्त दोनों महानुभावों के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

वनस्पति विज्ञान विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

31 अक्टूबर को वनस्पति विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

प्रतियोगिता में बी.एस-सी. व एम.एस-सी. के कुल 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में शैवाल का आर्थिक महत्व, आइकेन का आर्थिक महत्व आदि विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया, जिसमें स्नातक वर्ग में बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के शिवम जायसवाल प्रथम स्थान, आफरीन द्वितीय स्थान तथा खुशी सिंह तृतीय स्थान पर रहीं। बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष में विवेक कुशवाहा एवं श्वेता मिश्रा प्रथम स्थान, सुजीत कुमार द्वितीय स्थान तथा संदीप तिवारी तृतीय स्थान पर रहे। तृतीय वर्ष में सोनल दूबे प्रथम स्थान, अखिलेश सिंह एवं अंजली सिंह द्वितीय स्थान तथा भारती गोड़ तृतीय स्थान तथा परास्नातक वर्ग में जागृतिधर दूबे प्रथम स्थान, अंजु गुप्ता द्वितीय तथा प्रियंका चौरसिया तृतीय स्थान पर रहीं।

साप्ताहिक कार्यक्रम : स्वैच्छिक श्रमदान तथा योग प्रशिक्षण

स्वैच्छिक श्रमदान करते हुए महाविद्यालय के विद्यार्थी

महाविद्यालय में प्रत्येक शनिवार राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वैच्छिक श्रमदान का कार्यक्रम आयोजित होता है जिसमें स्वेच्छा से इच्छुक विद्यार्थी व शिक्षक श्रमदान करते है। इसी क्रम में 6 अक्टूबर, 13 अक्टूबर, 20 अक्टूबर तथा 27 अक्टूबर को स्वैच्छिक श्रमदान का आयोजन किया गया। साथ ही अक्टूबर माह में प्रत्येक शनिवार से प्रार्थना सभा में वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश शुक्ल ने योगाभ्यास कराया।

बी.एड्. विभाग में शैक्षिक प्रदर्शनी

शैक्षिक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए निर्णायकगण

01 नवम्बर को बी.एड्. विभाग में बी.एड्. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। शैक्षिक प्रदर्शनी में छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं ने समाज के ज्वलंत मुद्दों (कन्या भ्रूण हत्या स्वच्छता, जलसंरक्षण आदि) पर मॉडल एवं चार्ट प्रस्तुत किये। शैक्षिक प्रदर्शनी की संयोजिक सुश्री दीप्ति गुप्ता एवं सह संयोजिक श्रीमती विभा सिंह रही। इस अवसर पर सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी

विशिष्ट व्याख्यान

02 नवम्बर को हिन्दी विभाग द्वारा महाविद्यालय में ''संक्रमण काल में साहित्यकार की भूमिका'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में सतीश चन्द्र पी.जी. कॉलेज, बलिया के हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने तथा राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. यशवंत राव ने आभार ज्ञापित किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. अजय कुमार सिंह

प्राचीन इतिहास विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

03 नवम्बर को प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा 'भारत पर होने वाले विदेशी आक्रमण' विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के पोस्ट डॉक्टोरल फेलो डॉ. अजय कुमार सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन श्री मृत्युंजय कुमार सिंह ने किया।

बैठक में उपस्थित श्री प्रमथनाथ मिश्र, प्राचार्य एवं शिक्षकगण

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक

13 नवम्बर को आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक विषय विशेषज्ञ दीनदयाल गोरखपुर विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् के सदस्य तथा वरिष्ठ अधिवक्ता श्री प्रमथनाथ मिश्र तथा एन.डी.ए. खड़गवासला के सेवा निवृत्त भौतिकवेत्ता डॉ. राजेन्द्र भारती के साथ सभी शिक्षकों की बैठक सम्पन्न हुई। इस समीक्षा बैठक में पठन-पाठन की गुणवक्ता, शैक्षिक पंचांग के अनुपालन, दायित्व सह कार्य की गुणवत्ता, विभागीय योजनाएँ आदि विषय पर समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की।

ऊदा देवी शहीदी दिवस एवं राष्ट्रीय प्रेस दिवस

16 नवम्बर को प्रार्थना सभा में ऊदा देवी शहीदी दिवस एवं राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रक्षाअध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रमाकान्त दूबे ने विचार व्यक्त कर अमरशहीद ऊदा देवी के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

ऊदा देवी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते श्री रमाकान्त दूबे

लाला लाजपत राय पुण्यतिथि के अवसर पर व्याख्यान देते डॉ. संजय श्रीवास्तव

लाला लाजपत राय पुण्यतिथि

17 नवम्बर को लाला लाजपत राय के पुण्यतिथि के अवसर पर प्रार्थना सभा में आयोजित कार्यक्रम में डी.ए.वी. डिग्री कॉलेज, गोरखपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजय श्रीवास्तव ने उद्बोधन प्रस्तुत कर लाला लाजपत राय के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

कालिदास जयन्ती

17 नवम्बर को प्रार्थना सभा में कार्तिक शुक्ल नवमी कालिदास जयन्ती की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने उद्बोधन प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से महाकवि कालिदास को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

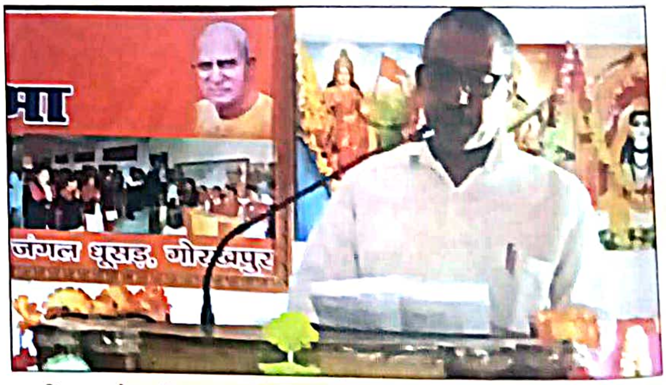

कालिदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते डॉ. प्रदीप कुमार राव

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता

17 से 23 नवम्बर तक चलने वाले वार्षिक महोत्सव का प्रारम्भ 17 नवम्बर को कम्प्यूटर प्रश्नमंच प्रतियोगिता से हुआ। इस प्रतियोगिता में कुल 45 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमें दिव्यांशु श्रीवास्तव, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष ने प्रथम स्थान;

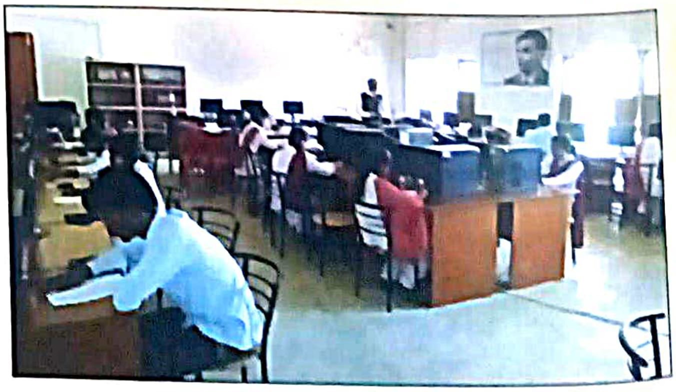

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

सौरभ ओझा, बी.ए. द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान; सतीश पाण्डेय, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान तथा अम्बुज पाण्डेय, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. हरविन्द कुमार श्रीवास्तव ने किया।

रानी लक्ष्मीबाई जयन्ती

19 नवम्बर को रानी लक्ष्मीबाई जयन्ती के अवसर पर प्रार्थना सभा में आयोजित कार्यक्रम में '1857 ई. के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई के योगदान' विषय पर भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने उद्बोधन प्रस्तुत कर वीरांगना लक्ष्मीबाई को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

रानी लक्ष्मी बाई के व्यक्तित्व को प्रकाशित करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

भाषण प्रतियोगिता में प्रस्तुति देती प्रतिभागी

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

19 नवम्बर को महाविद्यालय में आयोजित वार्षिक महोत्सव के तत्वावधान में अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने किया। प्रतियोगिता में कुल 28 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में श्री संदीप तिवारी, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष को प्रथम स्थान; सुश्री प्रिया दूबे, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष को द्वितीय स्थान; सुश्री शिवांगी राय, बी.ए. तृतीय वर्ष को तृतीय स्थान तथा श्री अखिलेश, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

उदीयमान कवि गोष्ठी में प्रस्तुति देती प्रतिभागी

उदीयमान कवि गोष्ठी एवं गायन प्रतियोगिता

19 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत उदीयमान कवि गोष्ठी एवं गायन प्रतियोगिता का आयोजन सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में ज्योति सिंह राजपूत, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान; आराधना गौड़, बी.ए. द्वितीय वर्ष तथा विजय कुमार, बी.एड्. प्रथम वर्ष संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान; दुर्गेश साहनी, बी.ए. तृतीय वर्ष एवं रितेश सोनकर, बी.एड्. प्रथम वर्ष संयुक्त रूप से तृतीय स्थान तथा सांत्वना पुरस्कार माधुरी उपाध्याय, बी.एस-सी. तृतीय वर्ष ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कुल 45 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

योगिराज बाबा गम्भीर नाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

19 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत योगिराज बाबा गम्भीर नाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता (बालक वर्ग) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया। प्रतियोगिता का निर्णायक मैच महाराणा प्रताप टीम और छत्रपति शिवाजी टीम के बीच खेला गया जिसमें महाराणा प्रताप टीम छत्रपति शिवाजी टीम को 58-48 से पराजित कर विजेता घोषित हुई। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता श्री नन्दन शर्मा ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। सभी के प्रति आभार ज्ञापन क्रीड़ा प्रभारी श्री मृत्यंजय सिंह ने किया।

ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं प्रतिभागीगण

20 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत ब्रह्मलीन मंहत अवेद्यनाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ रसायन शास्त्र विभाग की प्रवक्ता सुश्री प्रियंका मिश्रा ने किया। प्रतियोगिता में कुल चार टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का निर्णायक मैच रानी लक्ष्मीबाई टीम और मीराबाई टीम के बीच खेला गया जिसमें रानी लक्ष्मीबाई टीम ने मीराबाई टीम को 40-30 से पराजित कर विजेता का सम्मान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बी.एड्. विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। अंत में क्रीड़ा प्रभारी श्री मृत्युंजय सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

दिनांक 20 नवम्बर को वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शरद दूबे, बी.ए. प्रथम वर्ष प्रथम स्थान, कुलदीप निषाद, बी.एड्. प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान, पल्लवी, बी.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय स्थान तथा

सत्य प्रकाश तिवारी, बी.ए. प्रथम वर्ष एवं रामा वर्मा, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष ने संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कुल 108 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का आयोजन राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया।

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति बालीबाल प्रतियोगिता

वालीबाल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय

22 नवम्बर को महंत दिग्विजयनाथ स्मृति वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ कम्प्यूटर सहायक श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने किया। प्रतियोगिता में कुल सात टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का निर्णायक मैच महाराणा प्रताप टीम और योगीराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम टीम के बीच खेला गया जिसमें महाराणा प्रताप टीम योगीराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम टीम को 25-18, 25-21 से पराजित कर विजेता घोषित हुई। इस अवसर पर रक्षाअध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया। अन्त में क्रीड़ा प्रभारी श्री मृत्युंजय कुमार सिंह ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

आशुभाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को सम्बोधित करते डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता प्रतिभागी

हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता

17 से 23 नवम्बर तक होने वाली संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत 22 नवम्बर को हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता का संयोजन मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. वेंकट रमन ने किया। प्रतियोगिता में कुल 29 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय वर्ष के अंकित कुमार पाण्डेय को प्रथम स्थान; बी.ए. तृतीय वर्ष के राहुल गिरी को द्वितीय स्थान; बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के विन्ध्यवासिनी सिंह को तृतीय स्थान तथा बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के संदीप कुमार तिवारी को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

22 नवम्बर को ''सुशासन विकास की पहली शर्त है'' विषय पर हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का

आयोजन समाजशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. बृजभूषण लाल द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय वर्ष के राहुल गिरी ने प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष के सत्यप्रकाश तिवारी ने द्वितीय स्थान, बी.ए. द्वितीय वर्ष के अंकित कुमार पाण्डेय ने तृतीय स्थान तथा बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के श्री वैभव गुप्ता ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

निबन्ध प्रतियोगिता

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

22 नवम्बर को संस्थापक सप्ताह समारोह के अन्तर्गत ''राष्ट्रीय एकता एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता'' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. यशवंत राव ने किया। प्रतियोगिता में अनुपम कुमार, बी.ए. द्वितीय वर्ष ने प्रथम; कृष्ण कुमार सिंह, एम.कॉम. प्रथम वर्ष ने द्वितीय; वैभव गुप्ता, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कुल 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत 23 नवम्बर को प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र एवं श्री सुबोध कुमार मिश्र द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में श्री शरद दूबे, श्री आलोक तिवारी, श्री सत्यप्रकाश तिवारी तथा श्री अंकित कुमार पाण्डेय को संयुक्त रूप से प्रथम एवं श्री विवेक विश्वकर्मा व श्री पंकज कुमार पाण्डेय द्वितीय स्थान और श्री विवेक राय, श्री मनीष्ठा कुमार शर्मा, श्री आकाश यादव तथा आदित्य प्रताप सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कुल 48 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

डॉ. जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि

जगदीश चन्द्र बोस के जीवन-व्यक्तित्व पर प्रकाश डालतीं सुश्री आम्रपाली वर्मा

23 नवम्बर को महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में डॉ. जगदीशचन्द्र बोस पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान की प्रवक्ता सुश्री आम्रपाली वर्मा ने डॉ. जगदीशचन्द्र बोस के जीवन एवं व्यक्तित्व पर उद्‌बोधन प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुरू तेग बहादुर बलिदान दिवस

24 नवम्बर को महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश शुक्ला ने गुरू तेग बहादुर के बलिदान की गौरवगाथा को विद्यार्थियों के मध्य प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से गुरू तेग बहादुर को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षकगण

राष्ट्रीय संविधान दिवस

26 नवम्बर को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राजनीतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त राव ने उद्बोधन प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. यशवन्त कुमार राव

महात्मा ज्योतिबा फुले पुण्यतिथि

28 नवम्बर को प्रार्थना सभा में महात्मा ज्योतिबा फुले पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बी.एड्. विभाग की प्रवक्ता श्रीमती पुष्पा निषाद ने 'महात्मा ज्योतिबा फुले का समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत कर उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

महात्मा ज्योतिबा फूले के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालतीं श्रीमती पुष्पा निषाद

साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

प्रत्येक माह की भाँति नवम्बर माह में भी प्रत्येक शनिवार साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश शुक्ल ने कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, मण्डुकासन, भुजंगासन आदि का अभ्यास कराया जाता है।

साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षक

जन जागरूकता रैली निकालते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

विश्व एड्स दिवस

1 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में वाणिज्य संकाय के प्रभारी डॉ. राजेश शुक्ल ने इस बीमारी से जुड़े लक्षणों तथा हानियों के प्रति सभी को जागरूक किया।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस

2 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्राचीन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सौरभ सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर सभी विद्यार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के अवसर पर व्याख्यान देते डॉ. सौरभ सिंह

नौसेना दिवस की पूर्व संध्या एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती

03 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में नौसेना दिवस की पूर्व संध्या एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने व्याख्यान प्रस्तुत कर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

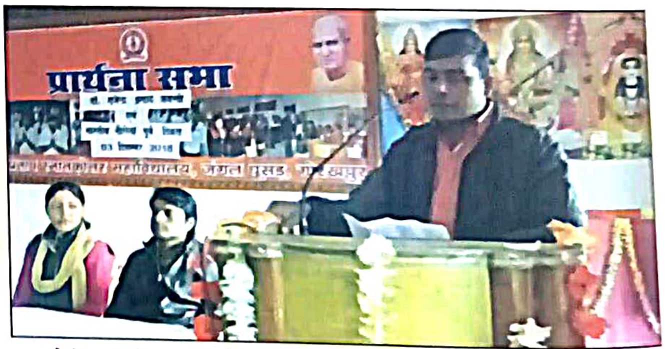

नौसेना दिवस (पूर्व संध्या) एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती के अवसर पर उद्बोधन देते डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता

संस्थापक सप्ताह समारोह में शोभा यात्रा निकालते महाविद्यालय के विद्यार्थी

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह

4 से 10 दिसम्बर को प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाराणा प्रतात शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। सप्ताह भर चलने वाले इस भव्यतम आयोजन में महाविद्यालय ने सक्रिय सहभाग किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबन्धक एवं उत्तर

प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज एवं छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जी का मार्ग दर्शन महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों सहित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से सम्बद्ध सभी शिक्षण संस्थाओं को प्राप्त हुआ। महाविद्यालय द्वारा शोभा यात्रा में 4 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक समारोह के उद्घाटन अवसर पर निकाली जाने वाली शोभा यात्रा में विविध महत्वपूर्ण विषयों पर यथा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नारी सम्मान, राष्ट्रीयता एवं भारत के स्वाभिमान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदानों को उकेरने वाली महत्वपूर्ण झांकियाँ एवं प्रस्तुतियाँ छात्र-छात्राओं द्वारा शहरवासियों को ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कर रहीं थी। महाविद्यालय को श्रेष्ठ पद संचलन एवं बेहतरीन प्रस्तुतीकरण के कारण शोभा यात्रा का सर्वश्रेष्ठ संस्था का पुरस्कार प्राप्त हुआ। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में महाविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर आयोजित होने वाली सभी प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया।

शोभा यात्रा के दौरान रानी लक्ष्मी बाई की वेशभूषा में महाविद्यालय की छात्रायें

मुख्य महोत्सव में मंचस्थ माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी, माननीय राज्यपाल श्री राम नाईक जी, माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी एवं प्रो. यू.पी. सिंह जी

10 दिसम्बर को महाविद्यालय शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी का यशस्वी मार्ग दर्शन कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को प्राप्त हुआ। मुख्य महोत्सव में माननीय राष्ट्रपति महोदय एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महंत आदित्यनाथ जी महाराज के कर कमलों द्वारा योग्यता छात्रवृत्ति, विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, शोभा यात्र में श्रेष्ठ पद संचलन का प्रथम पुरस्कार एवं महाराण प्रताप शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं में सर्वश्रेष्ठ कार्य के आधार पर श्रेष्ठतम संस्था का महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ स्वर्ण पदक सहित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की विभिन्न संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों को कुल 730 पुरस्कार प्रदान किया गया।

सर्वश्रेष्ठ संस्था का पुरस्कार प्राप्त करते महाविद्यालय के प्राचार्य

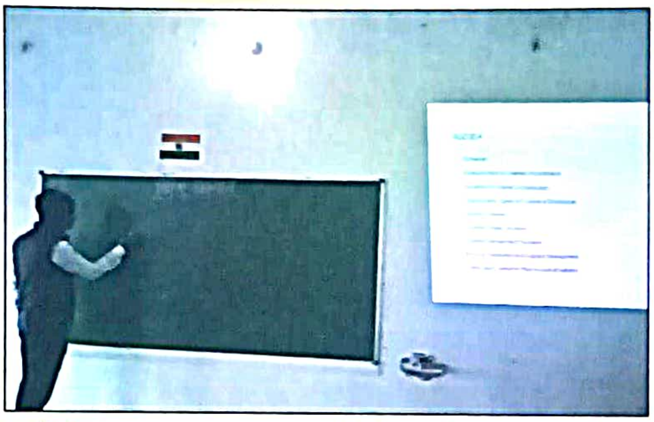

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री वागीश राज पाण्डेय

वाणिज्य विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

11 दिसम्बर को वाणिज्य विभाग में "वितरण–सप्लाई चेन क्षेत्र में नई नौकरियों की संभावना" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री वागीश राज पाण्डेय ने 'वितरण–सप्लाई चेन के क्षेत्र में नौकरियों की विभिन्न संभावनाएँ व भूमिका' विषय पर विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एम.कॉम. प्रथम वर्ष के छात्र श्री कृष्ण कुमार सिंह तथा आभार ज्ञापन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने किया।

शैक्षिक भ्रमण पर बी.एड्. विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी

बी.एड्. विभाग का शैक्षिक भ्रमण

12 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह के निर्देशन में शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। बी.एड्. विभाग के समस्त शिक्षकों के साथ छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं ने बुटवल (नेपाल) के अन्तर्गत फुलवरिया उद्यान, चिड़िया घर, सिद्ध बाबा का मन्दिर, मणि मुक्ता घाट, भैरहवाँ आदि स्थानों का भ्रमण किया।

हिन्दी व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रस्तुति देती प्रतिभागी

13 दिसम्बर को हिन्दी विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ध्रुवस्वामिनी का चरित्र–चित्रण, कबीर का समाज सुधार, मालिक मुहम्मद जायसी के काव्य आदि समाज को प्रभावित करने वाले विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय वर्ष की अराधना गौड़ को प्रथम, बी.ए. प्रथम वर्ष के गौरव गुप्ता को द्वितीय तथा बी.ए. तृतीय वर्ष की तनु यादव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

कार्यशाला में पेंटिंग का प्रदर्शन करते विषय विशेषज्ञ

गृह विज्ञान विभाग में चार दिवसीय कार्यशाला

13 दिसम्बर को गृह विज्ञान विभाग एवं पेडीलाइट कम्पनी के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय महिला उद्यमिता विकास कार्यशाला 'सृजन' का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पेडीलाइट कम्पनी के कला विशेषज्ञ श्री अनिल प्रजापति ने पेंटिंग, टाई एण्ड डाई आदि पद्धति के विषय में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में कुल 36 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री पल्लवी नायक व आभार ज्ञापन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रचना सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

ऊर्जा संरक्षण दिवस पर व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री प्रदीप वर्मा

14 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में रसायन विभाग के सहायक आचार्य श्री प्रदीप वर्मा ने ऊर्जा संरक्षण के विभिन्न उपायों पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए दैनिक जीवन में ऊर्जा का संयमित उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर समस्त शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रसायन विज्ञान विभाग में व्याख्यान

15 दिसम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा ''प्रिंस रिऐक्शन और इसके उपयोग'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दक्षिण कोरिया के पोस्ट डॉक्टोरल फेलो डॉ. निखिल श्रीवास्तव ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रसायनशास्त्र विभाग के प्रवक्ता श्री संजय जायसवाल ने तथा विभागाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम में विज्ञान के विद्यार्थियों ने विषय से सम्बन्धित प्रश्नों के विषय में मुख्य अतिथि से जानकारी प्राप्त की।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. निखिल श्रीवास्तव

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

भौतिक विज्ञान तथा कम्प्यूटर साइंस विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता

15 दिसम्बर को भौतिक विज्ञान तथा कम्प्यूटर साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विज्ञान पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की आयुषी शुक्ला को प्रथम तथा बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के रंजीत रौनियार को द्वितीय तथा बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के रूपेश सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का आयोजन भौतिक विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती मनीता सिंह ने किया। प्रतियोगिता में कुल 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

प्राणि विज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

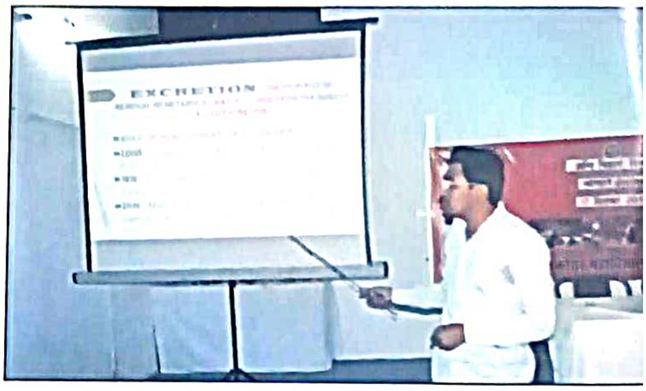

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रस्तुति देता प्रतिभागी

17 दिसम्बर को प्राणि विज्ञान विभाग के तत्वावधान में व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की अंजली ने प्रथम स्थान; बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के शिवम कुमार जायसवाल ने द्वितीय स्थान तथा संयुक्त रूप से बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की किरन गुप्ता तथा श्वेता मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कुल 38 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

राजनीतिशास्त्र में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

19 दिसम्बर को राजनीतिशास्त्र विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय वर्ष के विशाल कुमार दूबे ने प्रथम स्थान; बी.ए. द्वितीय वर्ष के अम्बिका सिंह तथा बी.ए. तृतीय वर्ष के राहुल गिरि को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष के ललिता गुप्ता तथा अंकित कुमार पाण्डेय ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कुल 69 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

रसायन विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

20 दिसम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'एलीफैटिक यौगिकों के प्रतिस्थापन में नाभिक स्नेही

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. एच.सी. गुप्ता

अभिक्रिया' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. एच.सी. गुप्ता, अवकाश प्राप्त उपाचार्य, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. राम सहाय तथा आभार ज्ञापन श्री प्रदीप कुमार वर्मा ने किया।

तीन दिवसीय गणित महोत्सव

20 दिसम्बर से 22 दिसम्बर तक गणित विभाग द्वारा श्रीनिवास रामानुज आयंगर स्मृति दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय गणित महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में महात्मा गांधी पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के गणित विभाग के आचार्य डॉ. आकाश पाण्डेय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में 250 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग के अध्यक्ष श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी तथा आभार ज्ञापन डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने किया।

गणित महोत्सव में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. आकाश पाण्डेय

महाराजा छत्रसाल पुण्यतिथि

20 दिसम्बर को प्रार्थना सभा में महाराजा छत्रसाल की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती किरन सिंह ने महाराजा छत्रसाल के जीवन एवं व्यक्तित्व पर विचार प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

महाराजा छत्रसाल के व्यक्तित्व पर व्याख्यान देतीं श्रीमती किरन सिंह

अंग्रेजी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

20 दिसम्बर को अंग्रेजी विभाग द्वारा 'कॉन्सेप्ट ऑफ ग्रीक ट्रेजडी एण्ड मैकबेथ' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विषय पर भवानी प्रसाद पाण्डेय महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग

विशिष्ट व्याख्यान में विद्यार्थियों को सम्बोधित करतीं डॉ. रेनू निगम

की सहायक आचार्य डॉ. रेनू निगम ने व्याख्या प्रस किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. द्वितीय वर्ष छात्रा सुश्री शिवांगी राय तथा आभार ज्ञापन अंग्रे विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती कविता म न किया।

गृह विज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

21 दिसम्बर को गृह विज्ञान विभाग द्वा "पोषक तत्व की उपयोगिता एवं महत्त्व" विषय प विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महात्मा गांधी पी.जी. कालेज, गोरखपुर के गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. इरा त्रिपाठी ने 'पोषक तत्व की उपयोगिता' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत की। विद्यार्थियों ने प्रतिदिन की दिनचर्या में उपलब्ध अधिक से अधिक पोषक तत्व वाले भोज्य पदार्थों के प्रयोग के विषय में प्रश्न पूछकर जानकारी प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता डॉ. पल्लवी नायक तथा आभार ज्ञापन श्रीमती किरन सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. इरा त्रिपाठी

रसायन विज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रस्तुति देती छात्रा

22 दिसम्बर को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा स्नातक स्तर की व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की श्रेया शुक्ला ने प्रथम; बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के रंजीत रौनियार ने द्वितीय तथा बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के देवेन्द्र पाण्डेय एवं बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के वैभव गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के वरिष्ठ सहायक आचार्य डॉ. सत्यपाल सिंह रहे। संचालन विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर श्री प्रदीप वर्मा तथा अध्यक्षता विभाग के प्रभारी डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने किया।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जयन्ती (पूर्व दिवस) : भाषण प्रतियोगिता

भाषण प्रतियोगिता में प्रस्तुति देता विद्यार्थी

24 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 95 वीं जयन्ती की पूर्व संध्या पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सत्यप्रकाश तिवारी, बी.ए. भाग एक को प्रथम स्थान, राहुल गिरि, बी.ए. भाग तीन को द्वितीय स्थान तथा विजय कुमार, बी.ए. द्वितीय वर्ष को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में कुल 20 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता प्रतिभगी

वाद-विवाद प्रतियोगिता

26 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में "राष्ट्रधर्म से बड़ा कोई धर्म नहीं" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिपक्ष में अंकित कुमार पाण्डेय प्रथम, हिमानी मिश्र द्वितीय तथा विशाल कुमार दूबे तृतीय स्थान पर रहे। पक्ष में सत्य प्रकाश तिवारी प्रथम, राहुल गिरी द्वितीय एवं आलोक कुमार तिवारी तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी श्री बृजभूषण लाल ने किया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरविन्द कुमार श्रीवास्तव ने आभार ज्ञापित किया।

योगिराज बाबा गम्भीर नाथ स्मृति कैनवस बॉल प्रतियोगिता

विजित प्रतिभागियों को पुरस्कृत करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

26 दिसम्बर को योगिराज बाबा गम्भीर नाथ स्मृति कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उद्घाटन मैच योगिराज बाबा गम्भीर नाथ सेवाश्रम तथा छात्र संघ टीम के बीच खेला गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही उपस्थित रहे। योगिराज बाबा गम्भीर नाथ सेवाश्रम ने छात्रसंघ को 05 विकेट से पराजित किया। दो दिनों तक चलने वाले योगिराज बाबा गम्भीर नाथ स्मृति कैववास बॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच

27 दिसम्बर को विज्ञान संकाय तथा वाणिज्य संकाय के बीच खेला गया। इस मैच में विज्ञान संकाय ने 68 रन का लक्ष्य देकर 14 रन से जीत हासिल की। प्रतियोगिता के फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में बी.एड. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

वाणिज्य विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

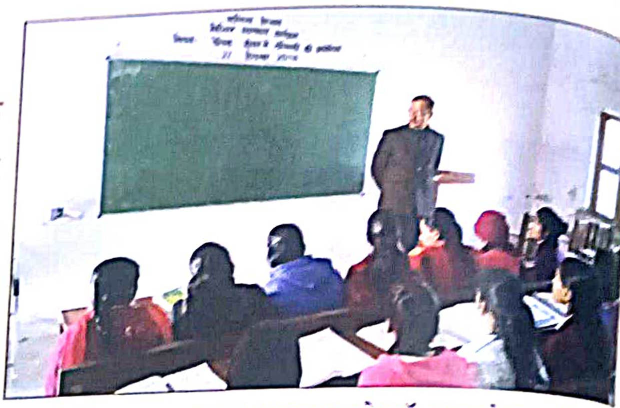

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. कृष्णदेव पाण्डेय

27 दिसम्बर को वाणिज्य विभाग द्वारा ''दैनिक जीवन में सांख्यिकी का उपयोग'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेन्ट एन्ड्रयूज पी.जी. कॉलेज के वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. कृष्ण देव पाण्डेय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता श्री नन्दन शर्मा ने किया। आभार ज्ञापन वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शुक्ला ने किया। इस अवसर पर विभाग में सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पर्यावरण जागरूकता रैली

पर्यावरण जागरूकता रैली निकालते महाविद्यालय के विद्यार्थी

27 दिसम्बर को बी.एड्. के छात्राध्यापकों एवं छात्राध्यापिकाओं द्वारा पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामवासियों को पर्यावरण संकल्प के मुद्दे पर जागरूक करना था। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सांख्यिकी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. सत्य प्रकाश सिंह

28 दिसम्बर को सांख्यिकी विभाग में ''प्रोबेबिलिटी डिस्ट्रीब्यूशन'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर के. आई.पी.एम. कॉलेज, गीडा, गोरखपुर के आचार्य डॉ. सत्यप्रकाश सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन गणित विभाग के प्रभारी श्रीकान्त मणि त्रिपाठी तथा आभार ज्ञापन सांख्यिकी विभाग के प्रभारी डॉ. अरूण कुमार राव ने किया।

प्राणि विज्ञान विभाग में विज्ञान प्रदर्शनी

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्रो. डी.के. सिंह एवं विभागीय शिक्षक

29 दिसम्बर को प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के सेवानिवृत्त आचार्य एवं प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डी.के. सिंह तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। विज्ञान प्रदर्शनी में कुल 108 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के देवेन्द्र पाण्डेय एवं अखिलेश सिंह को प्रथम स्थान, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष के कुलदीप सिंह तथा विजय सिंह को द्वितीय स्थान तथा बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष के सुजीत कुमार को तृतीय स्थान पर प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में रसायन विज्ञान के प्रभारी डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, कम्प्यूटर सांइस विभाग के प्रभारी श्री विरेन्द्र तिवारी एवं सांख्यिकी विभाग के प्रभारी डॉ. अरूण कुमार राव सम्मिलित रहे।

योगाभ्यास करते प्रशिक्षक एवं विद्यार्थी

बी.एड्. विभाग में योग कार्यशाला

29 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग द्वारा एक दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय रेलवे मे योग प्रशिक्षक डॉ. जयंतनाथ ने योग का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि का स्वागत बी.एड्. विभाग के प्रवक्ता श्री नवनीत कुमार सिंह तथा आभार ज्ञापन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यशाला में समस्त शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थिति रहे।

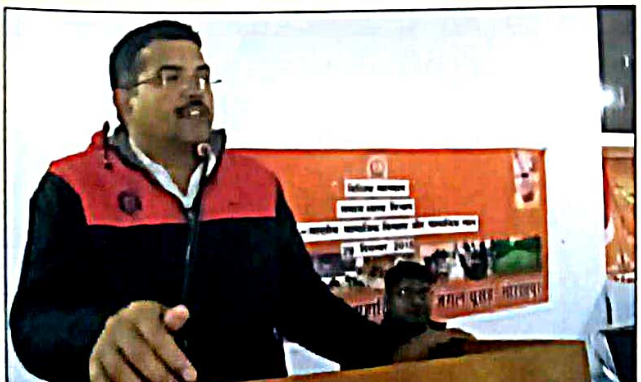
विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. कृष्ण कुमार

समाजशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

29 दिसम्बर को समाजशास्त्र विभाग में ''भारतीय सामाजिक विन्यास और सामाजिक न्याय'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के

प्रवक्ता डॉ. बृजभूषण लाल तथा आभार ज्ञापन समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

डॉ. सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी का स्वागत करतीं डॉ. आरती सिंह

हिन्दी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

31 दिसम्बर को हिन्दी विभाग द्वारा 'छायावाद के सौ वर्ष' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा, बिहार के प्रो. सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी ने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने किया तथा अतिथि के प्रति आभार भूगोल विभाग के आचार्य डॉ. पी.के. शाही ने ज्ञापित किया।

विशिष्ठ व्याख्यान में प्रस्तुति देतीं श्रीमती श्वेता सिंह

गृहविज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

31 दिसम्बर को गृहविज्ञान विभाग द्वारा 'टेक्निकल टेक्सटाईल' विषय एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एम.जी. पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्या श्रीमती श्वेता सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री पल्लवी नायक तथा आभार ज्ञापन गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती किरन सिंह ने किया।

समाजशास्त्र विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

31 दिसम्बर को समाजशास्त्र विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 20 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की अंजनी चौहान प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष के सत्य प्रकाश तिवारी द्वितीय स्थान, एम.ए. प्रथम वर्ष की किरन चौहान तृतीय स्थान तथा एम.ए. प्रथम वर्ष की रूपा चौहान ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

शोध व्याख्यान प्रतियागिता में विजयी प्रतिभागी एवं शिक्षक

शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस

1 जनवरी 2019 को प्रार्थना सभा में 'शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम में कम्प्यूटर सांइस विभाग के प्रभारी श्री विरेन्द्र तिवारी ने प्रयोगशालाओं के जनक महान वैज्ञानिक डॉ. शान्ति स्वरूप भटनागर के व्यक्तित्व पर व्याख्यान प्रस्तुत कर महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि दी।

शान्ति स्वरूप भटनागर के व्यक्तित्व पर व्याख्यान देते श्री विरेन्द्र तिवारी

अंग्रेजी विभाग में तीन दिवसीय कार्यशाला

03 से 05 जनवरी तक अंग्रेजी विभाग द्वारा 'एलिमेन्ट्स ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विषय विशेषज्ञ गवर्नमेण्ट पी.जी. कॉलेज, ढ़ाढ़ा, कुशीनगर के अंग्रेजी विभाग के उपाचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने किया।

कार्यशाला में व्याख्यान देते डॉ. राजेश श्रीवास्तव

कार्यशाला के प्रथम दिवस के प्रथम सत्र का विषय 'एलिमेन्ट्री सेंटेन्स एण्ड डिफरेन्श बिटवीन ब्रिटिश एण्ड अमेरिकन इंग्लिश' तथा द्वितीय सत्र का विषय 'द सेन्टेन्स' था। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री शिवांगी राय ने किया। कार्यशाला के दूसरे दिन के प्रथम सत्र का विषय 'फ्रेज : नाउन फ्रेज' तथा द्वितीय सत्र का विषय 'फ्रेज : वर्ब फ्रेज' था। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. प्रथम वर्ष के अदित्य प्रताप सिंह ने किया।

कार्यशाला के तीसरे दिन के प्रथम सत्र का विषय 'फ्रेज : एण्डवर्ब फ्रेज' तथा द्वितीय सत्र का विषय 'फ्रेज : ऐडजक्टिव फ्रेज' था। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. द्वितीय वर्ष के सौरभ ओझा ने किया।

कार्यशाला में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों से कुल 82 विद्यार्थियों के प्रतिभाग किया। समापन सत्र में अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने विषय विशेषज्ञ के प्रति आभार ज्ञापित किया।

वाणिज्य विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

03 जनवरी को वाणिज्य विभाग द्वारा प्रथम महिला शिक्षिका, समाज-सुधारिका श्रीमति सावित्री बाई फुले जयन्ती के अवसर पर ''अर्थशास्त्र विकास में उद्यमिता का महत्व'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के समस्त शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गृह विज्ञान विभाग में पाक कला प्रतियोगिता

पाक कला प्रतियोगिता में स्वनिर्मित व्यंजनों का प्रदर्शन करतीं छात्राएं

04 जनवरी को गृह विज्ञान विभाग द्वारा पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 43 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा श्वेता प्रजापति ने प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू निषाद ने द्वितीय स्थान, बी.ए. द्वितीय वर्ष की अम्बिका सिंह एवं ललिता गुप्ता ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान एवं बी.ए. प्रथम वर्ष की दिव्या कुमारी व रिया चौहान ने संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। सांस्कृतिक विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता, गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती किरन सिंह तथा असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पल्लवी नायक निर्णायक की भूमिका में रहीं।

योगाभ्यास करते शिक्षक एवं विद्यार्थीगण

साप्ताहिक योग शिविर

05 जनवरी को साप्ताहिक योग शिविर में वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने योगाभ्यास कराया।

गृह विज्ञान विभा में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. अनुपमा कौशिक

06 जनवरी को गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'भोज्य समूह' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की आचार्या डॉ. अनुपमा कौशिक ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा अम्बिका सिंह तथा आभार ज्ञापन गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती किरन सिंह ने किया।

मनोविज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

08 जनवरी को मनोविज्ञान विभाग द्वारा "व्यक्तित्व विकास में शीलगुण" विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी श्री विवेक कुमार शाही द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के सहायक

विशिष्ट व्याख्यान में उद्बोधन देते श्री विवेक कुमार शाही

रक्षा प्रदर्शनी का अवलोकन करते श्री अंशुमान सिंह

आचार्य डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय तथा आभार ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने किया।

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में रक्षा प्रदर्शनी

08 जनवरी को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें कुल 35 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में श्री अंशुमान सिंह, सहायक आचार्य, मदन मोहन मालवीय पी.जी. कॉलेज, भाटपार रानी, देवरिया, अमित त्रिपाठी, शोध छात्र, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा डॉ. करूणेन्द्र सिंह, सहायक आचार्य, बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर रहे। इस अवसर पर रक्षा प्रदर्शनी का उद्घाटन भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। प्रदर्शनी में बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की रागिनी राय, निशा सिंह एवं गौतम तिवारी को संयुक्त रूप से प्रथम, बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की रमा वर्मा, विन्ध्यवासिनी सिंह तथा सृष्टि को द्वितीय तथा बी. एस-सी. तृतीय वर्ष की सोनल दूबे को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने विजयी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दी।

अंग्रेजी विभाग में आशुभाषण प्रतियोगिता

09 जनवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 22 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम के छात्र सर्वेश्वर ने प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र आदित्य प्रताप सिंह ने द्वितीय स्थान, बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा शिवांगी राय ने तृतीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम वर्ष की कौशिकी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान रहीं। डॉ. मिश्र ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

आशु भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

डॉ. हरगोविन्द खुराना जयन्ती

09 जनवरी को प्रार्थना सभा में डॉ. हरगोविन्द खुराना जयन्ती के अवसर पर वनस्पति विज्ञान के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने डॉ. हरगोविन्द खुराना के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ. हरगोविन्द खुराना के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

अंग्रेजी विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

10 जनवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 24 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र सर्वेश्वर ने प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय वर्ष के सौरभ ओझा एवं शिवांगी राय ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान, बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा कौशिकी चतुर्वेदी ने तृतीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा दीप्ति चतुर्वेदी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मन्ध्यान ने शुभकामनाएँ दी। भगवान दत्त महिला महाविद्यालय की अंग्रेजी विभाग की असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. नीलिमा दूबे ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रस्तुति देती छात्रा

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

10 जनवरी को प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रक्षा अध्ययन विभाग के प्रवक्ता डॉ. रमाकान्त दूबे ने 'प्राचीनकालीन प्रमुख आयुध'' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के प्रवक्ता डॉ. सौरभ सिंह तथा आभार ज्ञापन प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान में उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षक

कम्बल वितरण कार्यक्रम

11 जनवरी को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में

'कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती शिप्रा सिंह, प्रभारी बी. एड्. विभाग ने स्वामी विवेकानन्द जी के सम्पूर्ण दर्शन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अभिगृहित गाँव मंझरिया के बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों को कम्बल वितरित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में कम्बल वितरित करते डॉ. प्रजेश कुमार मिश्र

वनस्पति विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

11 जनवरी को वनस्पति विभाग द्वारा 'वृक्षपूजा एवं विज्ञान' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के प्रभारी एवं विशिष्ट व्याख्यानकर्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री आम्रपाली वर्मा तथा आभार ज्ञापन वनस्पति विभाग के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री सुबोध कुमार मिश्र

भौतिकी एवं कम्प्यूटर साइंस विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

11 जनवरी को भौतिक विज्ञान एवं कम्प्यूटर साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में दोनों विभाग के कुल 29 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें बी.एस-सी. भाग दो की प्रशान्त राय प्रथम, बी. एस-सी. भाग तीन के अनुराग मिश्र द्वितीय तथा बी.एस-सी. भाग तीन के शुभम एवं दिव्यांशु रंजन संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता की संयोजक भौतिक विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती मनीता सिंह रहीं। निर्णायक मंडल में श्री विरेन्द्र तिवारी, डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर एवं श्री प्रखर वैभव सिंह उपस्थित रहे।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रस्तुति देता विद्यार्थी

भारत-भारती पखवारा का उद्घाटन व विवेकानन्द जयन्ती समारोह

12 जनवरी को भारत-भारती पखवारा का उद्घाटन विवेकानन्द जयन्ती समारोह से हुआ। इस

अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भौतिकी विभाग के आचार्य प्रो. रविशंकर सिंह द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, संचालन श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

स्वामी विवेकानन्द के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते प्रो. रवि शंकर सिंह

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. शिवाकान्त सिंह

भूगोल विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

16 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा ''पर्यावरणीय अवनयन की समस्या एवं चुनौतियों के समाधान'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भूगोल विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष प्रो. शिवाकान्त सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ. अजय प्रताप निषाद तथा आभार ज्ञापन सुश्री शालू श्रीवास्तव ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान में उद्बोधन देते डा. राम प्यारे मिश्र

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग एवं बी.एड्. विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विशिष्ट व्याख्यान

17 जनवरी को भारत-भारतीय पखवारा के अन्तर्गत प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग तथा बी.एड्. विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ''धर्म की भारतीय अवधारणा एवं वेदान्त दर्शन'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग के उपाचार्य डॉ. रामप्यारे मिश्र ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा आभार ज्ञापन बी. एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

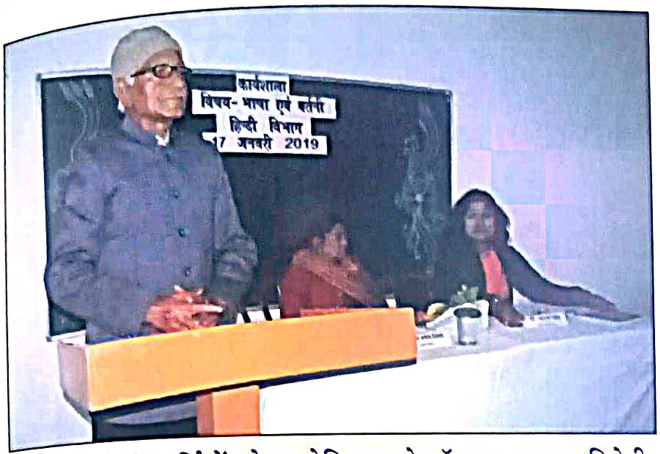

कार्यशाला में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी

हिन्दी विभाग में कार्यशाला

17 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत हिन्दी विभाग द्वारा 'भाषा एवं वर्तनी विषय' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सतीश चन्द्र पी.जी. कॉलेज, बलिया के भूतपूर्व आचार्य डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

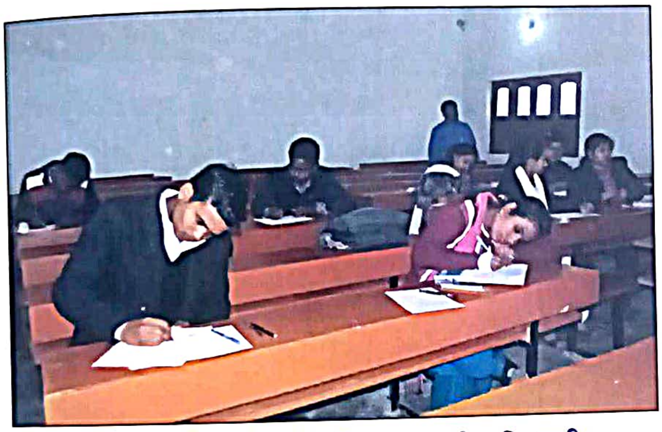
निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

निबन्ध प्रतियोगिता

17 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह के संयोजन में किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 58 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड्. प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री प्रियंका मणि त्रिपाठी को प्रथम, एम.कॉम. प्रथम वर्ष के छात्र श्री कृष्ण कुमार सिंह को द्वितीय तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र श्री अंकित पाण्डेय एवं बी.एड्. प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री हिमानी मिश्रा को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय, सुश्री दीप्ती गुप्ता, डॉ. राजेश शुक्ल, श्री हरविन्द श्रीवास्तव, श्री बृजभूषण लाल एवं श्रीमती पुष्पा निषाद रहीं।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. अमित कुमार सिंह

राजनीतिशास्त्र विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

17 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत राजनीतिशास्त्र विभाग में गोरखपुर के सहायक आयुक्त डॉ. अमित कुमार सिंह ने 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आरक्षण का निहितार्थ' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. यशवन्त कुमार राव तथा आभार ज्ञापन राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

मनोविज्ञान विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

विशिष्ट व्याख्यान में उद्‌बोधन देतीं डॉ. हिमांशु पाण्डेय

18 जनवरी को मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'यूथ्स लाइफस्टाइल एण्ड इट्स इम्पैक्ट ऑन क्रिएटिविटि' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सेण्ट जोसेफ कॉलेज फॉर वूमेन, गोरखपुर की मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय तथा आभार ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों के साथ विभागीय शिक्षक एवं अतिथि

मनोविज्ञान विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

18 जनवरी को मनोविज्ञान विभाग द्वारा 'व्याख्यान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. तृतीय वर्ष की छात्रा सुश्री रीतू सिंह ने प्रथम, बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री फरहीन खातून ने द्वितीय, बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री श्वेता गिरी ने तृतीय तथा बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र नवरतन चौहान ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। सेण्ट जोसेफ कॉलेज फॉर वूमेन की मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हिमांशु पाण्डेय, मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने निर्णायक की भूमिका निभाई। डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

गायन प्रतियोगिता

गायन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

18 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत सांस्कृतिक विभाग द्वारा गायन प्रतियोगिता का अयोजन किया गया जिसमें कुल 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष के सर्वेश्वर को प्रथम, बी.एड्. प्रथम वर्ष की वर्षा जायसवाल को द्वितीय तथा बी.ए. प्रथम वर्ष के बलिराम रौनियार व विराट कन्नौजिया को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सुश्री दिप्ती गुप्ता, श्रीमती विभा सिंह, सुश्री श्वेता चौबे तथा डॉ. सौरभ कुमार सिंह निर्णायक की भूमिका में रहे

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. प्रमोद कुमार

भूगोल विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

19 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा 'मानव एवं पर्यावरण सम्बन्ध' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. प्रमोद कुमार, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, बापू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पीपीगंज ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजय प्रताप निषाद तथा आभार ज्ञापन विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि

महाराणा प्रताप के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते डॉ. बाल मुकुन्द पाण्डेय

19 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार उपाध्याय ने बतौर मुख्य वक्ता महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं प्रतिष्ठित इतिहासविद् डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय रहे। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। इस कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया।

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

ग्राम सर्वेक्षण

19 जनवरी को भूगोल विभाग द्वारा विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. प्रविन्द्र कुमार के संयोजन में बी.ए. तृतीय वर्ष का ग्राम सर्वेक्षण (जंगल औराही) सम्पन्न हुआ जिसमें विभाग के शिक्षक सुश्री शालू श्रीवास्तव तथा डॉ. अजय प्रताप निषाद उपस्थित रहे।

वनस्पति विज्ञान प्रदर्शनी

19 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत वनस्पति विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन विभाग के

प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया जिसमें 95 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में बी. एस-सी. प्रथम वर्ष से आफरीन ने प्रथम, मधुबाला चौहान एवं किरन गुप्ता ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा निकिता त्रिपाठी एवं शालिनी सिंह ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष से सुजीत कुमार प्रथम, नेहा चौहान द्वितीय तथा ममता प्रजापति एवं शालू कुमारी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। बी.एस-सी. तृतीय वर्ष से अखिलेश कुमार सिंह ने प्रथम, नेहा अग्रहरी ने द्वितीय तथा श्रेया शुक्ला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एम.एस-सी. प्रथम वर्ष से अंजू गुप्ता प्रथम, जागृति धर दूबे द्वितीय तथा पुनीता पाल एवं प्रियंका चौरसिया संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं।

काशी विद्यापीठ में आयोजित युवा महोत्सव में महाविद्यालय

19 जनवरी को काशी विद्यापीठ, वाराणसी में आयोजित युवा महोत्सव में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की छात्रा माधुरी उपाध्याय ने पक्ष में बोलते हुए सांत्वना पुरस्कार तथा बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष की छात्रा ज्योति सिंह राजपूत ने विपक्ष में बोलते हुए सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रस्तुति देती विद्यार्थी

रसायन विज्ञान विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

21 जनवरी को रसायन विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उद्घाटन अवसर पर नार्थ इस्टर्न रिजनल इन्स्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, निर्जुली, इटानगर, अरूणाचल प्रदेश के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में डॉ. यादव निर्णायक की भूमिका में रहे। प्रतियोगिता में एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष के पवन श्रीवास्तव को प्रथम, एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष की प्रियंका चौहान एवं अनिकेत सिंह को संयुक्त रूप से द्वितीय तथा एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष की नेहा गुप्ता एवं एम.एस-सी. प्रथम वर्ष के किशन पाण्डेय को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

भूगोल विभाग में मैप ड्राइंग प्रतियोगिता

11 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा मैप ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मैप ड्राइंग प्रतियोगिता में 140 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की श्वेता पटेल ने प्रथम, बी.ए. प्रथम वर्ष के गौरव कुमार गुप्ता ने द्वितीय तथा बी.ए. तृतीय वर्ष की गायत्री सिंह चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग के प्रभारी

डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. आर.एन. सिंह तथा विशिष्ट अतिथि श्री मंजेश्वर रहे। कार्यक्रम के उपरान्त सबका आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही ने किया।

मैप ड्राइंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

भूगोल विभाग में महाविद्यालय स्तरीय सेमीनार

21-23 जनवरी को भूगोल विभाग द्वारा 'भूगोल का स्थानिक कालिक विकास' विषय पर महाविद्यालय स्तरीय सेमीनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी श्री मंजेश्वर ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि सांख्यिकी विभाग के प्रभारी डॉ. अरूण कुमार राव रहे। अध्यक्षता भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी, संचालन डॉ. अजय प्रताप निषाद तथा आभार ज्ञापन सुश्री शालू श्रीवास्तव ने किया। सेमीनार में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए बी.ए. प्रथम वर्ष के सर्वेश्वर को प्रथम, बी.ए. द्वितीय वर्ष की निशा कुमारी को द्वितीय तथा बी.ए. तृतीय वर्ष की गायत्री सिंह चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। व्याख्यान प्रतियोगिता में कुल 18 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

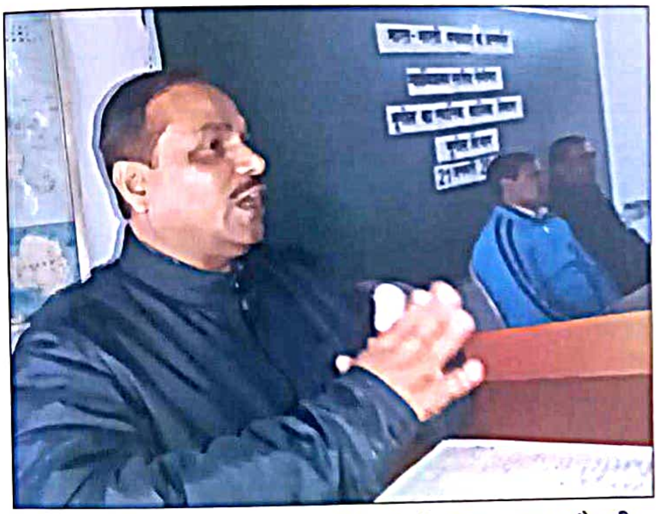

सेमीनार में अपना व्याख्यान देते डॉ. विजय कुमार चौधरी

युवा काव्य पाठ

21 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत हिन्दी विभाग द्वारा युवा काव्य पाठ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष के श्री प्रकाश पाण्डेय प्रथम, बी.ए. प्रथम वर्ष की हिमानी मिश्रा एवं आलोक कुमार तिवारी ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की प्रिया दूबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता किया। कार्यक्रम में डॉ. राजेश शुक्ल, डॉ. आरती सिंह एवं श्रीमती विभा सिंह उपस्थित रहे।

युवा काव्य पाठ प्रतियोगिता में काव्य पाठ करती छात्रा

सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

सुभाष चन्द्र बोस के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

23 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रनायक सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती पर आयोजित समारोह में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने बतौर मुख्य वक्ता नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के व्यक्तित्व पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया तथा संचालन प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रस्तुति देता विद्यार्थी

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति तथा इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

23 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत प्राचीन इतिहास एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष के सत्य प्रकाश तिवारी एवं प्रकाश पाण्डेय को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय वर्ष की चन्दना पाल एवं बी.ए. तृतीय वर्ष के दुर्गेश साहनी को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान, बी.ए. द्वितीय वर्ष के अलिफजा अंसारी एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष के अम्बिका सिंह को तृतीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष के अमित कुमार पाण्डेय को सांत्वना पुरस्कार मिला। निर्णायक मण्डल में डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. रमाकान्त दूबे तथा डॉ. सौरभ कुमार सिंह रहे।

भूगोल विभाग का शैक्षिक भ्रमण

शैक्षिक भ्रमण के दौरान भूगोल विभाग के विद्यार्थी एवं शिक्षक

23 जनवरी को भूगोल विभाग के बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र/छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी के निर्देशन में गोरखपुर से हरिद्वार, ऋषिकेश, देवप्रयाग, देहरादून, मसूरी आदि स्थानों को भ्रमण के लिए प्रस्थान किया। सभी स्थलों पर भ्रमण के उपरान्त वापसी 01 फरवरी को हुयी।

बी.एड्. विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

24 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग द्वारा 'क्रियात्मक अनुसंधान' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य वक्ता प्रो. राजेश कुमार सिंह, आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. प्रथम वर्ष की छात्राध्यापिका नेहा पासवान ने तथा आभार ज्ञापन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. राजेश कुमार सिंह

विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करतीं सुश्री विभा पाण्डेय

अंग्रेजी विभाग में विशिष्ट व्याख्यान

24 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत अंग्रेजी विभाग द्वारा 'इम्पोर्टेंस ऑफ रेनेसा इन ग्रोथ ऑफ इंग्लिश लिटरेचर' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज की अंग्रेजी विभाग की असिस्टेण्ट प्रोफेसर सुश्री विभा पाण्डेय ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. प्रथम वर्ष के सर्वेश्वर ने किया तथा आभार ज्ञापन श्रीमती कविता मन्ध्यान ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता का अवलोकन करते डॉ. अभिषेक सिंह एवं डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय

पोस्टर प्रतियोगिता

24 जनवरी को भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत सांस्कृतिक विभाग के तत्वावधान में मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश मिश्र के संयोजन में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय वर्ष की सृष्टि श्रीवास्तव ने प्रथम, बी.एस–सी. प्रथम वर्ष की महिमा विश्वकर्मा ने द्वितीय, बी.एस–सी. प्रथम वर्ष की खुशी सिंह ने तृतीय तथा बी.एस–सी. प्रथम वर्ष की फरहीन खातून ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में रक्षा एवं स्त्राजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह तथा मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय रहे।

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

भाषण प्रतियोगिता

24 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत समाजशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय के संयोजन में 'गोरखपुर के विकास में सरकार और जनभागीदारी' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय वर्ष के राहुल गिरी ने प्रथम, बी.ए. प्रथम वर्ष के सत्य प्रकाश तिवारी एवं बी.ए. द्वितीय वर्ष के अंकित कुमार पाण्डेय ने संयुक्त रूप से द्वितीय तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष के विशाल कुमार दूबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार बी.ए. प्रथम वर्ष के प्रकाश पाण्डेय को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह तथा श्रीमती वि[illegible] सिंह ने निर्णायक के रूप में योगदान दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते डॉ. केशव सिंह

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित स्वयंसेवक

25 से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सेवा योजना की सप्त दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप एवं गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई के 83 स्वयंसेवक/सेविकाओं ने सहभाग किया। 25 जनवरी को शिविर के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना की सप्त दिवसीय शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. केशव सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में स्काउट एवं गाइड के जिला कमिश्नर तथा महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरूण कुमार सिंह रहे। श्री संदीप कुमार, प्रधानाचार्य, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज बतौर मुख्य वक्ता स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बृज भूषण लाल तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरविन्द श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

शिविर का दूसरा दिन- 26 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के दूसरे दिन गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाओं ने ध्वजारोहण एवं उसके उपरान्त सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभाग किया।

शिविर का तीसरा दिन- 27 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के तीसरे दिन बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर के मेडिसिन विभाग के चिकित्सक डॉ. राज किशोर सिंह ने 'स्वास्थ्य एवं युवा' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. प्रथम वर्ष के स्वयंसेवक सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

शिविर का चौथा दिन- 28 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के चौथे दिन किसान पी.जी. कॉलेज, सेवरही, कुशीनगर के भूतपूर्व प्राचार्य डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने "कैसे जिएं" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. प्रथम वर्ष के स्वयंसेवक सत्य प्रकाश तिवारी ने किया।

नुकड़ नाटक प्रस्तुत करते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

शिविर का पांचवाँ दिन- 29 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के पांचवें दिन प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने 'आयुर्वेद एवं जीवन पद्धति' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.कॉम. प्रथम वर्ष के स्वयंसेवक रितेश सिंह ने किया।

बौद्धिक सत्र के दौरान स्वयंसेवकों को योगाभ्यास कराते डॉ. बलवान सिंह

शिविर का छठवाँ दिन- 30 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के छठवें दिन भटवली पी.जी. कॉलेज, भटवली बाजार के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बलवान सिंह ने "योग एवं प्राणायाम स्वस्थ्य जीवन हेतु आवश्यक है" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. प्रथम वर्ष के स्वयंसेवक सत्यप्रकाश तिवारी ने किया।

शिविर का समापन समारोह- 31 जनवरी को

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह एवं मुख्य वक्ता महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री संदीप कुमार रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरविन्द कुमार श्रीवास्तव तथा डॉ. बृज भूषण लाल ने स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन बी.ए. तृतीय वर्ष के स्वयंसेवक राहुल गिरि ने किया। अंतिम दिन स्वयंसेविकाओं द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसमें बालिका शिक्षा, ग्राम्य स्वच्छता, नसा उन्मूलन, स्वास्थ्य जागरूकता, लोकजीवन का महत्व इत्यादि विषयों पर प्रस्तुतियाँ महत्वपूर्ण रहीं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के समापन अवसर पर उद्बोधन देते डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान

25 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर रक्षाध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रमाकान्त दूबे ने व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा मतदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में मत देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने प्रत्येक चुनाव में धर्म, नस्ल, जाति, भाषा आदि के आधार पर प्रभावित हुए बिना निर्भीक होकर मतदान करने की शपथ ली।

विशिष्ट व्याख्यान में उद्बोधन देते डॉ. रमाकान्त दूबे

वाणिज्य विभाग में व्याख्यान प्रतियोगिता

25 जनवरी को भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत वाणिज्य विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 25 प्रतिभागियों में प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में एम.कॉम. प्रथम वर्ष की नम्रता पाण्डेय को प्रथम, एम.कॉम. प्रथम वर्ष के कृष्ण कुमार सिंह को द्वितीय, एम.कॉम. अन्तिम वर्ष के अभिषेक श्रीवास्तव को तृतीय तथा एम.कॉम प्रथम वर्ष

व्याख्यान प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी को पुरस्कृत करते डॉ. राजेश शुक्ल

की रागिनी गुप्ता तथा श्री अजय गुप्ता को सांत्वना पुरस्कार मिला। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री वागीश राज पाण्डेय ने किया।

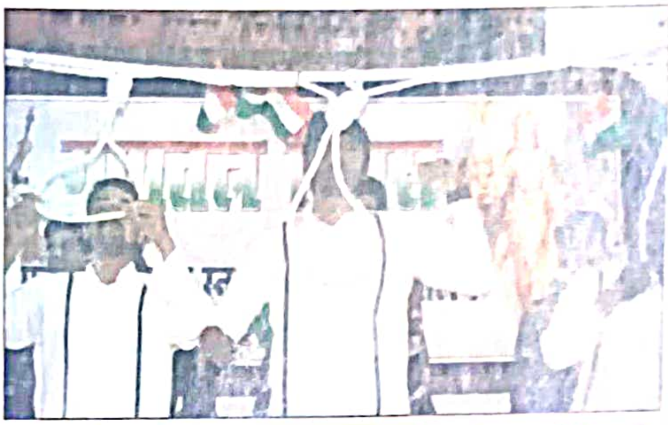

गणतन्त्र दिवस के अवसर पर नाटक प्रस्तुत करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

गणतंत्र दिवस समारोह के साथ भारत-भारती पखवारा का समापन

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान तथा वन्देमातरम् के उपरान्त भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अन्त में प्राचार्य ने वर्ष भर की गतिविधियों एवं प्रयासों को शहीदों के चरणो में समर्पित करते हुए उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की। इस भव्य समारोह के साथ 12 जनवरी से प्रारम्भ भारत-भारती पखवारा का हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ।

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन

शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन में उपस्थित अभिभावक, प्राचार्य एवं शिक्षकगण

26 जनवरी को शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। बैठक में अभिभावक समिति के पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न हुआ जिसमें श्री विपिन कुमार यादव को अध्यक्ष, श्री अभय कुमार श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष एवं श्री इन्द्रजीत दूबे को महामंत्री पद के लिए निर्विरोध चुना गया। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी को बधाई दी।

पुरातन छात्र परिषद् सम्मेलन

26 जनवरी को महाविद्यालय में पुरातन छात्र परिषद् का सम्मेलन आयोजित हुआ। उपस्थित पूर्व छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय के उत्तरोत्तर प्रगति पर चर्चा की तथा भविष्य में महाविद्यालय के विकास में योगदान के प्रति प्रतिबद्धता की योजना बनाई। इस अवसर पर पुरातन छात्र परिषद् का पुर्नगठन किया गया। श्री मनीप त्रिपाठी, आई.आई.टी.-बी.एच.यू. को पुरातन छात्र परिषद् का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में कार्यशाला

27 जनवरी को प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा 'अध्ययन में चार्ट, पोस्टर एवं मानचित्रों का योगदान' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर के 68 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में विद्यार्थियों द्वारा 21 विविध राजवंशों

का वंशावली चार्ट बनाया गया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के पोस्ट डॉक्टोरल फेलो डॉ. अजय कुमार सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अन्त में प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने आभार ज्ञापन किया।

कार्यशाला में पोस्टर एवं चार्ट का अवलोकन करते डॉ. अजय कुमार सिंह

लाला लाजपत राय जयन्ती

28 जनवरी को लाला लाजपत राय जयन्ती के अवसर पर इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने लाला लाजपत राय के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लाला लाजपत राय के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह

कन्टूरिंग कैम्प

28 जनवरी को भूगोल विभाग द्वारा जंगल तिनकोनिया नं. 2 गाँव में एम.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का कन्टूरिंग कैम्प लगाया गया। इस कैम्प के संयोजक भूगोल विभाग के असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. अजय प्रताप निषाद रहे। भूगोल विभाग की असिस्टेण्ट प्रोफेसर सुश्री शालू श्रीवास्तव के सानिध्य में विद्यार्थियों ने कैम्प में विभिन्न गतिविधियों को सीखा।

महात्मा गांधी पुण्यतिथि कार्यक्रम

30 जनवरी को महात्मा गांधी के पुण्यतिथि कार्यक्रम में इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने महात्मा गांधी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी पुण्यतिथि के अवसर पर उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

वाद-विवाद प्रतियोगिता

30 जनवरी को सेण्ट जोसेफ कॉलेज फॉर वूमेन, गोरखपुर द्वारा वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में पक्ष में बोलते हुए बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की प्रिया दुबे को सांत्वना पुरस्कार तथा विपक्ष में बोलते हुए बी.एड्. प्रथम वर्ष की समन इरशाद को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रार्थना सभा का समारोप

सत्र 2018-19 के प्रार्थना सभा के समरोप अवसर पर उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी

31 जनवरी को प्रार्थना सभा में प्राचीन इतिहास, पुरात्व एवं संस्कृति विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने श्रीमद्‌भगवद्‌ गीता के अध्याय 18 के अन्तिम पाँच श्लोकों का वाचन करते हुए भगवद्‌ गीता के शिक्षाओं का सार प्रस्तुत किया। इसी के साथ वर्तमान सत्र की प्रार्थना सभा का समारोप हुआ।

विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

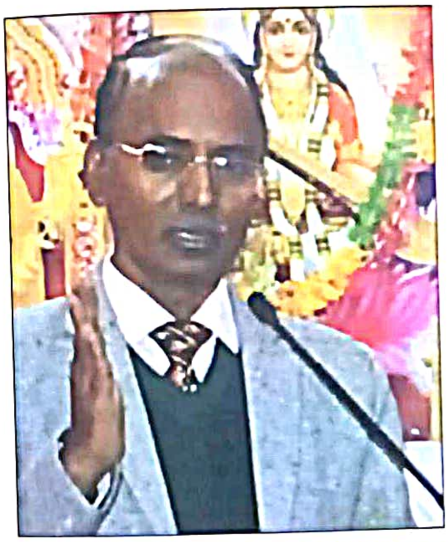

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्‌घाटन अवसर पर उद्‌बोधन देते प्रो. श्रीनिवास सिंह एवं मुख्य अतिथि डॉ. ए. निनावे

1–2 फरवरी को महाविद्यालय में विज्ञान संकाय द्वारा 'विज्ञान में नवीन प्रवृत्तियाँ' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्‌घाटन 1 फरवरी को हुआ, जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. श्रीनिवास सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के पूर्व सलाहकार डॉ. ए. निनावे उपस्थित रहे। उद्‌घाटन समारोह में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष प्रो. डी.के. सिंह द्वारा संगोष्ठी का बीज वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। उद्‌घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायनशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. हरिजी सिंह, बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कमान सिंह, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. ओ.पी. पाण्डेय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भौतिकी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सुग्रीव

नाथ तिवारी तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. शीला मिश्रा उपस्थित रहे। संगोष्ठी में महाविद्यालय के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह की गरिमामयी उपस्थिति बनी रही। उन्होंने सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। संगोष्ठी का संचालन राष्ट्रीय संगोष्ठी की समन्वयक दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर वनस्पति विज्ञान के असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. के. सुनीता ने किया।

उद्घाटन सत्र के पश्चात दो दिनों में सम्पन्न हुए चार समानान्तर अकादमिक सत्रों में कुल 98 शोध पत्रों पर शोधार्थियों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा विचार विमर्श किया गया। अकादमिक सत्रों में प्रो. वी.एन. पाण्डेय, प्रो. अजय सिंह, प्रो. सधीर श्रीवास्तव, प्रो. रविशंकर सिंह, प्रो. दिनेश यादव, प्रो. विनय कुमार सिंह, डॉ. केशव सिंह, डॉ. सिन्टू कुमार इत्यादि विद्वानों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। दो दिनों तक चलने वाली इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में दो विशेष व्याख्यान भी आयोजित किये गये। मुख्य वक्ता प्रो. राणा प्रताप सिंह का विशेष व्याख्यान सम्पन्न हुआ।

2 फरवरी को संगोष्ठी के समापन अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के मा. कुलपति प्रो. वी.के. सिंह का सानिध्य प्राप्त हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इन्स्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडीसीन एण्ड एलाईड साइंसेज (डी.आर.डी.ओ.), नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनन्त नारायण भट्ट तथा मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बी.एच.यू., वाराणसी के डॉ. वी. रामानाथन का व्याख्यान हुआ। समापन समारोह का संचालन

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन अवसर पर आशीर्वचन देते प्रो. यू.पी. सिंह

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान देते डॉ. अनन्त नारायण भट्ट

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर व्याख्यान देते प्रो. वी. रामानाथन

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते माननीय कुलपति

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. गीता सिंह ने किया। इस अवसर पर उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका एवं शोध संक्षिप्तिका का भी विमोचन किया गया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन अवसर पर स्मारिका का विमोचन करते मंचस्थ अतिथिगण

तृतीय एकदिवसीय शिविर

तृतीय एक दिवसीय शिविर के दौरान श्रमदान करते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

5 फरवरी को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं हिंदुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई का तृतीय एक दिवसीय शिविर सम्पन्न हुआ। दोनों इकाइयों के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय से अभिगृहीत ग्राम मंझरिया तक के मार्ग की साफ-सफाई की। श्रमदान कार्यक्रम के उपरान्त अभिगृहीत ग्राम मंझरिया में जन जागरण रैली के माध्यम से मतदान जागरूकता अभियान का संचालन किया गया।

सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

5 फरवरी को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की गई।

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नयी दिल्ली द्वारा अनुदानित वृहद् शोध परियोजनाएं -

महाविद्यालय में मगध विश्वविद्यालय, बोध गया के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. महेश कुमार शरण द्वारा 'पितृतीर्थ गया : इतिहास, संस्कृत एवं पर्यटन' विषय पर वृहद शोध कार्य परियोजना विगत सत्र से ही चल रही है जो इस सत्र में अपनी पूर्णता की ओर अग्रसर है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा

नाथपंथ : योग आध्यात्म एवं साधना विषय पर वृहद शोध परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। इस शोध परियोजना के लिए भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नयी दिल्ली द्वारा 5,00,000 (पाँच लाख रूपया) स्वीकृत हुआ है। साथ ही साथ संत तुलसीदास पी.जी. कालेज, कादीपुर, सुल्तानपुर (उ.प्र.) के संस्कृत विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. सुशील कुमार पाण्डेय द्वारा 'दक्षिण पूर्व एशिया में कौंडिन्य एवं अगस्त्य ऋषि की ऐतिहासिकता तथा उनके सांस्कृतिक प्रभाव' विषय पर एक अन्य शोध परियोजना विगत 5 सितम्बर 2018 से चल रही है, जो 5 सितम्बर 2020 तक पूर्ण हो जायेगी। इस शोध परियोजना हेतु भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नयी दिल्ली द्वारा 3,50,000 (तीन लाख पचास हजार रूपया) का शोध अनुदान स्वीकृत किया गया है।

महाविद्यालय में नये पाठ्यक्रम -

सत्र 2018-19 में महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर पत्रकारिता का पाठ्यक्रम तथा स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत भूगोल, समाजशास्त्र तथा विज्ञान संकाय के अन्तर्गत प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान पाठ्यक्रम की मान्यता शासन द्वारा प्राप्त हुई है। उक्त पाठ्यक्रम का संचालन अगस्त माह से सुचारू रूप से संचालित हो रहा है।

आगामी कार्यक्रम

समावर्तन संस्कार समारोह 2019

10 फरवरी को महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का समावर्तन संस्कार समारोह सम्पन्न होगा।

चतुर्थ एकदिवसीय शिविर

15 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं हिंदुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई का चतुर्थ एकदिवसीय शिविर प्रस्तावित है। शिविर में अभिगृहीत गाँव मंझरिया में स्वास्थ्य एवं साक्षरता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत जन सम्पर्क अभियान संचालन किया जायेगा।

शैक्षिक कार्यशाला

महाविद्यालय में अनुभव आधारित शैक्षिक गुणवत्ता विषय पर आगामी 12 से 18 फरवरी तक सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला प्रस्तावित है। कार्यशाला में शिक्षकों के विगत वर्ष के अनुभव के आधार शैक्षिक गुणवत्ता को किस प्रकार परिष्कृत एवं परिमार्जित कर उसे विद्यार्थीनुकुल बनाया जा सकता है, इस विषय पर गहन चर्चा एवं परिचर्चा होगी। सात दिनों तक चलने वाली इस शैक्षिक कार्यशाला से निकलने वाले परिणामों को आगामी सत्र में क्रियान्वित करने का प्रयास रहेगा।

नूतन आयाम

प्रार्थना सभा

प्रार्थना सभा

महाविद्यालय में दिनचर्या का प्रारम्भ राष्ट्र वन्दना और ईश वन्दना के साथ सम्पन्न होता है। एक अगस्त से प्रार्थना सभा का प्रारम्भ किया जाता है। प्रत्येक कार्यदिवस को प्रात: 9:25 बजे से क्रमश: राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईशोपासना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरूष/घटना की जयन्ती/पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होती है तो, उस महापुरूष/घटना के सन्दर्भ में उद्‌बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्‌भागवत्‌गीता का हिन्दी अनुवाद सहित तीन श्लोक का वाचन होता है। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं प्राचार्य सम्मिलित रहते हैं।

स्वैच्छिक श्रमदान

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम

प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा सुविधानुसार स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को कक्षाएं 40 मिनट की चलाई जाती है तथा 11.40 से 1.00 बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्नपत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या

कक्षावार प्रत्येक विद्यार्थी से सम्बन्धित समस्त शैक्षिक सूचना हेतु प्रगति आख्या प्रपत्र

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर वेबसाइट के माध्यम से एवं लिखित रूप में प्रस्तुत

किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापक एवं मासिक मूल्यांकन एवं आचरण व्यवहार के अंक का उल्लेख होता है।

विद्यार्थियों को गोद लेना

प्रत्येक शिक्षक पाँच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनके शैक्षिक उन्नयन के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास की अलग से प्रयास करता है। गोद लिये विद्यार्थियों का पठन/पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए शिक्षक उनकी जिम्मेदारी लेते हैं।

पीपीटी के माध्यम से कक्षाध्यापन

प्रोजेक्टर युक्त कक्षायें

प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की कम से कम पाँच कक्षायें प्रोजेक्टर के माध्यम से संचालित की जाती है।

कक्षाओं में सारांश

महाविद्यालय में प्रत्येक दिवस पढ़ाये जाने वाले प्रत्येक प्रश्न पत्र की कक्षाओं में सम्बन्धित पाठ्यक्रम का एक पृष्ठ के लिखित सारांश की छायाप्रति वितरित किया जाता है। सारांश में उस कक्षा में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषय का सार विभिन्न सन्दर्भ ग्रन्थों की सहायता से दिया जाता है।

छात्रसंघ चुनाव में मतदान करते छात्र-छात्राएं

छात्रसंघ एवं प्रशासन में छात्र सहभाग की भूमिका

महाविद्यालय की विविध समितियों जैसे नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रा समिति आदि में छात्रसंघ के प्रतिनिधि अथवा पदाधिकारी सदस्य होते हैं। छात्रसंघ अपने बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा सारांश की छायाप्रति, वाटर प्यूरीफायर, प्रोजेक्टर आदि पर व्यय करता है।

छात्रसंघ की साधारण सभा

छात्रसंघ की साधारण सभा

प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर छात्रसंघ की साधारण सभा आयोजित की जाती है। साधारण सभा में सभी विद्यार्थी, शिक्षक-कर्मचारी, प्राचार्य उपस्थित रहते हैं। छात्र अपनी समस्यायें रखता है,

प्राचार्य को समाधान देना होता है। तत्पश्चात छात्र कोई तीन करणीय संकल्प लेता है। अंत में वर्तमान के किसी भी प्रमुख मुद्दे पर परिचर्चा होती है। इस दिन कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं।

काउंसलिंग सेल

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग सेल की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थियों को व्यावसायिक, सामाजिक तथा मानसिक स्तर पर होने वाली समस्याओं का समाधान परामर्शदाता के द्वारा किया जाता है। काउंसलिंग सेल के माध्यम से महाविद्यालय के अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं।

छात्रसंघ पत्रिका 'चेतक'

छात्र संघ पत्रिका चेतक

दीवाल पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों का 'चेतक' पत्रिका के माध्यम से प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

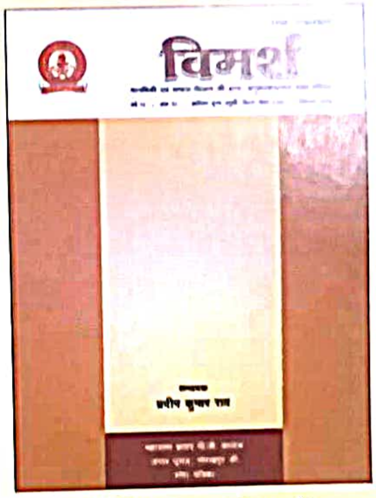

वार्षिक पत्रिका 'विमर्श'

विमर्श एवं मानविकी का प्रकाशन

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान माला के व्याख्यानों एवं विभिन्न विषयों के शोध पत्रों का प्रकाशन 'विमर्श' में किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा अर्धवार्षिक शोधपत्रिका मानविकी का भी प्रकाशन होता है।

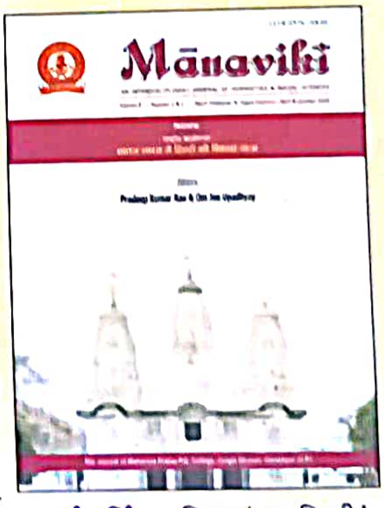

अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'मानविकी'

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर जुलाई माह में प्रकाशित की जाती है। कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। पाठ्यक्रम योजना की मासिक समीक्षा प्राचार्य-शिक्षक की बैठक में की जाती है।

दीवाल पत्रिका

महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित संपादक मण्डल द्वारा दीवाल पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग्य, चित्र आदि का सम्पादन कर उसे प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर

दीवाल पत्रिका पर लगा दिया जाता है। पत्रिका में कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा अन्य विषयों पर अपना लेख छात्र संघ को दीवाल पत्रिका हेतु दे सकता है।

अन्य प्रकाशन

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ द्वारा संगोष्ठी/व्याख्यानमाला/कार्यशाला का कार्यवृत्त/शोध पत्रों का प्रकाशन किया जाता रहा है। छात्रोपयोगी पाठ्य पुस्तक का प्रकाशन भी प्रारम्भ किया जा रहा है। महाविद्यालय के अब तक के प्रमुख प्रकाशन उल्लेखनीय है – ग्रामीण भारत का भविष्य 200[illegible]; उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ 2008; समावर्तन 2008 से अद्यतन (2019); उच्च शिक्षा की स्थिति स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के संदर्भ में 2010; आर्दश शिक्षक आचरण एवं व्यवहार 2011; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : एक विमर्श एवं शोध प्रविधि 2012; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : भाषा एवं एवं शोध प्रविधि 2013; वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधारित सुधार 2014; नाथ पन्थ एवं भक्ति आन्दोलन; भारतीय राष्ट्रीयता एवं संत परम्परा 2017; क्वालिटी मैनेजमेन्ट इन हायर एजूकेशन इन्स्टीट्यूशन 2017, इन्स्टीट्यूशनल स्वच्छता रैंकिंग रिपोर्ट 2017; लोकभाषा संवर्द्धन में नाथपंथ का योगदान 2019; विज्ञान में नवीन प्रवृत्तियाँ 2019।

महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से संचालित है। प्रत्येक बुधवार एवं बृहस्पतिवार को चिकित्सालय के चिकित्सक अपने स्टाफ के साथ स्वास्थ्य केन्द्र पर जंगल धूसड़ के आस-पास के गाँवों के मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं निःशुल्क दवा वितरण किया जाता है। गम्भीर मरीजों को गोरखनाथ चिकित्सालय में चिकित्सा कराने की सुविधा प्रदान की जाती है। उक्त तिथियों में निःशुल्क एम्बुलेन्स की भी सुविधा उपलब्ध रहती है। अभी तक हजारों की संख्या में रोगियों की चिकित्सा की जा चुकी है।

निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

ऑनलाइन पुस्तकालय

महाविद्यालय में पुस्तकालय इण्टरनेट पर उपलब्ध है। पुस्तकालय के डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया प्रारम्भ है। विश्विविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विकसित Soul साफ्टवेयर पर पुस्तकालय की पुस्तकें दर्ज हैं। पुस्तकालय द्वारा N-List लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त की गयी है जिसके माध्यम से ई-बुक्स, ई-जनरल्स की एक लाख पच्चीस हजार से अधिक पुस्तकें पढ़ने का अवसर विद्यार्थी-शिक्षकों को प्राप्त है।

विभाग द्वारा गाँव गोद लेना

गोद लिए गाँव में महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक

महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग को आस-पास के किसी न किसी गाँव को गोद लेकर उसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और जन चेतना जागृत करने के लिए वर्ष में 4 बार अगस्त माह के प्रथम रविवार, बाल्मीकि जयन्ती, फरवरी माह के प्रथम रविवार एवं परीक्षा समाप्ति के बाद के प्रथम रविवार को सभी विभाग अपने विद्यार्थियों के साथ गोद लिए गाँव में रहते हैं।

नि:शुल्क प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में चार नि:शुल्क प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम विद्यार्थियो, ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं में अतिरिक्त कौशल एवं जीवन दृष्टि उत्पन्न करने के उद्देश्य से चलाए जाते हैं। ये पाठ्यक्रम स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान करने तथा विद्यार्थियों में मानव जीवन-मूल्यों के प्रति भारत की महान सांस्कृतिक परम्परा, महापुरुषों कीशृंखला से प्रेरणा ग्रहण कर स्वयं के जीवन-मूल्य विकसित करने के उद्देश्य से संचालित है।

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

नि:शुल्क सिलाई कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र

महाविद्यालय द्वारा संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग केन्द्र गरीब ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई-कढ़ाई का छः माह का प्रशिक्षण देकर उन्हें इस योग्य बनाता है कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें।

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

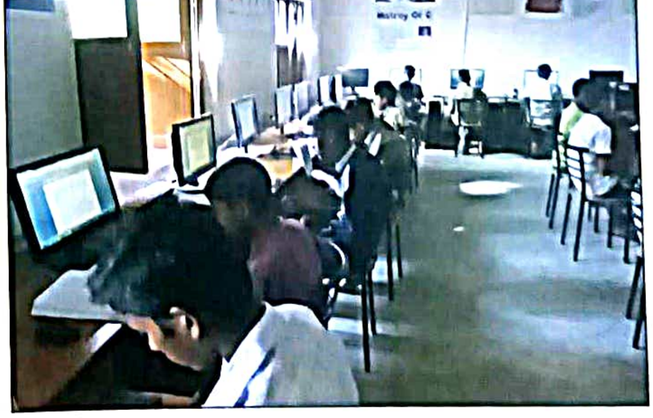

नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र

कम्प्यूटर प्रशिक्षण के अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं निकटस्थ गाँवों के इच्छुक छात्र/छात्राओं को नि:शुल्क छः माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान समय में प्रत्येक कार्यालय, प्रकाशन, कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता को देखते हुए यह प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे कि विद्यार्थी विशेपकर छात्राएँ कम्प्यूटर की

दक्षता प्राप्त कर योग्यतानुसार स्थानीय बाजार में रोजगार प्राप्त कर सकें।

हमारे महापुरुष प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

हमारे महापुरुष प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित महापुरुषों के जीवन के प्रेरणाप्रद (प्र)संगों को विद्यार्थियों के समक्ष रख कर, उनके बारे में अध्ययन एवं वर्तमान की समस्याओं पर उनकी (भू)मिका पर चिंतन के अवसर प्रदान किए जाते हैं। यह पाठ्यक्रम योग्य नागरिक गुणों का विकास करने में (भ)ी सक्षम हुआ है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।

जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में मानव जीवन के शाश्वत मूल्यों पर चर्चा-परिचर्चा, चिंतन, लेखन आदि के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए जीवन-मूल्य सृजन करने का प्रयत्न किया (जा)ता है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।

स्व मूल्यांकन प्रपत्र

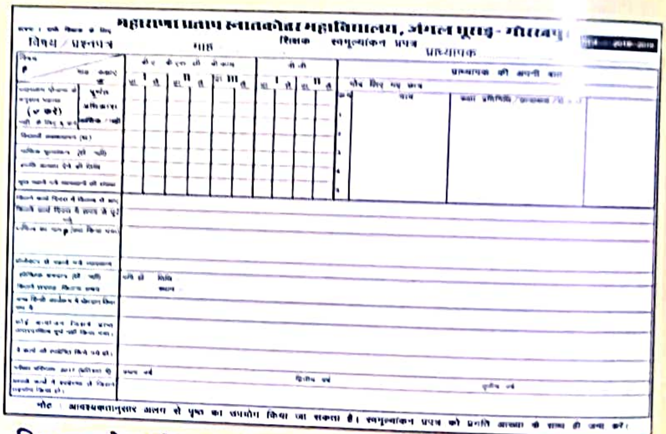
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

शिक्षक के मासिक दायित्व के उल्लेख हेतु स्वमूल्यांकन प्रपत्र

स्व मूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले महीने के द्वितीय कार्यदिवस तक उस माह में अपने कार्यों एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण यथा- पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्व-प्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रपत्र पर शिक्षा द्वारा प्राचार्य को उपलब्ध कराना होता है। शिक्षक द्वारा दिये गए आख्या की प्राचार्य द्वारा समीक्षा कर आवश्यकतानुसार शिक्षकों से त्वरित संवाद स्थापित कर शिक्षण-अधिगम की गुणवत्ता बनाए रखने के प्रति उन्हें सावधान किया जाता है।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

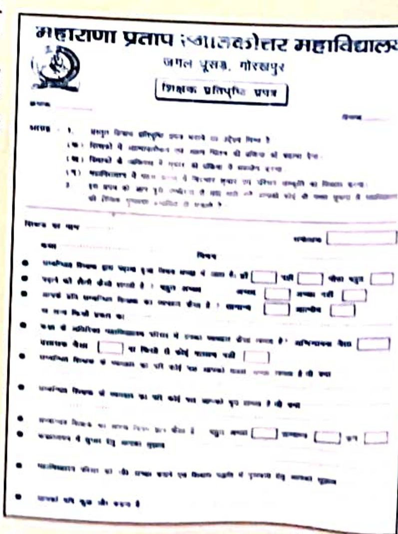
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों में गुणोत्तर सुधार हेतु भरा जाने वाला शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

निर्धारित प्रारूप-'शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र' के माध्यम से वर्ष में दो बार (सितम्बर-जनवरी) विद्यार्थियों से पठन-पाठन के सन्दर्भ में प्राचार्य द्वारा सीधे फीड-बैक लिया जाता है। इसकी समीक्षा कर प्रत्येक शिक्षक से अलग-अलग वार्ता कर शिक्षण की गुणवत्ता एवं शिक्षक-विद्यार्थी सम्बन्ध का विकास सुनिश्चित किया जाता है।

ध्येय पथ

अपने अनवरत विकास यात्रा में महाविद्यालय ने अपने सभी घटकों के बीच निरन्तर संवाद के अनेक मंच विकसित किए हैं। मासिक पत्रिका 'ध्येय पथ' शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ, छात्र संघ, पुरातन छात्र परिषद तथा अभिभावक संघ जैसे जीवन्त घटक समूहों के आपसी संवाद के साथ-साथ महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों की प्रस्तुति का एक माध्यम है। पत्रिका में प्रत्येक माह महाविद्यालय से सम्बन्धित प्रमुख गतिविधियों का संयोजन होता है।

सिविल सविर्सेज सामान्य अध्ययन

महाविद्यालय की नित नूतन प्रयोगधार्मिता के क्रम में शैक्षिक सत्र 2016-17 से विद्यार्थियों के प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उन्मुख होने तथा भविष्य में रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य के निमित्त निःशुल्क सिविल सर्विसेज सामान्य अध्ययन की कक्षाओं का सुचारू ढंग से संचालन किया जा रहा है। इसके संयोजक राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार हैं।

मॉडल स्कूल

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अनुदानित महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज के कक्षा 6, 7 एवं 8 की कक्षाओं को बी.एड्. विभाग द्वारा 'माडल स्कूल' के रूप में विकसित किया गया है। बी.एड्. विभाग के शिक्षक एवं छात्राध्यापकों द्वारा उच्च स्तरीय पठन-पाठन का प्रयत्न प्रारम्भ किया गया है। उल्लेखनीय है कि शिक्षकों की कमी से जूझ रहे अनुदानित स्कूल में किया जा रहा यह प्रयोग यह बताएगा कि प्रत्येक बी.एड्. कालेज द्वारा आस-पास के स्कूलों अथवा अपने ही कालेज में मॉडल स्कूल के रूप में विद्यालय चलाकर आस-पास की शिक्षा के लिए शिक्षक की कमी पूरी की जा सकती है।

आदर्श ग्राम योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा इस सत्र से अभिगृहीत ग्राम मंझरिया, जंगल धूसड़ को प्रयोग के तौर पर आदर्श गाँव के रूप में विकसित करने का प्रयास प्रारम्भ हुआ है। इसके अन्तर्गत गाँव के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से स्वच्छता, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत लागू करने की परिकल्पना के साथ कार्य प्रारम्भ किया गया।

आदर्श ग्राम में स्वास्थ्य शिविर

वाई-फाई युक्त परिसर

शिक्षा की गुणवत्ता में निरन्तर प्रगति एवं उसमें इन्टरनेट का व्यापक उपयोग हेतु महाविद्याल परिसर वाई-फाई युक्त करा दिया गया। 30 जनवरी 2018 से यह सुविधा महाविद्यालय परिसर सभी शिक्षकों-विद्यार्थियों को निःशुल्क उपलब्ध करा दी गई।

सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना

वर्तमान सत्र 2017-18 से गोद लिए गए विद्यार्थियों, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छात्रावास को एक समूह मानकर सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना की परिकल्पना लागू की गई। यह अनिवार्य किया गया कि छात्रावास के सभी विद्यार्थी गोद लिए जाएं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में लिए जाएं। राष्ट्रीय सेवा योजना में शेष रिक्त स्थानों पर गोद लिए गए विद्यार्थी ही सम्मिलित किए जाएं। इससे एक विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास पर शिक्षक, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छात्रावास की तीन इकाई कार्य करेगी।

वेबसाइट

महाविद्यालय के पास अपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम योजना बेव्साइट पर उपलब्ध रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्वन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

समावर्तन संस्कार समारोह

महाविद्यालय स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा पूर्ण कर रहे विद्यार्थियों के लिए अपने स्थापना काल से प्रतिवर्ष समावर्तन संस्कार समारोह आयोजित करता है। समावर्तन संस्कार का हिन्दू जीवन दर्शन के मानव जीवन के षोडश संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। समावर्तन संस्कार के माध्यम से विद्यार्थियों भारतीय जीवन मूल्य का सम्मान करने, योग्य नागरिक बनने, जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ-साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के साथ-साथ देश की राष्ट्रीय एकता और अखण्डता का अक्षुण्ण बनाये रखने की शपथ दिलायी जाती है। साथ ही समावर्तन उपदेश के माध्यम से उन्हें अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु प्रेरित किया जाता है। बारहवां समावर्तन संस्कार समारोह 2019 सम्पन्न हो रहा है।

वार्षिक योजना विवरण

वार्षिक योजना के महत्वपूर्ण विषय

1. शैक्षिक पंचांग
2. दायित्त्वसह कार्य विभाजन
3. प्रवेश एवं परीक्षा
4. समय-सारणी एवं पठन-पाठन
5. पुस्तकालय-वाचनालय
6. प्रयोगशाला
7. कक्षाध्यापन में नए प्रयोग
8. विभागीय योजना- व्याख्यान, संगोष्ठी, शोध-व्याख्यान, प्रतियोगिता, विभागीय रपट की समीक्षा एवं वर्तमान सत्र की योजना।
9. विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा-
   - (क) विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन
   - (ख) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान
   - (ग) प्रार्थना सभा
   - (घ) शिक्षक आचार संहिता
   - (ङ) शिक्षक प्रतिपुष्टि
   - (च) शिक्षक स्वमूल्यांकन
   - (छ) पाठ्यक्रम योजना
   - (ज) गोद लिए गए विद्यार्थी
   - (झ) गोद लिए गए गाँव
   - (य) मासिक मूल्यांकन
10. प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम
11. नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई
12. नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण
13. छात्र-संघ
14. क्रीड़ा
15. राष्ट्रीय सेवा योजना
16. एन.सी.सी.
17. वेबसाइट
18. तकनीकी प्रसार
19. कार्यालय
20. वार्षिक बजट
21. अन्य महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम-
   - (क) महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान-माला
   - (ख) सप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह
   - (ग) संस्थापक सप्ताह समारोह (महाविद्यालय)
   - (घ) संस्थापक सप्ताह समारोह (4-10 दिसम्बर-शिक्षा परिषद्)
   - (च) भारत-भारती पखवारा
   - (छ) समावर्तन संस्कार-समारोह

वार्षिक योजना बैठक में उपर्युक्त विषयों पर विचार-विमर्श कर सर्व सम्मति से निम्न निर्णय लिए गए -

1. **शैक्षिक पंचांग** - महाविद्यालय का शैक्षिक पंचांग पांच भागों से मिलकर बनाया गया। पहला

भाग-महाविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रमों, गतिविधियों एवं समय-सारणी का। दूसरा भाग-विभागवार कार्यक्रमों का तथा तीसरा भाग- क्रीड़ा गतिविधियों का। चौथा भाग- राष्ट्रीय सेवा योजना का वार्षिक विवरण एवं पांचवां भाग- प्रमुख अवकाश का। शैक्षिक पंचांग निम्नवत है -

भाग-1 : वार्षिक तिथिक्रम - महत्वपूर्ण कार्यक्रम

04 जुलाई, 2018	स्वामी विवेकानन्द व्याख्यान
15 जुलाई	कक्षारम्भ
27 जुलाई	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस पर व्याख्यान एवं पौधारोपण कार्यक्रम
29 जुलाई	अपने गोद लिए गांव में महाविद्यालय के विभाग
01 अगस्त	नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत समारोह एवं लोकमान्य तिलक महाप्रयाण अभिरूचिकारी व्याख्यान (1)
07-13 अगस्त	राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक व्याख्यान-माला
15 अगस्त	स्वतंत्रता दिवस समारोह
16 अगस्त	रामकृष्ण परमहंस महाप्रयाण- अभिरूचिकारी व्याख्यान (2)
16 अगस्त	प्रयोगशालाएं प्रारम्भ
28-29-30 अगस्त	छात्रसंघ चुनाव
05 सितम्बर	शिक्षक दिवस (सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन जयन्ती)
07 सितम्बर	विपिन चन्द्रपाल जयन्ती- अभिरूचिकारी व्याख्यान (3)
12 सितम्बर	शिक्षक संघ चुनाव
14 सितम्बर	हिन्दी दिवस, छात्रसंघ शपथ ग्रहण
18 सितम्बर	कर्मचारी संघ चुनाव
20 सितम्बर	महाराणा अग्रसेन जयन्ती- व्याख्यान (पूर्वदिवस)
23 सितम्बर	ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजनाथ एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह उद्घाटन कार्यक्रम (गोरखनाथ मंदिर)
28 सितम्बर	युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम (महाविद्यालय में)
29 सितम्बर	बह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह समापन कार्यक्रम - (गोरखनाथ मन्दिर परिसर में)
02 अक्टूबर	महात्मा गांधी जयन्ती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारी, गोद लिए गए विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता अभियान, गोद लिए गए विद्यार्थियों की बैठक, महाविद्यालय के त्रयमासिक (शिक्षक, प्राचार्य बैठक)
07 अक्टूबर (अश्विनकृष्ण त्रयोदशी)	योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान (पुण्यतिथि समारोह), पूर्वदिवस पर यह कार्यक्रम 6 अक्टूबर को होगा।

24 अक्टूबर (अश्विन शुक्ल पूर्णिमा)	बाल्मिकी जयन्ती के अवसर पर गोद लिए गये गाँव में विभागों द्वारा जनजागरण
28 अक्टूबर	अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा (अमर उजाला के सौजन्य से आयोजित)
31 अक्टूबर	वल्लभ भाई पटेल/आचार्य नरेन्द्र देव जयन्ती- व्याख्यान
17-23 नवम्बर	वार्षिक महोत्सव (महाविद्यालय)
24 नवम्बर	गुरू तेग बहादुर शहीद दिवस पर व्याख्यान
04-10 दिसम्बर	संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के स्तर पर)
06 दिसम्बर	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर परिनिर्वाण दिवस पर व्याख्यान
15 दिसम्बर	अभिभावक सम्मेलन, विजय दिवस समारोह (पूर्वदिवस)
12-26 जनवरी, 2019	भारत-भारती पखवारा
23 जनवरी	गुरू नानक जयन्ती- व्याख्यान
24 जनवरी	गुरू तेग बहादुर बलिदान दिवस - व्याख्यान
26 जनवरी	स्व. डॉ. डी.पी.एन. सिंह पुण्यतिथि कार्यक्रम - (पूर्वदिवस)
02-03 फरवरी	राष्ट्रीय संगोष्ठी (विज्ञान संकाय द्वारा)
05-16 फरवरी	विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा एवं परिणाम घोषणा
10 फरवरी	बसन्त पंचमी - माँ सरस्वती पूजन
10 फरवरी	समावर्तन संस्कार समारोह
18-24 फरवरी	रिमेडिकल कक्षाएं
19 फरवरी	माघपूर्णिमा- संत रविदास जयन्ती - अभिरूचिकारी व्याख्यान (5)
27-28 फरवरी	राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रार्थना सभा के कार्यक्रम

अगस्त	
01	लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस/पुरुषोत्तम दास टंडन जयन्ती
03	मैथिली शरण गुप्त जयन्ती
07	रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि
08	पी.एल. भटनागर जयन्ती
09	भारत छोड़ो आन्दोलन एवं काकोरी काण्ड
11	खुदीराम बोस बलिदान दिवस
12	अमर शहीद बंधू सिंह बलिदान दिवस
13	अहिल्या बाई होल्कर पुण्यतिथि (भाद्रपद कृष्ण चतुर्दशी/भारत विभाजन की पूर्व संध्या (अखण्ड भारत स्मृति दिवस)

15	स्वतंत्रता दिवस/महर्षि अरविन्द जयन्ती
16	स्वामी रामकृष्ण परमहंस समाधिस्थ दिवस
17	मदन लाल धींगड़ा बलिदान दिवस
24	राजगुरू जयन्ती
25	रासबिहारी बोस पुण्यतिथि/रानी पद्मिनी जौहर दिवस (पूर्व दिवस)
29	मेजर ध्यानचन्द जयन्ती/राष्ट्रीय खेल दिवस
30	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जयन्ती
सितम्बर	
04	दादा भाई नौरोजी जयन्ती
05	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती (शिक्षक दिवस)
08	विश्व साक्षरता दिवस
10	गोविन्द बल्लभ पंत एवं आचार्य विनोबाभावे जयन्ती
11	महादेवी वर्मा पुण्यतिथि
13	यतीन्द्रनाथ बोस बलिदान दिवस
14	हिन्दी दिवस
15	मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जयन्ती (इन्जीनियर्स डे)/विश्व ओजोन संरक्षण दिवस (पूर्व दिवस)
17	विश्वकर्मा जयन्ती/दधीचि जयन्ती (भाद्रपद शु. अष्टमी)
25	दीनदयाल उपाध्याय जयंती/सतीश धवन जयंती
26	ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जयन्ती
27	राजा राम मोहन राय पुण्यतिथि
28	सरदार भगत सिंह जयन्ती
29	सुमित्रानन्दन पंत स्मृति दिवस
अक्टूबर	
02	गाँधी जयन्ती/लाल बहादुर शास्त्री जयंती
06	गुरु गोविन्द सिंह पुण्यतिथि (पूर्व दिवस)
08	पितृ विसर्जन/वायुसेना स्थापना दिवस/मुंशी प्रेमचंद स्मृति दिवस (अवकाश)
11	जय प्रकाश नारायण जयन्ती
12	डॉ. राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि
15	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती
24	संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस, वाल्मीकि जयन्ती (अश्विन शुक्ल पूर्णिमा)
27	यतीन्द्र नाथ दास जयन्ती
31	सरदार बल्लभभाई पटेल जयन्ती एवं श्रीमती इंदिरा गांधी पुण्यतिथि

नवम्बर	
12	मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि
15	आचार्य विनोबा भावे पुण्यतिथि
16	राष्ट्रीय प्रेस दिवस
17	लाला लाजपत राय बलिदान दिवस, कालिदास जयन्ती (कार्तिक शुक्ल दशमी) (पूर्व दिवस)
19	रानी लक्ष्मी बाई जयन्ती
22	जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि (पूर्व दिवस)
24	गुरू तेग बहादुर बलिदान दिवस
26	राष्ट्रीय संविधान दिवस
28	महात्मा ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि
दिसम्बर	
01	राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस (पूर्व दिवस)
03	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती/भारतीय नौसेना दिवस (पूर्व दिवस)
04	संस्थापक समारोह
05	महर्षि अरविन्द पुण्यतिथि
06	डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि
10	संस्थापक समारोह मुख्य महोत्सव
11	बिरसा मुण्डा जयन्ती
14	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस
17	डॉ. रोशन सिंह एवं राजेन्द्र लाहिड़ी बलिदान दिवस
19	रामप्रसाद बिस्मिल एवं अशफाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस
20	वीर छत्रसाल पुण्यतिथि
22	राष्ट्रीय गणित दिवस एवं चौधरी चरण सिंह जयन्ती (पूर्व दिवस)
24	पं. मदन मोहन मालवीय जयन्ती (पूर्व दिवस) (अवकाश)
26	फतेह सिंह एवं जोरावर सिंह बलिदान दिवस
28	सुमित्रानंदन पंत दिवस
29	महर्षि रमण जयन्ती (पूर्व दिवस)
जनवरी	
01	शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस
09	हर गोविन्द खुराना जयन्ती
12	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती
19	महाराणा प्रताप स्मृति दिवस

23	नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती
25	राष्ट्रीय मतदाता दिवस
28	लाला लाजपत राय जयन्ती
30	महात्मा गाँधी पुण्यतिथि

भाग-2 : विभागीय - कार्यक्रम

गणित विभाग

मासिक मूल्यांकन - गणित विभाग सत्र 2018-19 में प्रति माह के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा। मासिक मूल्यांकन में पूरे माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा अगस्त माह से जनवरी माह तक पूछे गये मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जायेंगे।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस.-सी. प्रथम	NA	29 Aug	22 Sep	29 Oct	27 Nov	21 Dec	23 Jan
बी.एस.-सी. द्वितीय	NA	25 Aug	27 Sep	26 Oct	24 Nov	19 Dec	30 Jan
बी.एस.-सी. तृतीय	NA	25 Aug	27 Sep	26 Oct	24 Nov	19 Dec	29 Jan

साप्ताहिक कक्षाध्यापन - गणित विभाग द्वारा प्रति सप्ताह कक्षाध्यापन अपने छात्र-छात्राओं से कराया जायेगा। इस कक्षाध्यापन में कक्षाध्यापन के तिथि से पहले छात्रों को विषय आवंटित कर दिया जायेगा तथा कक्षाध्यापन की तिथि पर उनसे कक्षाध्यापन करा के उन्हे श्रेणी प्रदान किया जायेगा। इस कक्षाध्यापन में छात्र-छात्राओं को अपना विषय वस्तु ठीक तरह से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जायेगा।

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
वी.एस.-सी. प्रथम	NA	06,12,21	07,14	01,10,17	13,20	06,14	04,11
बी.एस.-सी. द्वितीय	20,27	03,10,18	04,12,19	06,15	03,17	01,12	02,09,19
बी.एस.-सी. तृतीय	20,27	03,10,18	04,12,19	06,10	03,17	01,12	02,09,19

ग्राम दर्शन - गणित विभाग अपने छात्र-छात्राओं को ग्रामीण जीवन से परिचय कराने का कार्य करेगा। विभाग अपने गोद लिए गाँव धोधड़ा में सत्र 2018-19 में चार बार ग्राम दर्शन का कार्यक्रम करेगा, जिसमें ग्राम में रहने वाले ग्रामीण जीवन की सामाजिक अनुभूति अपने छात्र-छात्राओं को करायेगा।

- 29 जुलाई, 2018
- 17 फरवरी, 2019
- 21 अक्टूबर, 2018
- 19 मई, 2019

गणित महोत्सव - 20 दिसम्बर, 2018 श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिन के अवसर पर विभाग श्रीनिवास रामानुजन के स्मृति में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करेगा जिसमें विभाग निम्न विषय विशेषज्ञ को

आयोजित करेगा।

प्रो. एस.के. श्रीवास्तव (विभागाध्यक्ष, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गो.)

प्रो. वी.एस. वर्मा (आचार्य, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, दी.द.उ. गो.वि.वि., गो.)

सांख्यिकी विभाग

विशेष व्याख्यान - सांख्यिकी विभाग सत्र 2018-19 में विशेष व्याख्यान आयोजित करेगा, जो छात्र-छात्राओं के विषय वस्तु पर आधारित होगा, इस विशेष व्याख्यान में विभाग निम्नलिखित विषय विशेषज्ञ को अपने विभाग में आमंत्रित करेगा।

28 सितम्बर डॉ. एस.पी. सिंह (Probability Theory)

मासिक मूल्यांकन - सांख्यिकी विभाग सत्र 2018-19 में प्रति माह के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा, जिसमें उस पूरे माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे तथा अगस्त माह से जनवरी माह तक पूछे गये मासिक मूल्यांकन के सभी प्रश्नों को मिलाकर विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जायेंगे, जो विश्वविद्यालय परीक्षा की दृष्टि से बहुत उपयोगी है।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम	NA	28 Aug	24 Sep	25 Oct	26 Nov	31 Dec	28 Jan
बी.एस-सी. द्वितीय	NA	28 Aug	24 Sep	25 Oct	26 Nov	31 Dec	28 Jan
बी.एस-सी. तृतीय	NA	28 Aug	28 Sep	27 Oct	29 Nov	31 Dec	29 Jan

साप्ताहिक कक्षाध्यापन - सांख्यिकी विभाग द्वारा प्रतिसप्ताह कक्षाध्यापन अपने छात्र-छात्राओं से कराया जायेगा, इस कक्षाध्यापन में कक्षाध्यापन के तिथि से पहले छात्रों को विषय बता दिया जायेगा तथा कक्षाध्यापन की तिथि पर उनसे कक्षाध्यापन करा के उन्हें नम्बर प्रदान किया जायेगा। इस कक्षाध्यापन में छात्र-छात्रों को अपना विषय वस्तु ठीक तरह से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जायेगा।

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम	NA	06,13,21	04,10,17	01,09,15	01,13,19	01,11,17	04,10,19
बी.एस-सी. द्वितीय	21,28	06,16,23	04,10,17	01,09,15	02,12,19	01,11,17	02,07,17
बी.एस. सी. तृतीय	21,27	04,07,11	08,15,22	06,13,22	03,16,23	05,06,22	05,11,19

ग्राम दर्शन - 05.08.2018, 21.10.2018, 17.02.2019, 19.05.2019

वनस्पति विज्ञान विभाग

वनस्पति विज्ञान पाठ्यक्रम घोषित (सत्र 2018-19)

स्नातक प्रथम वर्ष - 20 जुलाई 2018
स्नातक द्वितीय वर्ष - 16 जुलाई 2018
स्नातक तृतीय वर्ष - 16 जुलाई 2018
स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर - 25 जुलाई 2018

वनस्पति विज्ञान कक्षाएं प्रारम्भ

स्नातक प्रथम वर्ष - 01 अगस्त 2018
स्नातक द्वितीय वर्ष - 16 जुलाई 20
स्नातक तृतीय वर्ष - 16 जुलाई 2018
स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर - 01 अगस्त 2018

ग्राम्य दर्शन कार्यक्रम

प्रथम - 05 अगस्त 2018
द्वितीय - 07 अक्टूबर 2018
तृतीय - 03 फरवरी 2019
चतुर्थ - 28 अप्रैल 201

वनस्पति विज्ञान कक्षा प्रतिनिधि (लिखित परीक्षा द्वारा) चुनाव - 29 अगस्त 201

वनस्पति विज्ञान स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ - 16 अगस्त 201

शिक्षक द्वारा व्याख्यान- डॉ. अभय श्रीवास्तव - 08.09.2018
आम्रपाली वर्मा - 23.11.2018

वनस्पति विज्ञान विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन लिखित परीक्षा द्वारा -

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम	NA	29 Aug	22 Sep	29 Oct	27 Nov	12 Dec	23 Jan
बी.एस-सी. द्वितीय	NA	27 Aug	27 Sep	26 Oct	24 Nov	19 Dec	29 Jan
बी.एस-सी. तृतीय	NA	27 Aug	27 Sep	26 Oct	24 Nov	19 Dec	29 Jan
एम.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	30 Aug	22 Sep	29 Oct	27 Nov		

वनस्पति विज्ञान विद्यार्थियों द्वारा सप्ताह में एक दिवस कक्षाध्यापन-

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम	NA	06,12,21	07,17	01,10,17	13,20	06,14	04,11
बी.एस-सी. द्वितीय	20,27	03,10,18	05,12,19	06,15	03,17	01,12	02,09,19
बी.एस-सी. तृतीय	20,27	03,10,18	05,12,19	06,15	03,17	01,12	02,09,19
एम.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	07,13,23	08,14	01,10,17	13,20		

वनस्पति विज्ञान विषय के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न पत्र तैयार - 28.09.2018

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

विशिष्ट व्याख्यान	15 सितम्बर, 2018	पोस्टर प्रतियोगिता	11 अक्टूबर, 2018
शोध व्याख्यान प्रतियोगिता	31 अक्टूबर, 2018	विज्ञान प्रदर्शनी	19 जनवरी, 2018
विशिष्ट व्याख्यान	11 जनवरी, 2019	विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक मूल्यांकन	21 जनवरी, 2018
वनस्पति विज्ञान पाठ्यक्रम पूर्ण	30 जनवरी, 2018	उपचारात्मक कक्षाएं	18-22 फरवरी, 2018
प्रायोगिक परीक्षाएं	विश्वविद्यालय सैद्धान्तिक परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व।		

रसायन विज्ञान विभाग

30 अक्टूबर, 2018	शैक्षणिक भ्रमण	15 दिसम्बर, 2018	विशिष्ट व्याख्यान
21 दिसम्बर, 2018	व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातकोत्तर स्तर)	20 दिसम्बर, 2018	विशिष्ट व्याख्यान
22 दिसम्बर, 2018	व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातक स्तर)	10 फरवरी, 2019	गाँव दर्शन (रामपुर गाँव)

अन्य कार्यक्रम

अगस्त माह में प्रस्तावित	- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का स्वागत समारोह।
कक्षाध्यापन	- प्रत्येक प्रश्नपत्र में चयनित विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन।
मासिक मूल्यांकन	- माह के अन्त में प्रत्येक प्रश्नपत्र का मासिक मूल्यांकन।
मासिक मूल्यांकन परिणाम	- माह के 5 तारीख तक मासिक मूल्यांकन का परिणाम घोषित करना तथा प्रायोगिक कक्षाओं में प्रत्येक विद्यार्थी को उत्तर पुस्तिकायें दिखाना।
स्वमूल्यांकन प्रपत्र	- प्रत्येक माह के 5 तारीख तक स्वमूल्यांकन प्रपत्र जमा करना।
प्रगति आख्या	- प्रत्येक माह के 10 तारीख तक पिछले माह की प्रगति आख्या पूर्ण करना।
शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र	- वर्ष में दो बार 5 सितम्बर व 20 जनवरी को विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाना।
स्वैच्छिक श्रमदान	- साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में शिक्षक एवं विद्यार्थियों के साथ प्रतिभाग करना।
विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा	- फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना।
रिमेंडियल (उपचारात्मक) कक्षायें	- 16 से 23 फरवरी तक उपचारात्मक कक्षायें चलाई जायेंगी।
अप्रैल माह में कार्यक्रम	- स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह।

Physics Department

1. **Full coverage of Practical syllabus :** The department this year plans to cover all the practical's listed in University syllabus irrespective of minimum number of recommended practical's prescribed by University for final Examinations.

2. **Visit to village :** The department plans to organize visit of students and faculties in nearby village with the aim to acquaint the students with life and socio economic conditions of people living in villages of our country. The visit will be organized on the following months:-
   - August
   - October
   - January
   - May
3. **Feedback from students :** The department this year plans to feedback from students, two times in the current academic session. The feedback will be taken on prescribed format available with the department.
4. **Remedial Classes for students :** The department will organize remedial classes after Pre University Examinations in the month of February with the aim of clearing doubts and difficulties of students and preparing them for final Examinations.
5. **Students Adoption by Faculties :** All the faculty members of the department will adopt 5 students and look after their overall academic and personality development aspect of students. They will play the role of parents and help the students excel in moral as well professional field.
6. **PPT Classes :** The department this year plans to take at least 5 classes of each paper on projector this year. The faculty member in this way tries to incorporate maximum number of classes on projector.
7. **Class Teaching :** After every Vth class the students will be given chance to present their lecture in front of students of class. The main objective of this methodology of teaching is to make students self confident and make them able to put their views in front of other people.
8. **Monthly Evaluation :** The department plans to take monthly evaluation of students in last week of every month. The aim of monthly evaluation is to help the students grasp the concepts taught during the month and perform better in their final Examinations.
9. **Poster making competition on 15th December 2018 :** Poster making contest aims for the students' to use their knowledge, understanding and awareness in creating their visuals (posters) to raise other students or people's knowledge, understanding and awareness about the significant theme, topic or question whenever and wherever they go.
10. **Department level Technical Paper Competition on 11th January 2019 :** The objective of the competition are to challenge students to demonstrate superior presentation skills, present their research, and offer an opportunity for students to interact within their community at an early stage in their career.

भूगोल विभाग

विशिष्ट व्याख्यान	16 एवं 19 जनवरी 2019
महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार	21-23 जनवरी 2019
मैप ड्राइंग प्रतियोगिता	21 जनवरी 2019
शैक्षिक भ्रमण	23 जनवरी एवं 1 फरवरी 2019
कन्टूरिंग	28 जनवरी 2019

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम	NA	07,13,23	11,18	05,13	02,16,23	08	01,08,18
बी.ए./बी.एस-सी. द्वितीय	21	04,11,20	07,15	03,11,22	14,21	07,15	05,12
बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय	21	04,11,20	07,15	03,11,22	14,21	07,15	05,12

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम	NA	30 Aug	26 Sep	25 Oct	30 Nov	18 Dec	28 Jan
बी.ए./बी.एस-सी. द्वितीय	28 July	28 Aug	24 Sep	31 Oct	28 Nov	22 Dec	24 Jan
बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय	28 July	28 Aug	24 Sep	31 Oct	28 Nov	22 Dec	24 Jan

प्राणि विज्ञान विभाग

कक्षाध्यापन (विद्यार्थियों द्वारा)

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम	NA	04,11,20	06,13,20	09,16	12,19	03,13	03,10,21
बी.एस-सी. द्वितीय	19,26	02,09,17	04,11,18	05,13	02,16	11	01,08,18
बी.एस-सी. तृतीय	19,26	02,09,17	04,11,18	05,13	02,16	11	01,08,18
एम.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	04,11,20	06,13,20	09,16	12,19	03,13	01,08,18

मासिक मूल्यांकन (विद्यार्थियों द्वारा)

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम	NA	28 Aug	28 Sep	27 Oct	26 Nov	20 Dec	30 Jan
बी.एस-सी. द्वितीय	NA	25 Aug	26 Sep	25 Oct	30 Nov	18 Dec	28 Jan
बी.एस-सी. तृतीय	NA	25 Aug	26 Sep	25 Oct	30 Nov	18 Dec	28 Jan
एम.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	20 Aug	28 Sep	27 Oct	26 Nov	20 Dec	28 Jan

ग्राम्य भ्रमण (लक्ष्मीपुर)

05 अगस्त 2018 — 24 अगस्त 2018

फरवरी माह का प्रथम रविवार — विश्वविद्यालय परीक्षा के बाद का प्रथम रवि

विशिष्ट व्याख्यान - 25 अक्टूबर 2018

डॉ. विनय कुमार सिंह — प्राणि विज्ञान विभाग, दी.द.उ.गो.वि.वि.,गोरखपुर

डॉ. वीना बत्रा कुशवाहा — प्राणि विज्ञान विभाग, दी.द.उ.गो.वि.वि.,गोरखपुर

डॉ. बृजेश मणि त्रिपाठी — प्राणि विज्ञान विभाग, दी.द.उ.गो.वि.वि.,गोरखपुर

व्याख्यान प्रतियोगिता - 17 दिसम्बर 2018

विज्ञान प्रदर्शनी - 29 दिसम्बर 2018

Electronics Department

1. Visit to Village on August (05/08/2018), October, February & May 2018-19.
2. Remedial Classes for students after pre-examination.
3. Students Adaptation by faculty of the department.
4. PPT Classes have scheduled to be held on his session 2018-19
5. Class teaching by Students one day of each week of the month.
6. Monthly Evaluation has scheduled to be held on last week of the each month.

Computer Science Department

1. Computer coverage of practical syllabus.
2. Visit to village on August, October, January & May 2018-19.
3. Feedback of teacher from students.
4. Remedial classes for students after pre examination.
5. Students Adaptation by faculty of the department.
6. PPT classes have scheduled to be held on this session 2018-19.
7. Class teaching by students one day of each week of the month.
8. Monthly evaluation has scheduled to be held on last week of the each month.
9. PPT presentation has scheduled to held on 15/12/18.
10. Poster making competition has scheduled to be held on 15/12/2018.
11. Department level technical paper competition on 11-01-2019.11/1/2019.

रक्षा एवं स्त्रतजिक अध्ययन विभाग

1. **विशिष्ट व्याख्यान** 06 अगस्त, 2018 24 अक्टूबर, 2018
2. **रक्षा प्रदर्शनी प्रतियोगिता** 8 जनवरी, 2019
3. विशिष्ट व्याख्यान एवं रक्षा प्रदर्शनी में उपस्थित होने वाले सम्भावित मुख्य अतिथियों की सूची–
   प्रो. हरिशरण प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा प्रो. विनोद कुमार सिंह
   डॉ. प्रवीण कुमार डॉ. करुणेन्द्र सिंह डॉ. विजय कुमार
4. विभाग द्वारा गोद लिये गये गाँव का भ्रमण/सर्वेक्षण करना।
5. विभाग के विद्यार्थियों को जीवन वष्टत्त परामर्श देना।
6. गोद लिये गये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर विशेष बल देना।
7. बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम वर्ष की प्रायोगिक कक्षायें अधिाक से अधिाक प्रोजेक्टर पर चलाना।
8. प्रत्येक माह न्यूनतम 10 कक्षायें प्रोजेक्टर पर चलाना।
9. स्वमूल्यांकन प्रपत्र प्रतिमाह भरना।
10. विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन करवाना।
11. विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन करना।
12. अतिरिक्त कक्षायें चलवाना।

कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम	NA	07,13,30	08,15	03,11,22	14,21	07,15	05,12
बी.ए./बी.एस-सी. द्वितीय	21	04,11,20	06,13,20	09,16	12,19	03,13	03,10,21
बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय	21	04,11,20	07,15	04,12	01,15,22	08,17	07,17
कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम	NA	30 Aug	24 Sep	31 Oct	28 Nov	22 Dec	24 Jan
बी.ए./बी.एस-सी. द्वितीय	28 July	28 Aug	28 Sep	27 Oct	26 Nov	20 Dec	30 Jan
बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय	28 July	28 Aug	24 Sep	24 Oct	29 Nov	31 Dec	25 Jan

गृह विज्ञान विभाग

1. शोध व्याख्यान दिनांक 11 सितम्बर 2018 को
2. कार्यशाला–महिला उद्यमिता विकास पर सप्तदिवसीय कार्यशाला 'निर्माण' (10 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2018 तक)

3. व्याख्यान (गृह विज्ञान के बढ़ते आयाम) विषय पर दिनांक 25 अक्टूबर को।
4. पाक कला प्रतियोगिता 3 नवम्बर 2018 को।
5. विशिष्ट व्याख्यान 19 नवम्बर 2018 को।
6. कार्यशाला-खाद्यान एवं फल संरक्षण विषय पर दिनांक 12 दिसम्बर तक सप्तदिवसीय कार्यशाला
7. 08 दिसम्बर 2018 को शैक्षिक भ्रमण।
8. 21 दिसम्बर 2018 को शैक्षिक भ्रमण
9. 09 जनवरी को पाककला प्रतियोगिता।
10. 24 जनवरी को प्रदर्शनी का आयोजन

प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग तथा इतिहास विभाग

1. विशिष्ट व्याख्यान

अ. 3 नवम्बर, दिन-गुरुवार, बी.ए. भाग-1 हेतु

विषय : भारतीय इतिहास के पुर्नलेखन में साहित्यिक साक्ष्यों का महत्व

वक्ता : प्रो. दिग्विजय नाथ मौर्य

ब. 10 जनवरी 2019, दिन-बुद्धवार, बी.ए. भाग-2 हेतु

विषय :

वक्ता : डॉ. कन्हैया सिंह

स. 17 जनवरी 2019, दिन-बुद्धवार, बी.ए. भाग-3 हेतु

विषय : इतिहास लेखन की भारतीय अवधारणा

वक्ता : डॉ. अजय कुमार सिंह

2. व्याख्यान प्रतियोगिता

23 जनवरी 2019, दिन-सोमवार

3. कार्यशाला

27 जनवरी 2019, दिन-शुक्रवार (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष हेतु)

विषय : वंशावली चार्ट एवं मुद्रा प्रदर्शन बोर्ड निर्माण प्रशिक्षण

4. शिक्षक-प्रतिपुष्टि प्रपत्र

आत्ममूल्यांकन एवं सुधारात्मक प्रवृत्ति हेतु विद्यार्थियों द्वारा दिसम्बर माह के किसी भी कार्यदिवस में विद्यार्थियों की अधिकतम संख्या को देखते हुए उनसे पूर्व निर्धारित प्रोफार्मा पर शिक्षक अभिमत लिया जाएगा।

5. कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	06 12 21	07,14	01,10,17	13,20	06,14	04,11,23
बी.ए. द्वितीय	20,27	03 10 18	05,12,15	06,15	03,17	01,12	02,09,19
बी.ए. तृतीय	20,27	03 10 18	05,12,19	06,15	03,17	01,12	02,05,19

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	29 Aug	22 Sep	29 Oct	27 Nov	21 Dec	30 Jan
बी.ए.. द्वितीय	NA	27 Aug	27 Sep	26 Oct	24 Nov	19 Dec	29 Jan
बी.ए. तृतीय	NA	27 Aug	27 Sep	26 Oct	24 Nov	19 Dec	29 Jan

6. **देशाटन (शैक्षिक भ्रमण)**

बी.ए. भाग 3 एवं परास्नातक के विद्यार्थियों का शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम जनवरी माह में सम्पन्न होगा।

7. **उपचारात्मक कक्षाएं**

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम आ जाने के उपरान्त फरवरी माह में दिनांक 15 से 24 तक शैक्षिक दृष्टिकोण से आशानुरुप प्रदर्शन न कर पाने वाले विद्यार्थियों हेतु उपचारात्मक कक्षाएं संचालित करने की योजना है।

8. **ग्राम दर्शन कार्यक्रम**

29 जुलाई 24 अक्टूबर 17 फरवरी 05 मई

राजनीतिशास्त्र विभाग

वार्षिक कार्य योजना विवरण

29.10.2018 (कार्यशाला) - जम्मू कश्मीर की वर्तमान स्थिति (संघवाद के परिप्रेक्ष्य में)

19.12.2018 (शोध व्याख्यान प्रति.) - शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

07.01.2019 (अतिथि व्याख्यान) - भारतीय विदेश नीति के परिप्रेक्ष्य में सार्क देशों के साथ सम्बन्ध

कक्षाध्यापन (विद्यार्थियों द्वारा)

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	04,11,20	06,13,20	09,16	12,19	03,13	03,10,21
बी.ए. द्वितीय	19,26	02,09,17	04,11,18	05,13	02,16,23	11	01,08,18
बी.ए. तृतीय	19,26	02,09,17	04,11,18	05,13	02,16,23	11	01,08,18

मासिक मूल्यांकन (विद्यार्थियों द्वारा)

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	28 Aug	28 Sep	27 Oct	26 Nov	20 Dec	30 Jan
बी.ए. द्वितीय	NA	25 Aug	26 Sep	25 Oct	30 Nov	18 Dec	28 Jan
बी.ए. तृतीय	NA	25 Aug	26 Sep	25 Oct	30 Nov	18 Dec	28 Jan

फीडबैक (पृष्ठपोषण) कक्षाएं – 16–24 फरवरी 2019

स्वमूल्यांकन प्रपत्र – प्रत्येक माह में शिक्षक द्वारा अपने मासिक दायित्वों एवं कार्य का वि[illegible]ण प्रपत्र के माध्यम से प्राचार्य महोदय को उपलब्ध।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – सत्र में दो बार शिक्षक उन्नयन के क्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रतिपुष्टि [illegible]त्र भरा जाएगा।

ग्राम्य दर्शन –

05 जुलाई 2018 24 अक्टूबर 2018 17 फरवरी 2019 05 मई 201

अर्थशास्त्र विभाग

कक्षाध्यापन (विद्यार्थियों द्वारा)

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	नवरी
बी.ए. प्रथम	NA	04,11,20	06,13,20	09,16	12,19	03,13	0 10,21
बी.ए. द्वितीय	19,26	02,09,17	04,11,18	05,13	02,16,23	11	0 .08,18
बी.ए. तृतीय	19,26	02,09,17	04,11,18	05,13	02,16,23	11	01,08,18

मासिक मूल्यांकन (विद्यार्थियों द्वारा)

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	28 Aug	28 Sep	27 Oct	26 Nov	20 Dec	30 Jan
बी.ए. द्वितीय	NA	25 Aug	26 Sep	25 Oct	30 Nov	18 Dec	28 Jan
बी.ए. तृतीय	NA	25 Aug	26 Sep	25 Oct	30 Nov	18 Dec	28 Jan

ग्राम्य दर्शन

प्रत्येक सत्र में चार बार (रविवार) महुँआचाफी ग्राम का विभाग के विद्यार्थियों के साथ भ्रमण।

05 अगस्त 2018 24 अगस्त 2018 31 जनवरी 2018 05 मई 2019

पी.पी.टी. कक्षाएं – अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी

हिन्दी विभाग

14 सितम्बर, 2018	हिन्दी दिवस विशिष्ट व्याख्यान	22–23 अक्टूबर 2018	दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
13 दिसम्बर, 2018	हिन्दी व्याख्यान प्रतियोगिता	31 दिसम्बर, 2018	विशिष्ट व्याख्यान
17 जनवरी, 2019	कार्यशाला		

कक्षाध्यापन (विद्यार्थियों द्वारा)

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	04,11	05,13,20	09,16	12,19,26	03,13	03,10,21
बी.ए. द्वितीय	09,26	02,09,17	04,11,18	04,13	02,16,23	11	01,08,18
बी.ए. तृतीय	09,26	02,09,17	04,11,18	04,13	02,16,23	11	01,08,18

मासिक मूल्यांकन (विद्यार्थियों द्वारा)

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	28 Aug	28 Sep	27 Oct	26 Nov	20 Dec	30 Jan
बी.ए. द्वितीय	NA	25 Aug	26 Sep	25 Oct	30 Nov	18 Dec	28 Jan
बी.ए. तृतीय	NA	25 Aug	26 Sep	25 Oct	30 Nov	18 Dec	28 Jan

फीड बैक (पृष्ठ पोषण) कक्षाएं – 16–24 फरवरी, 2019

स्वमूल्यांकन प्रपत्र – प्रत्येक माह में शिक्षक द्वारा अपने मासिक दायित्वों एवं कार्य का विवरण प्रपत्र के माध्यम से प्राचार्य जी को उपलब्ध।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – सत्र में दो बार शिक्षक उन्नयन के क्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जायेगा।

गाम्य दर्शन –

29 जुलाई 24 अक्टूबर 17 फरवरी 05 मई

स्वैच्छिक श्रमदान – स्वैच्छिक श्रमदान में प्रतिभाग करेंगे

मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास

1. **विशिष्ट व्याख्यान**

   अ. 27 सितम्बर, दिन-गुरुवार, बी.ए. भाग-1,2,3 हेतु

   विषय : राजाराम मोहन राय की पुण्यतिथि

   वक्ता :

   ब. 17 नवम्बर, दिन-शनिवार, बी.ए. भाग-1,2,3 हेतु

   विषय : लाला लाजपत राय बलिदान दिवस

   वक्ता :

2. **व्याख्यान प्रतियोगिता**

   21 जनवरी 2019, दिन-सोमवार

4. शिक्षक-प्रतिपुष्टि प्रपत्र

आत्ममूल्यांकन एवं सुधारात्मक प्रवृत्ति हेतु विद्यार्थियों द्वारा दिसम्बर माह के किसी भी कार्यदिवस में, [illegible]ार्थियों द्वारा दिसम्बर माह के किसी भी कार्यदिवस में विद्यार्थियों की अधिकतम संख्या को देखते हुए [illegible] से पूर्व निर्धारित प्रोफार्मा पर शिक्षक अभिमत लिया जाएगा।

5. कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	[illegible]नवरी
बी.ए. प्रथम	NA	04,11	05,13,20	09,16	12,19,26	03,13	0[illegible] 10,21
बी.ए. द्वितीय	09,26	02,09,17	04,11,18	04,13	02,16,23	11	0[illegible] 08,18
बी.ए. तृतीय	09,26	02,09,17	04,11,18	04,13	02,16,23	11	0[illegible] 08,18
कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	[illegible]नवरी
बी.ए. प्रथम	NA	28 Aug	28 Sep	27 Oct	26 Nov	20 Dec	[illegible] Jan
बी.ए. द्वितीय	NA	25 Aug	26 Sep	25 Oct	30 Nov	18 Dec	[illegible] Jan
बी.ए. तृतीय	NA	25 Aug	26 Sep	25 Oct	30 Nov	18 Dec	[illegible]8 Jan

6. देशाटन (शैक्षिक भ्रमण)

बी.ए. भाग 2 एवं बी.ए. भाग 3 के विद्यार्थियों का शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम दिसम्बर/जनवरी माह में सम्बन्धित जगहों पर सम्भवत: जाया जायेगा।

7. उपचारात्मक कक्षाएं

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम आ जाने के उपरान्त फरवरी माह में 15 से 24 तक शैक्षिक दृष्टिकोण से आशानुरुप प्रदर्शन न कर पाने वाले विद्यार्थियों हेतु उपचारात्मक कक्षाएं संचालित करने की योजना है।

8. ग्राम दर्शन कार्यक्रम

29 जुलाई　　24 अक्टूबर　　17 फरवरी　　05 मई

English Literature Department

26th - 27th September 18	Story Writing Competition
16th October 18	Essay Competition
02nd November 18	Guest Lecture
19th November 18	Elocution Competition
20th December 18	Guest Lecture
4th January 19	Drama Presentation
3-5th January 19	Workshop
9th January 19	Extempore

11-12 January 19	Lecture Competition
21st January 19	Guest Lecture
24th January 19	Guest Lecture

Class Teaching & Monthly Evaluation Schedule

Class	Class Teaching						
	July	August	September	October	November	December	January
B.A. I	NA	06,12,21	07,14	01,10,17	13,20	06,14	04,[illegible]
B.A. II	20	03,10,18	05,12,19	06,15	03,17	01,12	02,[illegible],19
B.A. III	20	03,10,18	05,12,19	06,15	03,17	01,12	02,[illegible],19
Class	**Monthly Evaluation**						
	July	August	September	October	November	December	January
B.A. I	NA	29 Aug	22 Sep	29 Oct	27 Nov	21 Dec	30 Jan
B.A. II	27	27 Aug	27 Sep	26 Oct	24 Nov	19 Dec	29 Jan
B.A. III	27	27 Aug	27 Sep	26 Oct	24 Nov	19 Dec	29 Jan

Adopted Village Manjhariya Tola service

29th July 18 24th October 18 17th February 19 5th May 19

- IV period will be declared as problem solving class for the students of B.A. I, II, III.
- 15th February-24th February Remedial classes.
- Dept. will participate in swachik shramdan runned by N.S.S.
- Dept will take feedback of students about the class & lecture twice in a year that will be in the month of September & January to evaluate the progress of the dept. & lecture.
- Dept. fills swamulyankan praptra every month.

Meetings with adopted students

Through the Dept. is always in contact with the adopted students, but this year Dept. has planned to sit together once in a month with the adopted students.

Meeting will be held on :

25th August 18 28th September 18 17th October 18
30th November 18 15th December 18 12th January 18

समाजशास्त्र विभाग

1. **समाजशास्त्र विभाग के छात्र/छात्राओं हेतु विशिष्ट व्याख्यान**

विषय : कमजोर वर्गों के विकास में सामाजिक न्याय की भूमिका

दिनांक : 29.12.2018

2. **समाजशास्त्र विभाग के छात्र/छात्राओं की शोध व्याख्यान प्रतियोगिता**
   दिनांक : 31.12.2018
3. **समाजशास्त्र विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम सर्वेक्षण - ग्राम दर्शन**
4. **समाजशास्त्र के छात्र/छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन निम्नांकित तिथियों पर**

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनव[illegible]
बी.ए. प्रथम	NA	07,13,23	11,18	05,13	20,16,23	11	01,08,[illegible]
बी.ए. द्वितीय	21,28	04,11,20	07,15	03,11,22	14,21	07,15	05,1[illegible]
बी.ए. तृतीय	21,28	40,11,20	07,15	03,11,22	14,21	07,15	05,1[illegible]

5. **समाजशास्त्र के छात्र/छात्राओं का मासिक मूल्यांकन निम्नांकित तिथियों पर–**

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनव[illegible]
बी.ए. प्रथम	NA	30 Aug	26 Sep	25 Oct	30 Nov	18 Dec	28 Ja[illegible]
बी.ए. द्वितीय	NA	28 Aug	24 Sep	31 Oct	28 Nov	22 Dec	24 Jan
बी.ए. तृतीय	NA	28 Aug	24 Sep	31 Oct	28 Nov	22 Dec	24 Jan

मनोविज्ञान विभाग

1. **मनोविज्ञान विभाग के छात्र/छात्राओं हेतु विशिष्ट व्याख्यान–**
   दिनांक– 13.09.2018, 08.01.2019, 18.01.2019
2. **मनोविज्ञान विभाग के छात्र/छात्राओं की व्याख्यान प्रतियोगिता–**
   दिनांक– 18.01.2019
3. **मनोविज्ञान विभाग के छात्र/छात्राओं की उपचारात्मक कक्षाएँ–**
   दिनांक– 15.02.2018 से 25.02.2019 तक
4. **मनोविज्ञान विभाग द्वारा अधिग्रहित ग्राम सर्वेक्षण - ग्राम दर्शन**
5. **महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था।**
6. **मनोविज्ञान के विद्यार्थियों को परामर्श कौशलों (Counselling Skills) का प्रशिक्षण**
7. **मनोविज्ञान के छात्र/छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन निम्नांकित तिथियों पर–**

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
वी.ए. प्रथम	NA	07,13,23	11,18	05,13	20,16,23	11	01,08,18
वी.ए. द्वितीय	21,28	04,11,20	07,15	03,11,22	14,21	07,15	05,12
बी.ए. तृतीय	21,28	40,11,20	07,15	03,11,22	14,21	07,15	05,12

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए. प्रथम	NA	30 Aug	26 Sep	25 Oct	30 Nov	18 Dec	28 Jan
बी.ए. द्वितीय	NA	28 Aug	24 Sep	31 Oct	28 Nov	22 Dec	24 Jan
बी.ए. तृतीय	NA	28 Aug	24 Sep	31 Oct	28 Nov	22 Dec	24 Jan

वाणिज्य विभाग

11 दिसम्बर, 2018	विशिष्ट व्याख्यान	27 दिसम्बर, 2018	अतिथि व्याख्यान
03 जनवरी, 2019	अतिथि व्याख्यान	25 जनवरी, 2019	शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

अन्य कार्यक्रम

अगस्त माह में प्रस्तावित – स्नातक प्रथम वर्ष स्वागत समारोह

अगस्त माह में प्रस्तावित – परास्नातक प्रथम वर्ष स्वागत समारोह

जनवरी माह में प्रस्तावित – स्नातक अंतिम वर्ष विदाई समारोह

जनवरी माह में प्रस्तावित – परास्नातक अंतिम वर्ष विदाई समारोह

कक्षाध्यापन – प्रत्येक प्रश्नपत्र मे चयनित छात्रों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन

मासिक मूल्यांकन – माह के अंत में प्रत्येक प्रश्न पत्र का मासिक मूल्यांन

मासिक मूल्यांकन परिणाम – प्रत्येक माह के 05 तारीख तक मासिक मूल्यांकन का परिणाम घोषित करना

स्वमूल्यांकन प्रपत्र – प्रत्येक माह के 05 तारीख तक स्वमूल्यांकन प्रपत्र जमा करना

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र – वर्ष में दो बार 05 सितम्बर व 23 जनवरी को छात्रों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि भरवाया जाना

प्रगति आख्या – प्रत्येक माह के 10 तारीख तक प्रगति आख्या पूर्ण करना

गोद लिए हुए छात्र – 10 अगस्त से पूर्व प्रत्येक शिक्षक द्वारा 05-05 छात्रों का गोद लिया जाना

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम – 1. कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
2. लेखांकन प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
3. कार्यालय प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

ग्राम दर्शन – 29 जुलाई, 09 जुलाई, 16 दिसम्बर, 27 जनवरी

स्वैच्छिक श्रमदान – साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में प्रतिभाग करना

विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा – फरवरी के प्रथम सप्ताह में

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा – विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के साथ

उपचारात्मक – 15 से 24 फरवरी

बी.एड्. विभाग

03 अग., 2018	एकदिवसीय कार्यशाला	15 सित., 2018	विशिष्ट व्याख्यान
25 सित.-8 अक्टू., 2018	विशिष्ट व्याख्यान	11 अग.-27 अक्टू., 2018	भाषा उपचारात्मक कक्षा
1 नव., 2018	क्राफ्ट एवं कला प्रदर्शनी	29 दिस., 2018	योग कार्यशाला
17 जन., 2019	विशिष्ट व्याख्यान	29-30 जन., 2019	दो दिवसीय शै. कार्यशाला

मासिक मूल्यांकन - माह के अन्त में प्रत्येक प्रश्न पत्र का मासिक मूल्यांकन अलग-अलग तिथियों पर

मासिक मूल्यांकन का परिणाम तथा परिचर्चा - मासिक मूल्यांकन के अगले दिन प्रश्नों पर परिचर्चा कराना।

स्वमूल्यांकन प्रपत्र - प्रत्येक माह के 05 तारीख तक स्वमूल्यांकन प्रपत्र जमा करना।

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र - वर्ष के दो बार 05 सितम्बर 17 दिसम्बर द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाना।

प्रगति आख्या - प्रत्येक माह के 10 तारीख तक प्रगति आख्या पूर्ण करना।

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम - 1. हमारे महापुरुष और जीवन मूल्य प्रमाण पत्र कार्यक्रम
2. निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र कार्यक्रम

ग्राम्य दर्शन - 05 अगस्त 2018, 07 अक्टूबर 2018, 03 फरवरी 2019 एवं 20 मई 2019

स्वैच्छिक श्रमदान - साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में प्रतिभाग करना।

शिक्षण व्यूह रचना -
1. प्रदर्शन -प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएँ
2. प्रोजेक्ट विधि
3. दत्त कार्य
4. ट्यूटोरियल कक्षाएँ
5. ब्रेन स्टार्मिंग
6. सामूहिक परिचर्चा
7. मासिक मूल्यांकन
8. उपचारात्मक अनुदेशन
9. स्कूल इंटर्नशिप
10. भूमिका निर्वाह
11. शैक्षिक भ्रमण
12. बी.एड्. स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर - फरवरी

भाग-3 : क्रीड़ा विभाग

सत्र 2018-19 में क्रीड़ा विभाग द्वारा महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रस्तावित है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

महंत अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता (15-16 सितम्बर, 2018)

उद्घाटन समारोह - 15 सितम्बर समापन समारोह एवं पुरस्तकार वितरण - 16 सितम्बर

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता (07-08 अक्टूबर, 2018)

उद्घाटन समारोह - 07 अक्टूबर समापन समारोह एवं पुरस्तकार वितरण - 08 अक्टूबर

वार्षिक महोत्सव

योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता (15-16 नवम्बर, 2018)

उद्घाटन समारोह - 15 नवम्बर कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग - 15 नवम्बर

कबड्डी प्रतियोगिता बालिका वर्ग - 16 नवम्बर

समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण - 16 नवम्बर

योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति वालीबॉल प्रतियोगिता (17-18 नवम्बर, 2018)

उद्घाटन समारोह - 17 नवम्बर

वालीबॉल प्रतियोगिता बालक वर्ग - 17 नवम्बर

वालीबॉल प्रतियोगिता बालिका वर्ग - 18 नवम्बर

समापन समारोह एवं पुरस्तकार वितरण - 18 नवम्बर

महंत अवेद्यनाथ स्मृति कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता (23-25 दिसम्बर, 2018)

उद्घाटन समारोह - 23 दिसम्बर

समापन समारोह एवं पुरस्तकार वितरण - 25 दिसम्बर

महंत दिग्विजनाथ स्मृति बैडमिण्टन प्रतियोगिता (05-06 जनवरी, 2019)

उद्घाटन समारोह - 05 जनवरी

बैडमिण्टन प्रतियोगिता बालक वर्ग - 05 जनवरी

भारत-भारती पखवारा

वार्षिक क्रीड़ा समारोह (19-20 जनवरी, 2019)

कबड्डी प्रतियोगिता बालिका वर्ग - 06 जनवरी

समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण - 06 जनवरी

प्रथम दिवस दिनांक- 19 जनवरी, 2018

9:00 प्रातः उद्घाटन समारोह

9:40 प्रातः 800 मीटर महिला फाइनल

9:50 प्रातः 100 मी. हीट, महिला

10:30 प्रातः 100 मी. हीट, पुरुष

11:30 प्रातः लम्बी कूद पुरुष फाइनल

12:20 अपराह्नः 100 मीटर महिला फाइनल

01:00 अपराह्नः भाला क्षेपण पुरुष फाइनल

02:00 अपराह्नः 1500 मीटर पुरुष फाइनल

9:30 प्रातः 800 मीटर पुरुष फाइनल

9:50 प्रातः गोला क्षेपण पुरुष फाइनल

10:30 प्रातः गोला क्षेपण महि. फाइनल

11:00 प्रातः लम्बी कूद महिला फाइनल

12:10 अपराह्नः 100 मीटर पुरुष फाइनल

12:30-01:00 अपराह्न भोजनावकाश

01:30 अपराह्नः भाला क्षेपण महिला फाइनल

02:30 अपराह्नः 400 मीटर महिला फाइनल

द्वितीय दिवस दिनांक -

7:00 प्रातः 5000 मीटर पुरुष फाइनल

9:30 प्रातः 200 मीटर महिला हीट

10:30 प्रातः चक्का क्षेपण महिला फाइनल

11:15 प्रातः ऊँची कूद पुरुष फाइनल

12:15-12:45 अपराह्न भोजनावकाश

12:55 अपराह्नः 200 मीटर महिला फाइनल

12:10 अपराह्नः 100 मीटर पुरुष फाइनल

12:30-01:00 अपराह्न भोजनावकाश

9:00 प्रातः 200 मीटर हीट पुरुष

10:00 प्रातः चक्का क्षेपण पुरुष फाइनल

11:00 प्रातः 400 मीटर पुरुष फाइनल

11:45 प्रातः ऊँची कूद महिला फाइनल

12:45 अपराह्नः 200 मीटर पुरुष फाइनल

01:10 अपराह्नः समापन समारोह

12:20 अपराह्नः 100 मीटर महिला फाइनल

01:00 अपराह्नः भाला क्षेपण पुरुष फाइनल

महाविद्यालय प्रशासन

प्रवेश एवं परीक्षा	डॉ. विजय कुमार चौधरी / श्री मंजेश्वर
अनुशासन	डॉ. आर.एन. सिंह / डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह
स्वच्छता/विद्युत	डॉ. अभिषेक सिंह
नैक एवं तत्सम्बन्धी कार्य	डॉ. अभिषेक वर्मा
सांस्कृतिक कार्यक्रम	श्रीमती कविता मन्ध्यान
पठन-पाठन एवं तकनीकी प्रसार	डॉ. प्रदीप कुमार राव
वेबसाइट	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
पुस्तकालय	डॉ. रमाकान्त दूबे / श्री प्रतीक दास
प्रयोगशाला	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
क्रीड़ा	डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह
राष्ट्रीय सेवा योजना	डॉ. यशवन्त कुमार राव
गोद लिए गए गांव	डॉ. प्रदीप कुमार राव
सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना	डॉ. प्रदीप कुमार राव
रोवर-रेंजर्स	श्री नवनीत सिंह
छात्रसंघ	श्री नन्दन शर्मा
कार्यालय	डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय
अभिभावक संघ	डॉ. संजय कुमार जायसवाल
पुरातन छात्र परिषद्	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
प्राथमिक उपचार केन्द्र	श्री सुबोध कुमार मिश्र
सिलाई-कढ़ाई, पेन्टिग	श्रीमती किरन सिंह
कम्प्यूटर प्रशिक्षण	डॉ. राम सहाय
प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	श्रीमती शिप्रा सिंह
प्रार्थना-सभा	श्री सौरभ कुमार सिंह
सूचना एवं परामर्श	डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्रा / डॉ. सुभाष कु. गुप्ता
बागवानी	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव
शोध	डॉ. प्रदीप कुमार राव
ध्येय-पथ	सुश्री श्वेता चौबे
छात्र समिति	डॉ. अनुभा श्रीवास्तव / श्रीमती पुष्पा निषाद
रख-रखाव एवं भण्डार	डॉ. प्रदीप कुमार राव

ई.पी.एफ. — डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता / डॉ. अरुण कुमार राव

छात्रवृत्ति — डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह

सूचना एवं प्रसार — डॉ. राजेश शुक्ल / श्री वागीश राज पाण्डेय

प्रमुख कार्यक्रम एवं आयोजन –

आयोजन समिति

क. **व्याख्यान माला**
ख. **स्वतंत्रता दिवस**
ग. **पुण्यतिथि**
घ. **गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती**
ङ. **वार्षिक महोत्सव**
च. **संस्थापक सप्ताह समारोह**
छ. **भारत-भारती पखवारा**
ज. **गणतंत्र दिवस**

डॉ. विजय कुमार चौधरी
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
श्रीमती कविता मन्ध्यान
श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी
श्री सुबोध कुमार मिश्र
श्रीमती शिप्रा सिंह

3. **प्रवेश एवं परीक्षा** – प्रवेश समिति एवं परीक्षा समिति का पुनर्गठन किया गया। प्रवेश के सन्दर्भ में गत मार्च के सम्पन्न समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय की पुनः पुष्टि की गई। 30 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर 01 अगस्त से परम्परागत निर्णयानुसार प्रथम वर्ष की कक्षाएँ संचालित करने का निर्णय लिया गया। सभी कक्षाओं में द्वितीय, तृतीय वर्ष की कक्षाएं 16 जुलाई से प्रारम्भ होगी। पूर्ववत परीक्षानीति को स्वीकृति प्रदान कर दी गई।

प्रवेश हेतु साक्षात्कार की पूर्व से चली आ रही व्यवस्था के अनुसार छात्र प्रवेश परामर्श समिति द्वारा साक्षात्कार लिए जाने की योजना को और प्रभावी बनाने हेतु समिति में विद्यार्थियों के साथ एक शिक्षक भी जोड़ दिया गया। यह निर्णय लिया गया कि छात्र प्रवेश परामर्श समिति के समक्ष साक्षात्कार के बाद ही प्रवेशार्थी शिक्षक प्रवेश समिति के समक्ष साक्षात्कार हेतु उपस्थित होगा। दोनों समितियों द्वारा साक्षात्कार के आधार पर संस्तुत किए गए विद्यार्थी का ही प्रवेश संयोजक/प्राचार्य द्वारा लिया जाएगा। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा सम्पन्न प्रवेश परीक्षा से आए विद्यार्थियों का साक्षात्कार 200 अंक का तथा सीधे प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 100 अंक का होगा। प्रवेश के समय ही प्रवेशार्थी को समय-सारणी, परिचय पत्र, पुस्तकालय कार्ड, छात्रवृत्ति फार्म उपलब्ध करा दिया जाएगा।

4. **समय-सारणी, पठन-पाठन**- डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, डॉ. राजेश शुक्ला, श्रीमती शिप्रा सिंह, डॉ. अरुण राव एवं श्री मंजेश्वर द्वारा समय-सारणी अद्यतन कर प्रवेश प्रारम्भ होने से पूर्व छपा लिया जाएगा। समय-सारणी बनाते समय गत-सत्र में आयी कठिनाइयों का निवारण अवश्य

समावर्तन–2019

छात्रसंघ प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	नाम
रसायनशास्त्र	बी.एस-सी. भाग एक	श्री अश्वनी कुमार यादव
	बी.एस-सी. भाग दो	श्री सच्चिदानन्द चौहान
	बी.एस-सी. भाग तीन	सुश्री प्रीती यादव
गणित	बी.एस-सी. भाग एक	श्री सूरज मौर्य
	बी.एस-सी. भाग दो	श्री शैलेष चौहान
	बी.एस-सी. भाग तीन	सुश्री जया त्रिपाठी
भौतिकी	बी.एस-सी. भाग एक	श्री निलेश नन्द
	बी.एस-सी. भाग दो	सुश्री अनामिका सिंह
	बी.एस-सी. भाग तीन	श्री रवि कुमार
प्राणि विज्ञान	बी.एस-सी. भाग एक	सुश्री अंकिता यादव
	बी.एस-सी. भाग दो	सुश्री प्रतापति ममता
	बी.एस-सी. भाग तीन	श्री देवेन्द्र पाण्डेय
वनस्पति विज्ञान	बी.एस-सी. भाग एक	श्री शिवम जायसवाल
	बी.एस-सी. भाग दो	सुश्री श्वेता मिश्रा
	बी.एस-सी. भाग तीन	सुश्री अंजली सिंह
इलेक्ट्रानिक्स	बी.एस-सी. भाग एक	श्री सचिन यादव
	बी.एस-सी. भाग दो	सुश्री नूतन पाण्डेय
	बी.एस-सी. भाग तीन	श्री बृजेष प्रजापति
कम्प्यूटर साइंस	बी.एस-सी. भाग एक	सुश्री अन्नु सिंह
	बी.एस-सी. भाग दो	सुश्री वर्षा पाण्डेय
	बी.एस-सी. भाग तीन	श्री दिव्यांशु रंजन
सांख्यिकी	बी.एस-सी. भाग एक	श्री विनय चौहान
	बी.एस-सी. भाग दो	सुश्री शिवांगी सिंह
	बी.एस-सी. भाग तीन	श्री आदित्य श्रीवास्तव
हिन्दी	बी.ए. भाग एक	श्री अंकित कुमार शुक्ला
	बी.ए. भाग दो	सुश्री नीतू यादव
	बी.ए. भाग तीन	सुश्री नेहा निषाद
अंग्रेजी	बी.ए. भाग एक	सुश्री कौशिकी चतुर्वेदी
	बी.ए. भाग दो	श्री सौरभ ओझा
	बी.ए. भाग तीन	सुश्री अर्चना
राजनीतिशास्त्र	बी.ए. भाग एक	सुश्री रुबी निषाद
	बी.ए. भाग दो	श्री अमन कुमार राणा
	बी.ए. भाग तीन	श्री विवेक विश्वकर्मा
समाजशास्त्र	बी.ए. भाग एक	श्री आनन्द कुमार मिश्र
	बी.ए. भाग दो	सुश्री साक्षी गुप्ता
	बी.ए. भाग तीन	सुश्री तनु यादव
प्राचीन इतिहास	बी.ए. भाग एक	सुश्री रंजना चौरसिया
	बी.ए. भाग दो	सुश्री संध्या विश्वकर्मा
	बी.ए. भाग तीन	श्री दुर्गेश साहनी
इतिहास	बी.ए. भाग एक	श्री सत्य प्रकाश तिवारी
	बी.ए. भाग दो	श्री अंकित कुमार पाण्डेय
	बी.ए. भाग तीन	श्री पंकज कुमार यादव
अर्थशास्त्र	बी.ए. भाग एक	श्री मनोज शर्मा
	बी.ए. भाग दो	सुश्री निशा
	बी.ए. भाग तीन	श्री दिव्यम श्रीवास्तव

छात्रसंघ प्रतिनिधि

विषय	कक्षा	नाम
भूगोल	बी.ए. भाग एक	सुश्री नेहा
	बी.ए. भाग दो	श्री विशाल कुमार दूबे
	बी.ए. भाग तीन	श्री नीरज [illegible]
मनोविज्ञान	बी.ए. भाग एक	सुश्री महिमा विश्वकर्मा
	बी.ए. भाग दो	श्री सुनील कुमार सिंह
	बी.ए. भाग तीन	सुश्री रीतू [illegible]
रक्षा अध्ययन	बी.ए. भाग एक	श्री देवेन्द्र [illegible]ारी
	बी.ए. भाग दो	श्री नीतीश कुमार सिंह
	बी.ए. भाग तीन	श्री राहुल [illegible]
गृह विज्ञान	बी.ए. भाग एक	सुश्री रागिनी पाल
	बी.ए. भाग दो	सुश्री ललिता गुप्ता
	बी.ए. भाग तीन	सुश्री चन्दा गुप्ता
संस्कृत	बी.ए. भाग एक	लागू नहीं
	बी.ए. भाग दो	लागू नहीं
	बी.ए. भाग तीन	लागू नहीं
शिक्षाशास्त्र	बी.ए. भाग एक	सुश्री रंजना चौरसिया
	बी.ए. भाग दो	सुश्री सुकन्या सिंह
	बी.ए. भाग तीन	लागू नहीं
वाणिज्य	बी.काम. भाग एक	श्री भानु प्रताप निषाद
(लेखांकन एवं सांख्यिकी)	बी.काम. भाग दो	श्री सुशील चन्द्र ओझा
	बी.काम. भाग तीन	सुश्री शिवांगी पाण्डेय
वाणिज्य	बी.काम. भाग एक	श्री शाश्वत पाण्डेय
(व्यावसायिक प्रशासन)	बी.काम. भाग दो	सुश्री शगुन गुप्ता
	बी.काम. भाग तीन	सुश्री स्वेच्छा गुप्ता
वाणिज्य	बी.काम. भाग एक	श्री कुलदीप सिंह
(आर्थिक एवं	बी.काम. भाग दो	सुश्री प्रिया वर्मा
राजकोषीय प्रशासन)	बी.काम. भाग तीन	सुश्री शिवानी तिवारी
बी.एड.	बी.एड भाग एक	श्री विजय कुमार
	बी.एड. भाग दो	सुश्री मंजरी पाण्डेय
प्राचीन इतिहास	प्रथम वर्ष	लागू नहीं
(एम.ए.)	अन्तिम वर्ष	सुश्री राधिका
समाजशास्त्र	प्रथम वर्ष	प्रतिनिधि नहीं
(एम.ए.)	अन्तिम वर्ष	लागू नहीं
राजनीतिशास्त्र	प्रथम वर्ष	सुश्री शमसिया खातून
(एम.ए.)	अन्तिम वर्ष	श्री मयंक तिवारी
भूगोल	प्रथम वर्ष	सुश्री पुष्पा
(एम.ए.)	अन्तिम वर्ष	लागू नहीं
रसायनशास्त्र	प्रथम सेमेस्टर	श्री दिपक कुमार गुप्ता
(एम.एस-सी.)	तृतीय सेमेस्टर	सुश्री नेहा गुप्ता
प्राणि विज्ञान	प्रथम सेमेस्टर	सुश्री वंदना सिंह
(एम.एस-सी.)	तृतीय सेमेस्टर	लागू नहीं
वनस्पतिशास्त्र	प्रथम सेमेस्टर	सुश्री पुनीता पाल
(एम.एस-सी.)	तृतीय सेमेस्टर	लागू नहीं
वाणिज्य	प्रथम वर्ष	सुश्री नम्रता पाण्डेय
(एम.काम.)	अंतिम वर्ष	श्री दिपक प्रजापति

छात्रसंघ

श्री नन्दन शर्मा, प्रभारी

श्री वागीश राज पाण्डेय, सह प्रभारी

अध्यक्ष	श्री मयंक तिवारी
उपाध्यक्ष	श्री विशाल कुमार दूबे
महामंत्री	श्री दिव्यांशु रंजन
पुस्तकालयाध्यक्ष	श्री अंकित कुमार पाण्डेय

छात्र नियंता समिति

डॉ. आर.एन. सिंह, प्रभारी

डॉ. अरूण कुमार राव, सह प्रभारी

श्री पंकज कुमार यादव	बी.ए. भाग तीन
श्री मयंक तिवारी	एम.ए. भाग दो
श्री विशाल कुमार दूबे	बी.ए. भाग दो
श्री राहुल गिरि	बी.ए. भाग तीन
श्री भानू प्रताप निषाद	बी.कॉम. भाग एक
श्री सुशील चन्द्र ओझा	बी.कॉम. भाग दो

छात्रा समिति

डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, प्रभारी

डॉ. आरती सिंह, सह प्रभारी

सुश्री अर्चना	बी.ए. भाग तीन
सुश्री नेहा	बी.ए. भाग तीन
सुश्री स्वेच्छा गुप्ता	बी.ए. भाग तीन
सुश्री कौशिकी चतुर्वेदी	बी.ए. भाग तीन
सुश्री नीतू यादव	बी.ए. भाग तीन
सुश्री शिवांगी पाण्डेय	बी.काम. भाग तीन

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

श्रीमती कविता मन्ध्यान, प्रभारी

सुश्री दीप्ति गुप्ता, सह प्रभारी

सुश्री सुकन्या सिंह	बी.ए. भाग दो
सुश्री साक्षी गुप्ता	बी.ए. भाग दो
सुश्री चन्दा गुप्ता	बी.ए. भाग तीन
श्री दिव्यम श्रीवास्तव	बी.ए. भाग तीन
सुश्री रूबी निषाद	बी.ए. भाग तीन

स्वच्छता एवं बागवानी समिति

डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, प्रभारी

सुश्री आम्रपाली वर्मा, सह प्रभारी

श्री सुनील कुमार सिंह	बी.एस-सी. भाग दो
श्री प्रजापति ममता	बी.एस-सी. भाग दो
सुश्री श्वेता मिश्रा	बी.एस-सी. भाग दो
श्री दीपक कुमार गुप्ता	एम.एस-सी. प्रथम से.
सुश्री अंकिता यादव	बी.एस-सी. भाग एक

प्रार्थना समिति

डॉ. सौरभ कुमार सिंह, प्रभारी

श्री सुबोध कुमार मिश्र, सह प्रभारी

सुश्री नेहा निषाद	बी.ए. भाग तीन
श्री विजय कुमार	बी.एड्. प्रथम वर्ष
श्री शैलेश चौहान	बी.ए. भाग दो
सुश्री रागिनी पाल	बी.ए. भाग एक
सुश्री ललिता गुप्ता	बी.ए. भाग दो

पुस्तकालय समिति

डॉ. रमाकान्त दूबे, प्रभारी

श्री गोविन्द प्रसाद, सह प्रभारी

श्री विवेक कु. विश्वकर्मा	बी.ए. भाग तीन
श्री विनय कुमार चौहान	बी.एस-सी. भाग एक
श्री सत्य प्रकाश तिवारी	बी.ए. भाग एक
श्री आनन्द कुमार मिश्र	बी.ए. भाग एक
सुश्री निशा	बी.ए. भाग दो
श्री अंकित कुमार पाण्डेय	बी.ए. भाग दो

प्रयोगशाला समिति

डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, प्रभारी

श्री अभिषेक वर्मा, सह प्रभारी

श्री बृजेश प्रजापति	बी.एस-सी. भाग तीन
श्री शिवम् कु. जायसवाल	बी.एस-सी. भाग एक
सुश्री वर्षा पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग दो
सुश्री रीतु सिंह	बी.ए. भाग तीन
श्री सच्चिदानन्द	बी.एस-सी. भाग एक

सोशल मीडिया समिति

श्री वागीश राज पाण्डेय, प्रभारी

डॉ. राजेश शुक्ला, सह प्रभारी

श्री देवेन्द्र पाण्डेय	बी.एस-सी. भाग तीन
श्री दिव्यांशु रंजन	बी.एस-सी. भाग तीन
श्री सचिन यादव	बी.एस-सी. भाग एक
श्री अश्वनी कुमार यादव	बी.एस-सी. भाग एक
श्री अमन कुमार राणा	बी.ए. भाग दो

दीवार पत्रिका समिति

सुश्री नूपुर शर्मा, प्रभारी

सुश्री श्वेता वर्मा, सह प्रभारी

श्री मनीष शर्मा	बी.ए. भाग एक
सुश्री राधिका	एम.ए. भाग दो
सुश्री शगुन गुप्ता	बी.काम. भाग दो
सुश्री पुनीता पाल	बी.एस-सी. भाग एक
सुश्री प्रिया वर्मा	बी.काम. भाग दो

शोध समिति

डॉ. कृष्ण कुमार, प्रभारी

डॉ. वेंकटरमन पाण्डेय, सह प्रभारी

विद्यार्थी सदस्य	कक्षा
श्री अंकित मल्ल	एम.ए. द्वितीय वर्ष
श्री दुर्गेश साहनी	बी.ए. भाग तीन
सुश्री राधिका	एम.ए. द्वितीय वर्ष

छात्र प्रवेश समिति सत्र 2018-19

श्री अम्बिका सिंह	बी.ए. भाग दो
श्री विनय कुमार चौहान	बी.ए. भाग तीन
सुश्री श्वेता मिश्रा	बी.एस-सी. भाग दो
सुश्री सुधा सागर	बी.एस-सी. भाग तीन
सुश्री नेहा शर्मा	बी.कॉम. भाग दो
श्री सूरज गुप्ता	बी.कॉम. भाग तीन
सुश्री राधिका	एम.ए. भाग दो
सुश्री मोनी सिंह	एम.ए. भाग दो
श्री दीपक प्रजापति	एम.कॉम. भाग दो

नियन्ता मण्डल

मुख्य नियन्ता	डॉ. आर.एन. सिंह
सदस्य	डॉ. आरती सिंह
	श्री वीरेन्द्र तिवारी
	श्री प्रदीप वर्मा
	सुश्री आम्रपाली वर्मा
	सुश्री प्रियंका मिश्रा
	डॉ. कुसुमलता सिंह
	सुश्री विभा सिंह
	डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय
	सुश्री रचना सिंह

प्रशासनिक समिति

प्रशासक	श्री मृत्युन्जय कुमार सिंह
सदस्य	श्रीमती कविता मन्थ्यान्
	श्रीमती पुष्पा निषाद
	श्रीमती विभा सिंह
	श्री विनय कुमार सिंह
	श्री सुबोध कुमार मिश्र
	डॉ. अभिषेक सिंह
	श्री नंदन शर्मा
	डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र
	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह

शिक्षक संघ

अध्यक्ष	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
उपाध्यक्ष	डॉ. आरती सिंह
महामंत्री	श्री संजय जायसवाल
संयुक्त मंत्री	डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही
कोषाध्यक्ष	श्री मंजेश्वर
सदस्य	डॉ. नवनीत सिंह
	डॉ. यशवन्त राव
	श्री नन्दन शर्मा
	सुश्री श्वेता चौबे

क्रीड़ा समिति

श्री मृत्युन्जय कुमार सिंह, प्रभारी
डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, सह प्रभारी

सुश्री अन्नू सिंह	बी.एस-सी. भाग एक
श्री आदित्य श्रीवास्तव	बी.एस-सी. भाग तीन
श्री रवि कुमार	बी.एस-सी. भाग तीन
श्री अंकित कुमार शुक्ल	बी.एस-सी. भाग एक
श्री सौरभ ओझा	बी.एस-सी. भाग दो

पुरातन छात्र परिषद

श्री अविनाश प्रताप सिंह, प्रभारी
श्री सुबोध कुमार मिश्र, सह प्रभारी

अध्यक्ष	श्री मनीष त्रिपाठी
उपाध्यक्ष	श्री विश्वजीत शर्मा
महामंत्री	श्री जयहिन्द यादव
सहमंत्री	श्री किशन देव निषाद
कोषाध्यक्ष	श्री आशीष राय
सदस्य	श्री दीपक कुमार
	श्री सुजीत कुमार सिंह
	श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय
	सुश्री सृष्टि सिंह
	श्री त्रिपुरेश कुमार
	श्री विनीत कुमार पाण्डेय
	सुश्री आराधना वर्मा
	सुश्री मनीषा सिंह

शिक्षक-अभिभावक संघ

श्री संजय कुमार जायसवाल, प्रभारी
डॉ. रामसहाय, सह प्रभारी

अध्यक्ष	श्री विपिन कुमार यादव
उपाध्यक्ष	श्री अमन कुमार
प्रबन्धक	श्री इन्द्रजीत दूबे
सदस्य	श्री दुर्गा राय
	श्री गोपालजी गुप्ता
	श्री कमलेश कुमार गुप्ता
	श्रीमती कुसुम देवी
	श्रीमती पुष्पा देवी
	श्रीमती रीना मिश्रा
	श्री अशोक कुमार सिंह
	श्री मुरारी प्रसाद गौड़

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष	परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज	
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव	प्राचार्य
शोध सहायक	डॉ. अभिषेक सिंह	प्रवक्ता, रक्षा अध्ययन
परामर्श समिति	डॉ. कृष्ण कुमार गौतम	काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. काशीनाथ	बुद्ध टूरिज्म विश्वविद्यालय काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री राकेश मिश्र	तराई पत्रकार काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री सुरेश मल्ल	नेपाल
	श्रीमती नलिनी गयवाली	सामाजिक कार्यकर्ता (नेपाल)
	श्री दीपक अधिकारी	सामाजिक कार्यकर्ता काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. हर्ष सिन्हा	दी.द.उ. गो. विश्वविद्यालय गोरखपुर (भारत)
	डॉ. रेनू सक्सेना	जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (भारत)
	श्री अजीत कुमार	सामाजिक कार्यकर्ता (भारत)
	श्री हरेन्द्र प्रताप	सदस्य विधान परिषद, पटना, बिहार (भारत)
	श्री अरूण जी	सामाजिक कार्यकर्ता, नई दिल्ली (भारत)

गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

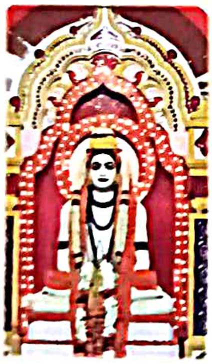

अध्यक्ष	पूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव
शोध समन्वयक	श्री सुबोध कुमार मिश्र
परामर्श समिति	प्रो. यू.पी. सिंह
	प्रो. शिवाजी सिंह
	प्रो. कपिल कपूर
	डॉ. सन्तोष शुक्ला
	प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा
	प्रो. मुरली मनोहर पाठक
	डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

नाम	पद
पूज्य महन्त योगी आदित्यनाथ जी (मुख्यमंत्री), प्रबन्धक	सदस्य
प्रो. यू.पी. सिंह (पूर्व कुलपति), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
प्रो. राम अचल सिंह (पूर्व कुलपति), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
डॉ. राजशरण शाही (शिक्षक), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
श्री मनीष त्रिपाठी, अध्यक्ष, पुरातन छात्र परिषद	सदस्य
श्री विपिन कुमार यादव, अध्यक्ष, अभिभावक संघ	सदस्य
श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी	सदस्य
श्री ज्योति मस्करा, उद्योगपति	सदस्य
डॉ. विजय कुमार चौधरी, शिक्षक	सदस्य
डॉ. आर.एन. सिंह, अनुशासन	सदस्य
डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, शिक्षक	सदस्य
डॉ. राजेश कुमार शुक्ल, शिक्षक	सदस्य
श्रीमती कविता मन्ध्यान, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अभिषेक कुमार वर्मा, शिक्षक	समन्वयक/सचिव
डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य	अध्यक्ष

समावर्तन पत्रिका सम्पादन मण्डल

प्रधान सम्पादक

प्रदीप कुमार राव

सम्पादक

अविनाश प्रताप सिंह, सुबोध कुमार मिश्र
प्रज्ञेश कुमार मिश्र, अभिषेक सिंह

'विज्ञान की नवीन प्रवृत्तियाँ' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के कुछ प्रमुख छायाचित्र

समापन समारोह मंचासीन विद्वतजन

प्रो. हरीजी सिंह

प्रो. ओ.पी. पाण्डेय

प्रो. सुग्रीव तिवारी

प्रो. सुधीर श्रीवास्तव

प्रो. डी.के. सिंह

प्रो. रवि शंकर सिंह

प्रो. बी.एन. पाण्डेय

प्रो. शीला मिश्रा

प्रो. राणाप्रताप सिंह

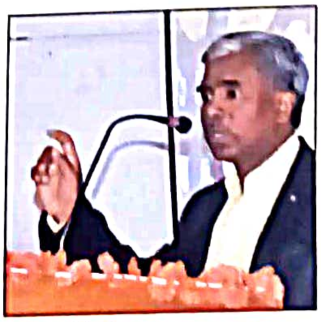

प्रो. दिनेश यादव

डॉ. केशव सिंह

महायोगी गुरुश्री गोरक्षनाथ स्वर्ण पदक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव में भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय के कर कमलों द्वारा महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ को सर्वश्रेष्ठ संस्था का 'महायोगी गुरुश्री गोरक्षनाथ स्वर्णपदक' एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया इस अवसर पर उ.प्र. के माननीय राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में पुरस्कार प्राप्त करते महाविद्यालय के प्राचार्य

हमारे प्रयास

- प्रातः सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम, राष्ट्रगान एवं श्रीमद्भगवद्गीता के पाँच श्लोक के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरूष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- 16 जुलाई से स… एवं तृतीय वर्ष की …
- प्रति वर्ष पाठ्यत्र… तद्नुरूप 30 जनव… योजना का क्रियान्व…
- 16 अगस्त से प्रयो…
- छात्रसंघ का चुनाव…
- प्रवेश समिति म… संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्रा… प्रत्येक शनिवार को…
- सप्ताह में एक … कक्षाध्यापक।
- छात्र-छात्राओं का म…
- प्रतिदिन विद्यार्थियों व…
- महाविद्यालय प्रशास… अर्थात् नियन्ता मण्ड… खेल, सांस्कृतिक व… छात्र सदस्य।
- विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों का गणवेश निर्धारित।
- छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा।
- फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रथम तीन छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय की विशेष सुविधा, प्रवेश समिति की सदस्यता, उनकी उत्तर पुस्तिकाएं पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखा जाना।
- परीक्षा से पूर्व समावर्तन संस्कार (दीक्षान्त) समारोह का आयोजन।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।
- सत्र में दो बार शि…-अभिभावक एवं पुरातन …
…हिक राष्ट्रसंत महन्त …
…।
…प्रतियोगिता।
… एवं 'मानविकी' …
…त्रिका एवं समावर्तन …
…ष्ठी/कार्यशाला का …
…न हेतु योगीराज …
…ई-कढ़ाई प्रशिक्षण …
…त्राओं एवं ग्रामीण …
…प्रशिक्षण।
…अध्ययन केन्द्र का …
…ा संचालन।
…ण-पत्र पाठ्यक्रम का संचालन।
- प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव को गोद लेकर जनजागरण अभियान द्वारा संस्थागत सामाजिक दायित्व का निर्वहन।
- आदर्श ग्राम योजना के अन्तर्गत प्रयोग के तौर पर मंझरिया गाँव का सम्पूर्ण विकास।
- महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन।
- मासिक ई-पत्रिका ध्येय पथ का प्रकाशन।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)-273014

कृपया ध्यान दें:-
1. पुस्तक खो देने, फाड़ देने या बरबाद कर देने पर पाठक को उसके बदले में नयी पुस्तक देना होगा या दोगुना मूल्य देना होगा।
2. आवश्यकतानुसार पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा निर्गमित पुस्तक को किसी भी समय लौटाने के समय निर्देश का पालन अनिवार्य होगा।
3. पुस्तक पर किसी तरह का निशान इंक या मार्का द्वारा चिन्ह न लगाएें।

हमें पुस्तक का उसी प्रकार उपयोग करना चाहिए जैसे मधुमक्खी पुष्प का करती है, वह मधु संचित कर लेती है, किन्तु इसे क्षति नही पहुंचाती .. (काल्टन)

पुस्तकें साफ एवं सुरक्षित रखें।

समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद् १.११

''सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना। कुशल कार्य में प्रमाद न करना। महान् बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरो के कार्य (यज्ञ और श्राद्ध आदि) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यो को करना।''

संकल्प

मैं ....

पुत्र/पुत्रीश्री/श्रीमती ....

स्नातक/स्नातकोत्तर कला/विज्ञान/वाणिज्य/बी.एड. में इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूँगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।
- भारत की सनातन संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा